खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 25 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-264

महिला सशक्तिकरण की असलियत का खुलासा

विज्ञान और तकनीक के शोध में अटका रहे रोड़ा

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

महिला सशक्तिकरण को लेकर केंद्र सरकार द्वारा किया जाने वाला दावा खोखला ही साबित हो रहा है। विज्ञान और तकनीक के शोध में महिलाओं को आगे बढ़ने में खुद केंद्र सरकार का विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय रोड़े अंटका रहा है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए लाई गई दो प्रमुख फेलोशिप योजनाओं के रिजल्ट मंत्रालय ने 15 महीने से रोक रखे हैं। इस तरह के रवैये से विज्ञान और इंजीनियरिंग क्षेत्र में महिलाओं को वाइज़ पीएचडी और वाइज़ पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप नहीं मिल पा रही है और उनका पूरा करियर अधर में पड़ा हुआ है। फेलोशिप परीक्षा के परिणाम 15 महीने से मंत्रालय के गलियारे में भटक रहे हैं। महिला सशक्तिकरण की नीतियों का सत्ता गलियारे में इस हाल के कारण पहली पीढ़ी की सैकड़ों महत्वाकांक्षी महिला वैज्ञानिक अपने शैक्षणिक भविष्य को लेकर अधर में हैं।

जिन लोगों ने यह फेलोशिप हासिल की है, उन्हें भी शोध अनुदान में 18 महीने तक की देरी के कारण संघर्ष करना पड़ रहा है। यह देरी ऐसे समय में हुई है जब भारत में अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) गतिविधियों में सीधे तौर पर लगे कुल 3,62,000 कर्मियों में से महिलाओं की संख्या केवल 18.6 प्रतिशत है। करियर में रुकावटों के कारण महिला वैज्ञानिकों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के डीएसटी के प्रयासों ने उनकी परेशानियों को और बढ़ा दिया है। 2018 में वाइज़-नॉलेज इन्वॉल्वमेंट इन रिसर्च एडवांसमेंट थ्रू नर्चरिंग (वाइज़-किरन) पहल के तहत लिंग-आधारित फेलोशिप के पुनर्गठन और जनवरी 2025 से दो अन्य कार्यक्रमों के साथ इसके विज्ञान धारा योजना में विलय के कारण धन वितरण और फेलोशिप परिणामों में देरी हुई है।

वर्ष 2023-24 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 2018 में शुरू की गई वाइज़-किरन पहल के तहत वाइज़-पीएचडी में वुमेन इन साइंस-ए कार्यक्रम का पुनर्गठन किया। यह पहल पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण करियर में रुकावट का सामना कर रही महिलाओं की मदद के लिए शुरू की गई थी। इस योजना में साक्षात्कार शामिल था, लेकिन वाइज़-पीएचडी में चयन के लिए कोई साक्षात्कार नहीं है। वाइज़-पीएचडी योजना के तहत, विज्ञान में ▶10 पर

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लिए कई महत्वपूर्ण फैसले

रेलवे के 10 लाख कर्मियों को दिवाली बोनस

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को रेलवे कर्मचारियों के लिए 1,866 करोड़ रुपए के उत्पादकता-आधारित बोनस (पीएलबी) को मंजूरी दे दी। इससे 10.90 लाख कर्मचारियों को उनके अच्छे प्रदर्शन के लिए लाभ मिलेगा। यह बोनस उनके 78 दिनों के वेतन के बराबर है। हर साल दुर्गा पूजा/दशहरा की छुट्टियों से पहले पात्र रेल कर्मचारियों को पीएलबी का भुगतान किया जाता है। पिछले साल मोदी सरकार ने रेल कर्मचारियों के लिए 2,029 करोड़ रुपए के बोनस को मंज़ूरी दी थी। इससे 11,72,240 कर्मचारियों को लाभ हुआ था।

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कैबिनेट के इस फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि एक पात्र रेल कर्मचारी को 78 दिनों के लिए अधिकतम देय राशि 17,951 रुपए है। यह राशि कई प्रकार के रेल कर्मचारियों को दी जाएगी। इनमें ट्रैक मेंटेनर, लोकोमोटिव पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड), स्टेशन मास्टर, सुपरवाइजर, तकनीशियन, तकनीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन, मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य ग्रुप सी कर्मचारी शामिल हैं। सरकार ने कहा, वर्ष 2024-25 में रेलवे का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। रेलवे ने रिकॉर्ड 1614.90 मिलियन टन माल ढुलाई की और लगभग 7.3 बिलियन यात्रियों को ढोया। वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्री ने नेशनल शिप बिल्डिंग मिशन को भी मंजूरी दी है।

बिहार के लिए 6 हजार करोड़ की परियोजनाएं मंजूर

केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार के बख्तियारपुर-राजगीर और झारखंड के तिलैया के बीच 104 किलोमीटर की रेल दोहरीकरण परियोजना को भी मंजूरी दी है। इस पर करीब 2,192 करोड़ रुपए की लागत आएगी। केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार के लिए लगभग छह हजार करोड़ रुपए की योजनाओं को मंजूरी दी है। ▶10 पर

सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल हिंसा में बदली

लद्दाख में पूर्ण राज्य की मांग को लेकर उपद्रव

लेह, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में बुधवार 24 सितंबर को उस समय बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया, जब पूर्ण राज्य के दर्जे और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प हो गई। प्रदर्शनकारियों ने लेह में भाजपा दफ्तर पर पथराव कर आग लगा दी फिर सीआरपीएफ की एक गाड़ी भी फूंक डाली। पुलिस को लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। इस बढ़ती अशांति के बीच, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 6 अक्टूबर 2025 को लद्दाख के नागरिक नेताओं के साथ अगले दौर की बातचीत बुलाई है।

प्रदर्शकारियों ने फूंका भाजपा दफ्तर और सरकारी वाहन

यह विरोध प्रदर्शन पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक के समर्थन में हो रहा है, जो अपनी चार प्रमुख मांगों को लेकर पिछले 15 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। चार मांगों में लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देना, इसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करना, स्थानीय लोगों के लिए नौकरियों में आरक्षण और लेह-करगिल के लिए एक-एक संसदीय सीट का निर्धारण शामिल है। लेह एपेक्स बॉडी (एलएपी) और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) इन संवैधानिक सुरक्षा उपायों की मांग कर रहे हैं। गृह मंत्रालय ने नित्यानंद राय की अध्यक्षता में एक उच्च-शक्ति समिति बनाई है, जिसकी आखिरी बैठक 27 मई को हुई थी। इसके बाद से कोई बातचीत नहीं हुई थी। केडीए के सज्जाद कारगिल ने वार्ता के फिर से शुरू होने पर उम्मीद जताई है, साथ ही कहा है कि बातचीत परिणाम-उन्मुख होनी चाहिए। उन्होंने मौजूदा स्थिति को सरकार के विफल केंद्र शासित प्रदेश प्रयोग का नतीजा बताया है। 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद लद्दाख को विधानसभा के बिना केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया था, जिसके बाद से ही यहां विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने लिया महत्वपूर्ण स्टैंड

फांसी के सिवा अन्य मामले में त्वरित सुनवाई नहीं होगी

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि वे किसी मामले को उसी दिन लिस्ट करने (सुनवाई के लिए लगाने) का आदेश तभी देंगे, जब किसी की फांसी होने वाली हो। उन्होंने वकीलों से यह भी सवाल किया कि क्या कोई जजों की स्थिति, उनके काम के घंटे और नींद की कमी को समझता है। यह टिप्पणी तब आई जब एक वकील ने तुरंत सुनवाई की मांग की। जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ में जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह भी शामिल थे। यह पीठ उन मामलों की मेन्शनिंग (यानी तुरंत सुनवाई के लिए अनुरोध) सुन रही थी। सुनवाई के दौरान वकील शोभा गुप्ता ने जस्टिस सूर्यकांत के सामने एक मामला रखा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में एक रिहायशी मकान की नीलामी आज ही होनी है, इसलिए इस केस को तुरंत सूचीबद्ध किया जाए। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा, जब तक किसी की फांसी होने वाली न हो, मैं उसी दिन केस लिस्ट नहीं करूंगा। आप लोग जजों की स्थिति नहीं समझते। आपको अंदाजा भी है ▶10 पर

काम के अतिशय बोझ में तेज निपटारे की उम्मीद नहीं

85 साल बाद बिहार में हुई सीडब्लूसी की बैठक

आखिरी सांसें लेने लगा इंडी गठबंधन

पटना, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। विधानसभा चुनाव की घोषणा बस होने ही वाली है और राज्य की 243 सीटों पर जंग छिड़ने वाली है। एक तरफ सत्ताधारी एनडीए है, जिसमें नीतीश कुमार की जेडीयू और भाजपा की जोड़ी मजबूत दिख रही है। दूसरी तरफ विपक्ष का इंडी गठबंधन, जो महागठबंधन के नाम से जाना जाता है। लेकिन विपक्षी खेमे में अभी से ही घमासान मचा हुआ है। सीएम पद का चेहरा तय नहीं है। सीटों के बंटवारे पर लड़ाई है और छोटे सहयोगियों की बगावत पूरे परवान पर है। ये सब मिलकर गठबंधन को कमजोर कर रहे हैं। यह कलह इंडी गठबंधन को लेकर डूब जाएगी। इसका अंदेशा है। बिहार चुनाव अक्टूबर-नवंबर में होने की उम्मीद है। 2020 के चुनावों में महागठबंधन ने 243 में से 110 सीटें जीती थीं, लेकिन सत्ता से बाहर रह गया।

सीडब्लूसी में सोनिया और प्रियंका नहीं आईं

अब 2025 में वापसी की कोशिश है, लेकिन गठबंधन के अंदर ही सब कुछ उलझा पड़ा है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सबसे बड़ा दाँव खेल रही है, जबकि कांग्रेस अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने पर अड़ी हुई है। वामपंथी दल, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) जैसे छोटे साथी भी अपनी दुकान चलाने को बेताब हैं। जानकार कहते हैं कि अगर ये विवाद न सुलझे, तो गठबंधन का वोट बँट सकता है।

सबसे बड़ा सवाल है कि यदि महागठबंधन जीत गया, तो बिहार का अगला सीएम कौन बनेगा? तेजस्वी यादव खुद को इस पद का मजबूत दावेदार मानते हैं। वे 2020 में डिप्टी सीएम रह चुके हैं। लेकिन कांग्रेस ने अभी तक उनके नाम को स्वीकृति ही नहीं दी है। पार्टी के नेता कहते हैं कि बिना चेहरे के चुनाव लड़ना जोखिम भरा है, लेकिन तेजस्वी को अकेले आगे बढ़ाना गठबंधन के लिए ठीक नहीं। इस बात की खीझ में हाल ही में तेजस्वी ने बयान दे दिया कि वे सभी 243 सीटों ▶10 पर

जम्मू-कश्मीर की चार राज्यसभा सीटों पर होगा उपचुनाव

24 अक्टूबर को मतदान, उसी दिन आएगा परिणाम

जम्मू, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर की खाली पड़ी चार राज्यसभा सीटों पर चुनाव का ऐलान कर दिया है। आयोग ने कहा कि चारों सीटों पर मतदान और मतगणना 24 अक्टूबर को पूरी कर ली जाएगी। गौरतलब है कि यह चारों सीटें फरवरी 2021 से ही खाली पड़ी हैं। जम्मू-कश्मीर के अलावा पंजाब की एक खाली पड़ी राज्यसभा सीट पर भी चुनाव होगा। यह सीट इसी साल जुलाई में सांसद संजीव अरोड़ा के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। उन्होंने पंजाब विधानसभा का चुनाव जीत लिया था, जिसके बाद उन्होंने सांसद पद छोड़ दिया था। राज्यसभा में उनका कार्यकाल 9 अप्रैल को अपने आप ही खत्म हो जाता।

जम्मू-कश्मीर में फरवरी 2021 से ही राज्यसभा सीटें खाली थीं। 15 फरवरी 2021 को संसद के उच्च सदन से गुलाम नबी आजाद और नजीर अहमद लवाय का कार्यकाल खत्म हो गया था। वहीं, दो और सांसदों फयाज अहमद मीर और शमशेर सिंह मन्हास का कार्यकाल 10 फरवरी 2021 को पूरा हुआ था। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने स्टालिन सरकार को लगाई कड़ी फटकार

नेता के महिमामंडन में जनता का पैसा खर्च करना अवैध

सरकारी धन से बनवाना चाहते थे करुणानिधि की मूर्ति

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने करुणानिधि की मूर्ति को सार्वजनिक पैसों से लगाने की तमिलनाडु सरकार की याचिका खारिज कर दी है। यह प्रतिमा तिरुनेलवेली जिले के वलियूर डेली वेजिटेबल मार्केट के मुख्य द्वार के पास लगाई जानी थी। सरकार ने इसके लिए एक ब्रॉन्ज की मूर्ति और नाम पट्टिका लगाने की अनुमति मांगी थी। सुप्रीम कोर्ट की दो न्यायाधीशों की पीठ जस्टिस विक्रम नाथ और प्रशांत कुमार मिश्रा ने सुनवाई के दौरान कहा, यह अनुमति योग्य नहीं है। आप अपने पूर्व नेताओं की महिमा के लिए सार्वजनिक धन का उपयोग क्यों कर रहे हैं? अदालत ने तमिलनाडु सरकार को अपनी विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) वापस लेने और जरूरत पड़ने पर मद्रास हाईकोर्ट से राहत प्राप्त करने की सलाह दी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के पूर्व आदेश को बरकरार रखा, जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिमा लगाने की अनुमति देने से इन्कार किया गया था। ▶10 पर

तेजस्वी की टेंशन बढ़ाने आ रहे ओवैसी

सीमांचल में निकालेंगे न्याय यात्रा

पटना, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर एआईएमआईएम ने एंट्री का ऐलान कर दिया है। पार्टी पिछले चुनाव की तरह ही इस बार फिर सीमांचल पर खास फोकस करने वाली है, जिसके तहत एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी 24 सितंबर से सीमांचल न्याय यात्रा निकालने वाले हैं। यात्रा के कार्यक्रम के अनुसार, पहले ही दिन ओवैसी यात्रा के 9 स्टॉपेज के मंच से जनता को संबोधित करेंगे।

एआईएमआईएम द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, ओवैसी की सीमांचल न्याय यात्रा 24 से 27 यानी 4 दिन तक होगी। इसके जरिए एआईएमआईएम अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत करने वाली है। सीमांचल न्याय यात्रा किशनगंज से होगी और यात्रा के दौरान ओवैसी क्षेत्र की विभिन्न विधानसभाओं में रोड शो और नुक्कड़ सभाएं करेंगे। हैदराबाद से लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी बिहार में सीमांचल के पिछड़ेपन को हमेशा ही एक राजनीतिक मुद्दा बनाते रहे हैं। उन्होंने लोकसभा में एक निजी विधेयक भी पेश किया ▶10 पर

चुनाव आयोग ने पेश किया ई-साइन फीचर

अब नाम जोड़ने, हटाने में गड़बड़ नहीं होगी

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने अपने ईसीआईनेट पोर्टल और ऐप पर एक नया ई-साइन फीचर शुरू किया है, जिसके तहत मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने या नाम हटाने या सुधार के लिए आवेदन करने वालों को अपने आधार से जुड़े फोन नंबरों का उपयोग करके अपनी पहचान सत्यापित करनी होगी। चुनाव आयोग का यह कदम विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा कर्नाटक के आलंद निर्वाचन क्षेत्र में 2023 के राज्य विधानसभा चुनावों से पहले चुनावी धोखाधड़ी पर अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ऑनलाइन मतदाता विलोपन फॉर्म के दुरुपयोग का आरोप लगाने के एक हफ्ते से भी कम समय बाद आया है।

इससे पहले आवेदक अपने फोन नंबर को मौजूदा मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर से जोड़कर चुनाव आयोग के ऐप और पोर्टल पर फॉर्म जमा कर सकते थे, बिना यह सत्यापित किए कि विवरण वास्तव में उनका है या नहीं। ई-साइन फीचर, जो सोमवार तक उपलब्ध नहीं था, मंगलवार को चुनाव आयोग के ईसीआईनेट पोर्टल पर फॉर्म जमा करते समय देखा जा सकता था। ▶10 पर

महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव मनाया गया

मंचेरियाल, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती महोत्सव का आयोजन श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में अग्रवाल समाज मंचेरियल शाखा के सदस्यों द्वारा हर्षोल्लास के साथ किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मनोरंजक खेलों जैसे तम्बोला से हुई, जिसका आयोजन अग्रवाल महिला मंडल द्वारा किया गया। इसमें सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और खूब आनंद लिया। इसके पश्चात

महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा एवं आरती संपन्न हुई।

महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती शशिकला अग्रवाल, सचिव श्रीमती स्वेता अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती सुनीता रूंगटा ने समाज को संबोधित करते हुए समाज की एकता और प्रगति पर बल दिया।

हमारे पूर्व अध्यक्ष श्री दिलीप कुमार अग्रवाल एवं श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल ने भी सभी को जयंती की शुभकामनाएं दीं और समाज के सतत विकास का आश्वासन दिया।

समाज के सदस्य श्री प्रेमराज अग्रवाल एवं श्री मनीष अग्रवाल ने समाज के प्रति अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हुए सभी समाज बंधुओं से एकजुट होकर समाज के विकास में योगदान देने की अपील की। इसके पश्चात चेयरमैन श्री सुरेश अग्रवाल ने समाज के विकास के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला और अग्रसेन जयंती की शुभकामनाएं दीं। अंत में सभी परिवारों ने प्रसाद ग्रहण किया और स्वादिष्ट सामूहिक रात्रिभोज का आनंद लिया।

चेन्नूर में मनोरंजक अष्टवधानम का आयोजन

चेन्नूर, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
चेन्नूर शहर के ब्राह्मण सेवा संघ भवन में दुर्गादेवी के नवरात्रि उत्सव के उपलक्ष्य में एक मनोरंजक अष्टवधानम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एम.वी. पटवर्धन के तत्वावधान में और जक्कपल्ली नागेश्वर राव की अध्यक्षता में हुआ, जिसने भक्तों का खूब मनोरंजन किया। इस अष्टवधानम में कई वक्ताओं ने भाग लिया, जिनमें जक्कपल्ली नागेश्वर राव, मुक्तेश्वर, वेदांतम सुरेश शर्मा, दंडनायकुला वामन राव, कोमेरा राममूर्ति, कोमेरा सौजन्या, रामकृष्णमूर्ति और श्रीरामभटला श्रीनिवास शर्मा शामिल थे। वक्ताओं में अनुपस्थित राममूर्ति ने अपने प्रश्नों और वाक्पटुता से सभा का खूब मनोरंजन किया।

कागजनगर में रेलवे अंडरब्रिज निर्माण की मांग

कागजनगर/आसिफाबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कागजनगर शहर के पूर्व पार्षदों और निवासियों ने शहर में यातायात की समस्याओं को कम करने के लिए रेलवे अंडरब्रिज के निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग की है। उनका कहना है कि इस अंडरब्रिज के पूरा होने पर ही दो वार्डों का विकास संभव होगा।

पूर्व पार्षद पिरसिंगुला जयचंदर और गोडिसेला इलेश के साथ कॉलोनी के निवासियों ने इस संबंध में उप-जिलाधिकारी और नगर आयुक्त को एक याचिका प्रस्तुत की है।

उन्होंने बताया कि कोमुराम भीम, आसिफाबाद जिले के कागजनगर, कापुवाड़ा-संजीवय्या कॉलोनी में अंडरब्रिज का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है, और यह पुल दोनों वार्डों को जोड़कर क्षेत्र में विकास लाएगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग अपने निजी स्वार्थ के लिए इस पुल के निर्माण को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। उनका मानना है कि यह पुल शहर के लिए बहुत फायदेमंद होगा, खासकर उन लोगों के लिए जो इलाज या बच्चों को स्कूल ले जाने के लिए विभिन्न स्थानों से आते हैं। इसके अलावा, यह पुल रेलवे स्टेशन, कब्रिस्तान और श्मशान घाट तक जाने के लिए एक आसान रास्ता प्रदान करेगा।

बुधवार को, पूर्व पार्षदों और कॉलोनीवासियों ने उप-जिलाधिकारी शुद्धा शुक्ला और नगर आयुक्त राजेंद्र को एक प्रार्थना पत्र सौंपकर जल्द से जल्द पुल का निर्माण शुरू कराने का आग्रह किया। उनका मानना है कि इस पुल के निर्माण से दोनों वार्डों के लोगों, कस्बेवासियों और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों को बहुत लाभ मिलेगा।

तुम्पेल्ली नाले पर उच्च स्तरीय पुल बनाया जाए

आसिफाबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
आसिफाबाद जिला, आसिफाबाद मंडल के तुम्पेल्ली पेद्दावागु स्थित नाले पर उच्च स्तरीय पुल के निर्माण की मांग को लेकर डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) के तत्वावधान में ग्रामीणों के साथ एक विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर डीवाईएफआई के जिला सचिव ने कहा कि जिला केंद्र से कुछ ही दूरी पर स्थित तुम्पेल्ली पेद्दावागु में वर्तमान में एक समतल पुल है, जो बेमौसम बारिश के दौरान नाले के उफान के कारण बह जाता है। इसके कारण आसिफाबाद से तुम्पेल्ली, मालन, गोंडी और शेखांगोंडी गाँवों के लोगों को

तिरयानी मंडल जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कई वर्षों से इस क्षेत्र से जनप्रतिनिधि के रूप में चुने गए नेता, जनता के वोटों से अपनी जीत दर्ज करने के बावजूद, इतने समय तक इस महत्वपूर्ण पुल का निर्माण कराने में पूरी तरह विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अत्यंत दुखद है, क्योंकि स्थानीय लोगों की बुनियादी आवागमन की सुविधा भी सुनिश्चित नहीं की गई।

डीवाईएफआई ने जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे तुरंत तुम्पेल्ली नाले पर एक उच्च स्तरीय पुल के निर्माण के लिए आवश्यक धनराशि स्वीकृत करें और इस परियोजना को शीघ्र अमली जामा पहनाएं। साथ ही, आसिफाबाद से तुम्पेल्ली, मालन, गोंडी और शेखांगोंडी गाँवों को जोड़ने वाली सड़क गड्ढों से भरी हुई है, जिसे भी तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है।

इस कार्यक्रम में कुर्शांगे जंगु, सिदाम, सुद्दु, कुर्शांगे देवराव, आत्राम नायकू तथा कई अन्य ग्रामीण नेता और युवा कार्यकर्ता सक्रिय रूप से शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में मांग की कि सरकार इस प्राथमिक आवश्यकता को नजरअंदाज न करे और जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू करे।

मंचेरियाल में पानी की टंकी पर चढ़कर विरोध प्रदर्शन

मंचेरियाल, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मंचेरियाल जिले में एक परिवार ने अपनी जमीन के अवैध अधिग्रहण के विरोध में जिला मुख्यालय स्थित एक पानी की टंकी पर चढ़कर प्रदर्शन किया। वे उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, जिन्होंने उनकी जमीन पर गैरकानूनी तरीके से कब्जा कर लिया है।मदारीवाड़ा की बोलिशेट्टी मल्लक्का के दो बेटे हैं, महेश और राजेश। मल्लक्का बोल नहीं सकतीं और राजेश की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। हाजीपुर मंडल के दोनाबांडा

और सब्बापल्ली के बाहरी इलाके में मल्लक्का और राजेश के नाम पर 4 एकड़ और 17 गुंठा कृषि भूमि है।मंचेरियाल की बोलिशेट्टी सावित्री और मुधम श्रीलता ने इस जमीन को अवैध रूप से अपने नाम पर पंजीकृत करा लिया। इस धोखाधड़ी का पता चलने पर, महेश ने स्थानीय तहसीलदार, कलेक्टर और हाजीपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।कई महीनों तक उनकी शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दिया गया, जिससे निराश होकर महेश, उनकी पत्नी कीर्तन और बेटा चंद्रशेखर ने पानी की टंकी पर चढ़कर विरोध करने का फैसला किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची और परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया, जिसके बाद वे नीचे उतरे।

नराकास, निज़ामाबाद की अर्द्ध वार्षिक बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बुधवार, दि. 24 सितंबर को नराकास (नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति), निज़ामाबाद की अर्द्ध वार्षिक बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष बिजय कुमार साहू ने की।

इस बैठक में अध्यक्ष के साथ, बी. मधुसूदन चारी, जो क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त और समिति के सदस्य सचिव भी हैं, तथा के. रवीन्द्र कुमार एवं अन्य उपस्थित थे। बैठक का मुख्य उद्देश्य राजभाषा के कार्यान्वयन और उपयोग को बढ़ावा देना था।

आरटीसी की नौकरियों में निजी बस चालकों को 30% आरक्षण देने की मांग

आसिफाबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एटक (ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस) के जिलाध्यक्ष टी. दिवाकर ने तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) में हाल ही में जारी सरकारी अधिसूचनाओं में निजी और आउटसोर्स बस चालकों को 30% अंक देने की मांग की है।इस मांग को लेकर, एटक के नेतृत्व में बुधवार को आरटीसी डिपो प्रबंधक राजशेखर को एक ज्ञापन सौंपा गया। दिवाकर ने कहा कि पिछले 20 वर्षों से निजी और आउटसोर्स बस चालक कम वेतन पर काम कर रहे हैं, फिर भी उन्होंने आरटीसी के लाभ और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि जिस तरह अन्य विभागों में नियुक्तियों के दौरान उन्हें प्राथमिकता दी जाती है, उसी तरह आरटीसी में भी उन्हें समान अवसर मिलना चाहिए।

दिवाकर ने चेतावनी दी कि अगर आरटीसी की 30% भर्ती में उन्हें प्राथमिकता नहीं दी गई, तो वे एटक के बैनर तले विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस कार्यक्रम में एटक के जिला सचिव उपेंद्र, निजी बस चालक संघ आसिफाबाद (एआईटीयूसी) के डिपो अध्यक्ष मधुसूदन, उपाध्यक्ष भास्कर और अन्य नेताओं ने भी भाग लिया।

टीजीएनपीडीसीएल ने उपभोक्ताओं के लिए नया ऐप लॉन्च

आसिफाबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
आसिफाबाद मंडल के अधीक्षण अभियंता राठौड़ शेष राव ने एक बयान में बताया कि टीजीएनपीडीसीएल ने बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर और तकनीकी रूप से सुविधाजनक सेवाएं प्रदान करने के लिए एक नया ऐप तैयार किया है।

उन्होंने कहा कि उपभोक्ता अपने एंड्रॉइड मोबाइल फोन पर प्ले स्टोर के माध्यम से टीजीएनपीडीसीएल ऐप को डाउनलोड कर सकते हैं और इसकी सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। इस ऐप में कुल 20 विशेषताएं शामिल की गई हैं।

राव ने बताया कि ऐप में घटना की रिपोर्ट, उपभोक्ता शिकायत, स्वयं रीडिंग, बिल भुगतान, बिल इतिहास, ऑनलाइन भुगतान इतिहास, नया कनेक्शन, आधार-मोबाइल लिंक, घरेलू बिल कैलकुलेटर, नाम और लोड परिवर्तन, बिजली खपत दिशानिर्देश, टैरिफ विवरण, ऊर्जा और सुरक्षा बचत सुझाव, प्रतिक्रिया, मेरा खाता, उपभोक्ता बिल जानकारी, उपभोक्ता के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अधिकारियों का विवरण, और हमसे संपर्क करें जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

उपभोक्ता किसी भी समस्या या संदेह के समाधान के लिए टोल-फ्री नंबर 1800 425 0028 और 1912 पर 24/7 संपर्क कर सकते हैं।

48 घंटे का गंभीर अलर्ट

26-27 सितंबर को तेलंगाना में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने तेलंगाना के लिए उच्च-स्तरीय चेतावनी जारी की है। राज्य में 26 और 27 सितंबर को भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रही मौसम प्रणाली के अवदाब में बदलने और दक्षिण ओडिशा-उत्तरी आंध्र प्रदेश तट से टकराने की संभावना जताई गई है। इसके असर से तेलंगाना के अधिकांश हिस्सों में मौसम की स्थिति गंभीर हो सकती है।

यह चेतावनी हाल की भारी बारिश के दौर के बाद आई है, जिसने पहले ही बाढ़ जैसी स्थिति और जनजीवन में व्यापक व्यवधान पैदा किया। अधिकारियों ने लोगों को सलाह दी है कि वे अगले 48 घंटे की महत्वपूर्ण अवधि में अनावश्यक यात्राओं से बचें और सतर्क रहें।

25 सितंबर को आदिलाबाद, निर्मल, निज़ामाबाद, जगतियाल, करीमनगर, मुलुगु, खम्मम, वारंगल और हनुमाकोंडा जिलों में भारी वर्षा की संभावना।

26-27 सितंबर को यह 48 घंटे का समय सबसे खतरनाक माना जा रहा है। आदिलाबाद, निर्मल, निज़ामाबाद, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, वारंगल, हनुमाकोंडा, जनगांव, सिद्दीपेट, यादाद्री भुवनागिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक और कामारेड्डी सहित कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। हैदराबाद में गंभीर शहरी बाढ़ की आशंका जताई गई है। अनुमान है कि चरम अवधि में 120-200 मिमी तक वर्षा दर्ज हो सकती है। हाल ही में 22-23 सितंबर को हुई 140 मिमी से अधिक की बारिश ने शहर की कमजोरियों को उजागर किया था। गंभीर जलभराव, यातायात अवरोध, बुनियादी ढांचे को नुकसान और जानमाल की हानि की संभावना है। आईटी कॉरिडोर के प्रमुख इलाके गाचीबोवली, माधापुर समेत निचले क्षेत्रों के अंडरपास जलमग्न होने के जोखिम में हैं।अधिकारी लोगों से अपील कर रहे हैं कि वे मौसम विभाग की ताज़ा चेतावनियों पर नज़र रखें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा पर एकल न्यायाधीश का आदेश किया खारिज

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार को ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा परिणाम रद्द करने और सभी उत्तर पुस्तिकाओं का मैन्युअल पुनर्मूल्यांकन करने संबंधी एकल न्यायाधीश के आदेश पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) को घोषित परिणामों के आधार पर नियुक्तियां करने की अनुमति दे दी।पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि नियुक्तियां अंतिम आदेश के अधीन रहेंगी और मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी। यह

अंतरिम आदेश टीजीपीएससी की उस अपील पर आया है जिसमें आयोग ने एकल न्यायाधीश के 9 सितंबर के आदेश को चुनौती दी थी।

एकल न्यायाधीश न्यायमूर्ति नामवरपु राजेश्वर राव ने सामान्य रैंकिंग सूची और चयनित उम्मीदवारों की सूची को रद्द करते हुए आयोग को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार मॉडरेशन पद्धति से सभी उत्तर पुस्तिकाओं का मैन्युअल पुनर्मूल्यांकन करने का निर्देश दिया था।

याचिकाकर्ता अभ्यर्थियों ने परीक्षा संचालन और मूल्यांकन प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाया था। न्यायालय ने टीएसपीएससी को आठ महीने में पुनर्मूल्यांकन कर परिणाम घोषित करने का निर्देश दिया था, अन्यथा मुख्य परीक्षा रद्द कर पुनः परीक्षा कराने के आदेश दिए थे।

आयोग की अपील पर महाधिवक्ता सुदर्शन रेड्डी ने दलील दी कि किसी भी तरह के पक्षपात का साक्ष्य मौजूद नहीं है। विशेष रूप से यह आरोप कि तेलुगू में उत्तर लिखने वाले उम्मीदवारों को लाभ पहुंचाया गया।गौरतलब है कि 21 से 27 अक्टूबर 2024 तक आयोजित इस मुख्य परीक्षा में लगभग 30,000 छात्र शामिल हुए थे। कुल 31,383 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जबकि जून 2024 में आयोजित प्रारंभिक परीक्षा में 3.02 लाख अभ्यर्थी बैठे थे। उनमें से योग्य पाए गए उम्मीदवारों ने ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा दी।तेलंगाना राज्य गठन के बाद यह पहली बार ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा आयोजित हुई थी। इससे पहले 2011 में संयुक्त आंध्र प्रदेश में यह परीक्षा हुई थी। मुख्य परीक्षा के परिणाम 10 मार्च को घोषित हुए थे और उसके बाद सामान्य रैंकिंग सूची व चयनित उम्मीदवारों की सूची जारी की गई थी।ग्रुप-1 की परीक्षाएं पिछले कुछ वर्षों से पेपर लीक, अनियमितताओं और कानूनी विवादों के कारण लगातार विवादों में रही हैं।

अपने अधिकारों के लिए विकासशील देशों के समक्ष बड़ी चुनौतियां: जयशंकर

नई दिल्ली, 24 सितम्बर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री डा एस जयशंकर ने दुनिया भर में बढ़ती अनिश्चितता की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस स्थिति में विकासशील देशों को विशेष रूप से अपने अधिकारों और अपेक्षाओं को पूरा करने में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

डा जयशंकर ने बहुपक्षवाद की अवधारणा को खतरे में बताते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय संगठन अप्रभावी हो रहे हैं या संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं और समकालीन व्यवस्था की आधारशिलाएँ बिखरने लगी हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाओं में अत्यंत आवश्यक सुधारों में देरी का परिणाम सबके सामने है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र में हिस्सा लेने न्यूयार्क गये डा सिंह ने मंगलवार को समान विचारधारा वाले ग्लोबल साउथ देशों की उच्च स्तरीय बैठक में भारत का दृष्टिकोण रखा।

विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि डा सिंह ने मौजूदा वैश्विक स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के

देशों के लिए बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा , हम तेज़ी से बढ़ते अनिश्चित समय में मिल रहे हैं, जब दुनिया की स्थिति सदस्य देशों के लिए बढ़ती चिंता का विषय है। विशेष रूप से वैश्विक दक्षिणी देश कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं जो इस दशक के पूर्वार्ध में और बढ़ गयी हैं।

उन्होंने कहा कि कोविड महामारी , यूक्रेन और गाजा में दो बड़े संघर्ष, चरम जलवायु घटनाएँ, व्यापार में अस्थिरता, निवेश प्रवाह , ब्याज दरों में अनिश्चितता, और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के एजेंडे की धीमी गति बड़ी चुनौती हैं। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में विकासशील देशों के अधिकार और अपेक्षाएँ - जिसे कई दशकों में इतनी लगन से विकसित किया गया है - आज चुनौती का सामना कर रही हैं।

डा सिंह ने कहा कि इस स्थिति में यह स्वाभाविक है कि ग्लोबल साउथ चुनौतियों के समाधान के लिए बहुपक्षवाद की ओर रुख करेगा लेकिन दुर्भाग्य से वहाँ भी हमारे सामने एक बेहद निराशाजनक स्थिति है। उन्होंने कहा कि बहुपक्षवाद की अवधारणा ही खतरे में है। अंतर्राष्ट्रीय संगठन अप्रभावी हो रहे हैं या संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। समकालीन व्यवस्था की आधारशिलाएँ बिखरने लगी हैं। और अत्यंत आवश्यक सुधारों में देरी की कीमत आज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

उन्होंने कहा कि इसलिए समान विचारधारा वाले वैश्विक दक्षिण देशों के रूप में हमें विश्व मामलों पर एकजुट होकर और सिद्धांतों के आधार पर कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है। इन मुद्दों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इनमें निष्पक्ष और पारदर्शी आर्थिक व्यवस्था जो उत्पादन का लोकतंत्रीकरण करें और आर्थिक सुरक्षा को बढाये, संतुलित और सतत आर्थिक गतिविधियों के लिए एक स्थिर वातावरण, जिसमें दक्षिण-दक्षिण व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग में बढोतरी, लचीली, विश्वसनीय और छोटी आपूर्ति श्रृंखलाएँ जो किसी एक आपूर्तिकर्ता या किसी एक बाज़ार पर निर्भरता को कम करे, खाद्य, उर्वरक और ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करने वाले संघर्षों का तत्काल समाधान, वैश्विक साझा संसाधनों की सुरक्षा, जिसमें समुद्री नौवहन संबंधी चिंताएँ, मानवीय राहत और बचाव अभियान, पर्यावरणीय चुनौतियाँ, विकास के लिए प्रौद्योगिकी का सहयोगात्मक लाभ उठाना, विशेष रूप से एक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण, और विभिन्न क्षेत्रों में एक निष्पक्ष और समान अवसर जो वैश्विक दक्षिण की विकासात्मक चिंताओं के साथ न्याय करता हो शामिल है।

विदेश मंत्री ने इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भारत की ओर से कुछ सुझाव भी दिये। पहला हम एकजुटता बढ़ाने और सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वैश्विक दक्षिण के बीच परामर्श को मजबूत करने के लिए मौजूदा मंचों का उपयोग करते हैं। दूसरा, उन विशिष्ट शक्तियों, अनुभवों और उपलब्धियों को सामने लाएँ जिन्हें हमने व्यक्तिगत रूप से विकसित किया हो, लेकिन जिनसे वास्तव में ग्लोबल साउथ के अन्य सदस्यों को लाभ हो सकता है। इनके कुछ अच्छे उदाहरण हैं वैक्सीन उत्पादन, डिजिटल क्षमताएँ, शिक्षा क्षमताएँ, कृषि-पद्धतियाँ और लघु एवं मध्यम उद्यम संस्कृति। तीसरा जलवायु कार्रवाई और जलवायु न्याय जैसे क्षेत्रों में, ऐसी पहल करें जो ग्लोबल नॉर्थ को उचित ठहराने के बजाय ग्लोबल साउथ की सेवा करें। चौथा भविष्य में आने वाली तकनीकों, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, की संभावनाओं पर चर्चा करें, और पाँचवाँ, संयुक्त राष्ट्र और समग्र रूप से बहुपक्षवाद में सुधार करें।

वुल्लर झील में तीन लाख प्रवासी पक्षियों की आमद

जम्मू, 24 सितंबर (ब्यूरो)।

पहली बार वुल्लर झील में तीन लाख से ज्यादा प्रवासी पक्षियों की आमद दर्ज की गई है। इनकी आमद इसी प्रकार बनी रहे, इसके लिए न सिर्फ दुआएं की जा रही हैं बल्कि सरकार को ऐसे प्रबंध भी किए जाने की गुहार लगाई जा रही है।

भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील, वुल्लर झील में इस साल प्रवासी पक्षियों के आगमन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। एशियाई जल पक्षी गणना 2025 में तीन लाख से ज्यादा पक्षी दर्ज किए गए हैं, जो पिछले साल की 75,000 की संख्या से चार गुना ज्यादा है। एक अधिकारी ने बताया कि यह तो बस उनके आगमन की शुरुआत है।

उन्होंने कहा कि अक्टूबर के अंत तक, संख्या में और वृद्धि होने की उम्मीद है क्योंकि और ज्यादा प्रवासी पक्षी वुलर झील तक पहुंचते रहेंगे। अधिकारी ने बताया कि यह वृद्धि हाल के वर्षों में किए गए संरक्षण और पुनर्स्थापन उपायों की सफलता को दर्शाती है। उन्होंने बतायाकि सफाई, गाद निकालने, आवास पुनर्स्थापन और सीसीटीवी निगरानी की स्थापना से झील की पारिस्थितिक स्थिति में

काफी सुधार हुआ है, जिससे यह प्रवासी पक्षियों के लिए ज्यादा उपयुक्त वातावरण बन गया है।

जबकि गणना के आंकड़े बताते हैं कि सबसे ज्यादा संख्या उत्तरी शावेलर, मल्लार्ड और गैडवाल जैसी प्रजातियों की दर्ज की गई। पिंटेल जैसी अन्य प्रजातियां और कई दुर्लभ प्रवासी पक्षी भी बड़े झुंडों में देखे गए। वुल्लर झील इन पक्षियों के लिए एक पसंदीदा शीतकालीन निवास स्थान बन गई है, जिनमें से कई मध्य एशिया, यूरोप और साइबेरिया से हजारों किमी की यात्रा करते हैं। यही कारण है कि भारत भर से पक्षी प्रेमी इस नजारे को देखने के लिए बांडीपोरा आ रहे हैं। गंदरबल से झील तक आए एक पक्षी प्रेमी का कहना था कि इस साल, पक्षियों की विविधता और विशाल संख्या पहले कभी नहीं देखी गई।

जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा स्थापित वुल्लर संरक्षण और प्रबंधन प्राधिकरण ने इन विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अधिकारियों ने बताया कि पक्षियों की गणना के अलावा, झील पर निर्भर स्थानीय समुदायों के लिए स्थायी आजीविका सुनिश्चित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। हाल के वर्षों में, वुल्लर झील में दुर्लभ दृश्य भी दर्ज किए गए हैं, जिनमें नवंबर 2024 में ग्रेट बिटर्न का देखा जाना भी शामिल है, जो दक्षिण एशिया में दुर्लभ प्रजाति है। इस तरह के दृश्य विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण पक्षी आबादी के आवास के रूप में झील के पारिस्थितिक महत्व को रेखांकित करते हैं।

पहलगाम हमले के आतंकियों का मददगार गिरफ्तार

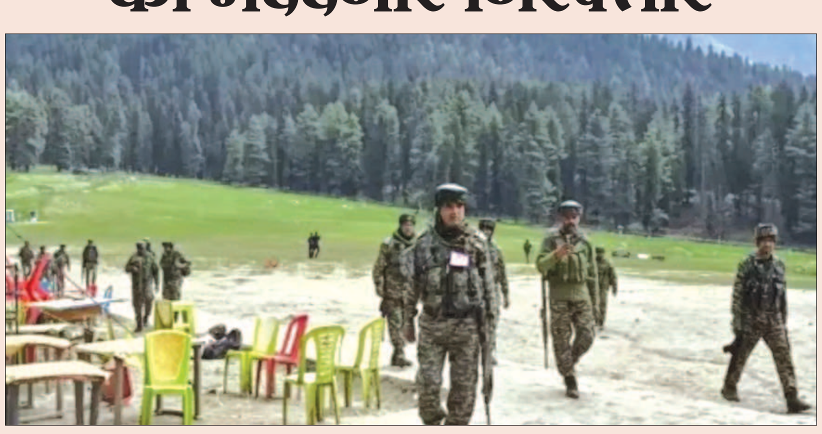

आतंकियों के आने-जाने और छिपने का इंतजाम किया था

श्रीनगर, 24 सितम्बर (एजेंसियां)।

पहलगाम हमले के आतंकियों का मददगार पकड़ा गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बुधवार शाम को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक आरोपी का नाम यूसुफ कटारी है। 26 साल का आरोपी कुलगाम का रहने वाला है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी यूसुफ ने हमले को अंजाम देने वाले द रेसिस्टेंस फ्रंट के आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट मुहैया कराया था। उसे गिरफ्तार करने के बाद 14 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा गया है।

इस बीच मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि आरोपी कटारी स्थानीय बच्चों को पढ़ाता था। कुछ दिन पहले वह आतंकियों के संपर्क में आया और फिर उनकी मदद करने लगा।

पुलिस को कटारी के बारे में सुराग ऑपरेशन महादेव में बरामद हथियारों की जांच के दौरान मिला। इससे पता चला कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले से पहले भी उसने कुलगाम के जंगलों में लश्कर के आतंकियों की मदद की थी।

कटारी की गिरफ्तारी ऑपरेशन महादेव के दौरान जब्त हथियारों की जांच की वजह से हुई। इससे पहले जून में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने परवेज अहमद जोथर और बशीर अहमद जोथर को गिरफ्तार किया था।

जांच में पता चला कि तीन आतंकियों लश्कर कमांडर सुलेमान शाह, अफगान और जिबरान ने यह हमला किया था। 28 जुलाई को ऑपरेशन महादेव में इन तीनों आतंकियों को मार गिराया गया था।

मल्लिकार्जुन खरगे का मोदी सरकार पर तीखा प्रहार, बिहार से बजेगा बदलाव का बिगुल

पटना, 24 सितम्बर (एजेंसियां)।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को पटना स्थित ऐतिहासिक सदाकत आश्रम में आयोजित कांग्रेस कार्यसमिति की विस्तारित बैठक में केंद्र की मोदी सरकार और बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि भारत आज एक गंभीर और चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है, जिसकी ज़िम्मेदार केंद्र की विफल कूटनीति, लोकतंत्र पर हमले और आर्थिक नीतियों की नाकामी है।

श्री खरगे ने कहा कि, 'हम बिहार से, लोकतंत्र की जननी से, यह संकल्प दोहराते हैं कि हम संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करेंगे।' उन्होंने बताया कि 85 साल पहले रामगढ़ में संविधान सभा का पहला प्रस्ताव पारित हुआ था और आज जब वोटर लिस्ट में हेराफेरी हो रही है तो बिहार से लोकतंत्र की नई लड़ाई शुरू की जायेगी।

राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' का हवाला देते हुये खरगे ने आरोप लगाया कि देशभर में दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और गरीबों के वोट जानबूझकर काटे जा रहे हैं, जिससे उनकी स्कॉलरशिप, पेंशन, राशन और अधिकारों की भी चोरी हो रही है।

खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की आलोचना करते हुये कहा कि, 'जिन्हें प्रधानमंत्री 'मित्र' कहते हैं, वही आज भारत को संकट में डाल रहे हैं।'

उन्होंने यह भी जोड़ा कि चीन से आयात पिछले 5 वर्षों में दोगुना हो गया है, जबकि 'स्वदेशी' की बात सिर्फ चुनावी जुमला बन गई है।

देश की अर्थव्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा, 'नोटबंदी और गलत ने देश को मंदी में धकेल दिया। रोजगार नहीं हैं, ग्रामीण उपभोग 50 वर्षों में सबसे निचले स्तर पर है और महंगाई चरम पर है।'

खरगे ने नीतीश कुमार और भाजपा की गठबंधन सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुये कहा कि, 'बिहार की बेरोजगारी दर 15% से ऊपर है, युवा पलायन कर रहे हैं और भर्ती घोटालों से वे सड़कों पर हैं। खेती तबाह है, चीनी मिलें बंद हैं, और बाढ़ प्रबंधन पूरी तरह फेल हो चुका है।'

जातिगत जनगणना और आरक्षण पर बोलते हुये खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी से पूछा कि बिहार विधानसभा से पारित 65% आरक्षण को अब तक संवैधानिक सुरक्षा क्यों नहीं दी गई। उन्होंने कहा, 'जब कांग्रेस सरकार ने तमिलनाडु में 69% आरक्षण को संवैधानिक दर्जा दिया था तो बिहार में ऐसा क्यों नहीं हो रहा?'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुये खरगे बोले, 'जो जातियों के नाम पर रैलियों को रोकते हैं, उन्होंने पहले आरक्षण का विरोध किया। क्या प्रधानमंत्री जनता को बताएंगे कि जातीय न्याय के लिए आवाज उठाने वालों को जेल में क्यों डाला जा रहा है?'

खरगे ने बिहार में बढ़ते अपराध, शिक्षकों की भारी कमी और स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली का ज़िक्र करते हुये कहा कि आज बिहार का आम नागरिक या तो शोषण झेलता है या इलाज के लिए राज्य से बाहर जाता है।

उन्होंने अपने भाषण के अंत में कहा कि, बिहार की जनता विकास, रोजगार, सामाजिक न्याय और सुशासन चाहती है और कांग्रेस पार्टी, अपने गठबंधन दलों के साथ मिलकर, यह सब देने को तैयार है। आगामी विधानसभा चुनाव सिर्फ बिहार नहीं, पूरे देश के लिए मील का पत्थर बनेगा। यही से मोदी सरकार की उलटी गिनती शुरू होगी।

पटना की इस बैठक में मल्लिकार्जुन खरगे का भाषण स्पष्ट संकेत है कि कांग्रेस पार्टी अब बिहार को 2025 विधानसभा चुनाव में एक निर्णायक मोर्चा बनाने की तैयारी में है। राहुल गांधी की सक्रियता और जाति जनगणना को लेकर बढ़ता दबाव भाजपा के लिए चुनौती बन सकता है।

दिल्ली में कॉलेज प्रमुख पर यौन शोषण का आरोप

17 छात्राएं बोलीं- अश्लील मैसेज भेजे जबरन छूता था

नई दिल्ली, 24 सितम्बर (एजेंसियां)।

दिल्ली के श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट के पूर्व चीफ स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती पर 17 स्टूडेंट्स से यौन शोषण के आरोपों का बुधवार को खुलासा हुआ।

छात्राएं इंस्टीट्यूट में ईडब्ल्यूएस स्कॉलरशिप के तहत पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट) कर रही हैं। चैतन्यानंद पर उनसे गंदी बातें करने, अश्लील मैसेज भेजने और जबरन छूने का आरोप है।

चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी के खिलाफ 4 अगस्त को वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। तब वह इंस्टीट्यूट का प्रमुख था। उसे

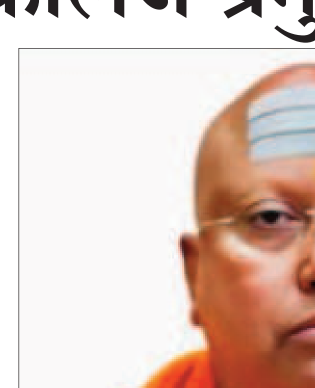

9 अगस्त को पद से हटाकर निष्कासित किया गया था।

प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से चैतन्यानंद फरार है। पुलिस को यूपी के आगरा में उसकी लोकेशन मिली है। दिल्ली पुलिस ने शारदा इंस्टीट्यूट के बेसमेंट से चैतन्यानंद की एक वॉल्वो कार जब्त की है।

कार पर यूनाइटेड नेशन (यू एन) की नंबर प्लेट लगी थी। आमतौर पर ऐसे नंबर राजनयिकों को जारी किए जाते हैं। पुलिस ने बताया कि चैतन्यानंद को यह नंबर यू एन से जारी नहीं हुआ था। उसने खुद ही लिखवाया था।

दिल्ली स्थित शारदा इंस्टीट्यूट कर्नाटक के श्रृंगेरी स्थित दक्षिण-ाम्नॉय श्री शारदा पीठ की शाखा है। पीठ ने पूरे मामले पर बयान जारी कर कहा कि स्वामी चैतन्यानंद का आचरण और गतिविधियां अवैध और पीठ के हितों के खिलाफ हैं, इसलिए पीठ का उससे कोई संबंध नहीं है।

छात्राएं बोलीं- वार्डन ने उन्हें चैतन्यानंद से मिलवाया था दिल्ली पुलिस के मुताबिक, मठ और उसकी संपत्तियों के एडमिनिस्ट्रेटर पी.ए. मुरली ने चैतन्यानंद के खिलाफ 4 अगस्त को शिकायत की थी। पूछताछ के दौरान 32 छात्राओं के बयान दर्ज किए गए।

इनमें से 17 ने चैतन्यानंद पर यौन शोषण के आरोप लगाए। छात्राओं ने दावा किया कि इंस्टीट्यूट में काम करने वाले वार्डन ने उन्हें आरोपी से मिलवाया था।

पीड़ितों ने बताया कि महिला फैकल्टी और कर्मचारी उन पर आरोपी की बातें मानने का दबाव डालती थीं।

पुलिस ने चैतन्यानंद के ठिकानों पर छापेमारी की पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 75(2)/79/351(2) के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद आरोपी के ठिकानों पर छापेमारी की गई।

इस दौरान श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट के बेसमेंट में एक वॉल्वो कार खड़ी मिली। पता चला कि फर्जी राजनयिक नंबर प्लेट 39 यू एन 1वाली कार स्वामी चैतन्यानंद इस्तेमाल कर रहा था।

पुलिस ने कार जब्त कर ली। स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2009 में उसके खिलाफ दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी में धोखाधड़ी और छेड़छाड़ का एक मामला दर्ज किया गया था।

2016 में वसंत कुंज में एक महिला ने उसके खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया था। हालांकि चैतन्यानंद के निजी जीवन से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

सीबीएसई 10वीं और 12वीं की परीक्षा 17 फरवरी से

10वीं के छात्र दो बार परीक्षा दे सकेंगे दूसरे एग्जाम 15 मई से 1 जून तक

नई दिल्ली, 24 सितम्बर (एजेंसियां)।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से होंगी। यह पहली बार है जब कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा एक शैक्षणिक सत्र में दो बार होगी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा, पहली परीक्षा 17 फरवरी से 6 मार्च, 2026 तक होने की संभावना है। जबकि दूसरी बार परीक्षा 15 मई से 1 जून तक हो सकती है। उन्होंने कहा कि कक्षा 12वीं की परीक्षा 17 फरवरी से 9 अप्रैल, 2026 तक होने की संभावना है।

भारद्वाज ने कहा, सामान्य दिशानिर्देश के अनुसार, उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन प्रत्येक विषय की परीक्षा के लगभग 10 दिन बाद शुरू होगा और 12 दिन के भीतर पूरा हो जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि कक्षा 12वीं की फिजिक्स की परीक्षा 20 फरवरी, 2026 को होगी, तो मूल्यांकन 3 मार्च, 2026 को शुरू होगा और 15 मार्च, 2026 तक समाप्त होगा।

महाराष्ट्र में सड़क मरम्मत पर नजर रखेगा एआई

मुंबई,२४ सितम्बर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार सड़क के गड्ढों की मरम्मत की निगरानी और देखरेख का वास्तविक समय में पता लगाने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित मोबाइल ऐप का उपयोग पायलट आधार पर करेगी। यह ऐप नागरिकों को सड़क निर्माण की स्थिति की जानकारी हासिल करने में भी सक्षम बनाएगा, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्र सिंहराजे भोसले ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यह पहल न केवल तत्काल मरम्मत की समस्या का समाधान करेगी, बल्कि उन्नत तकनीक के उपयोग से अधिक पारदर्शिता भी लाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार, एआई गड्ढों का पता लगाने और उनके प्रबंधन में सुविधा देगा। इससे अधिकारी गड्ढों वाली जगहों की शीघ्र पहचान और उनकी गंभीरता का आकलन एवं सलाह दे सकते हैं।

रानी मुखर्जी ने राष्ट्रीय पुरस्कार अपने दिवंगत पिता को किया समर्पित, कहा

मैं आज उन्हें बहुत याद कर रही हूं

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी को उनके शानदार अभिनय के लिए पहली बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे में उनके प्रभावशाली अभिनय के लिए मिला। इस खास मौके पर रानी मुखर्जी ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा, यह सम्मान मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि यह मेरे अभिनय सफर के तीस साल पूरे होने पर मिला है। मैं इसे अपने दिवंगत पिता राम मुखर्जी को समर्पित करना चाहती हूं, क्योंकि यह उनका सपना था।''

रानी ने भावुक होकर कहा, ''मैं आज उन्हें बहुत याद कर रही हूं। मुझे लगता है कि यह उनकी दुआओं और मेरी मां की प्रेरणा का ही असर है कि मैं यह किरदार निभा पाई। फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे की कहानी एक सच्ची घटना पर आधारित है। यह 2011 में नॉर्वे में रहने वाले एक भारतीय दंपति सागरिका चक्रवर्ती और अनुरूप भट्टाचार्य की कहानी है, जिनके बच्चों को नॉर्वे सरकार ने जबरन अलग कर दिया था।

इस कहानी ने दुनियाभर में एक बहस छेड़ दी थी और मां के संघर्ष को एक नई पहचान दी थी। रानी ने इस भूमिका को निभाते समय कहा कि यह उनके लिए बेहद निजी अनुभव था, क्योंकि वे खुद एक मां हैं और इस किरदार से वे दिल से जुड़ गई थीं। रानी ने कहा, इस फिल्म की शूटिंग के दौरान कोविड महामारी के कारण कई मुश्किलें आईं, लेकिन पूरी टीम ने दिल से मेहनत की। मैं फिल्म की निर्देशक आशिमा छिब्बर और निर्माता निखिल आडवाणी, मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी का धन्यवाद करती हूं। यह पुरस्कार पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है। उन्होंने आगे कहा, मेरे फैंस हमेशा मेरे साथ रहे हैं, चाहे अच्छा समय हो या बुरा। उनका प्यार और विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। मुझे खुशी है कि यह अवॉर्ड उन्हें भी बहुत खुशी दे रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की जूरी का आभार जताते हुए कहा, इस फिल्म के जरिए मैंने मातृत्व की भावना और एक मां की ताकत को दिखाने की कोशिश की है। यह पुरस्कार दुनिया की उन सभी माताओं को समर्पित है, जो हर दिन अपने बच्चों के लिए अनगिनत बलिदान देती हैं।

रितेश, विवेक और आफताब 21 नवंबर को वेवबैंड प्रोडक्शन की मस्ती 4 के साथ लाएँगे हंसी का तूफ़ान

कल्ट कॉमेडी फ्रेंचाइज़ी एक बार फिर धमाके के साथ वापसी कर रही है! वेवबैंड प्रोडक्शन ने 'मस्ती 4' का टीज़र लॉन्च कर दिया है, जिसे मिलाप मिलन ज़वेरी ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म में एक बार फिर रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी अपने पसंदीदा किरदार अमर, मीत और प्रेम के रूप में नज़र आएँगे। 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ हो रही यह फिल्म चार गुना ज़्यादा मस्ती, हंसी और धमाल का वादा करती है।

इस मौके पर निर्देशक मिलाप मिलन ज़वेरी ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा, पहली दो 'मस्ती' फिल्मों को लिखने से लेकर अब 'मस्ती 4' डायरेक्ट करने तक का यह सफर मेरे लिए सचमुच एक फुल सर्कल मोमेंट है। यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैं इंद्र कुमार सर की विरासत को आगे ले जा रहा हूँ, जिनकी दृष्टि ने इस फ्रेंचाइज़ी की नींव रखी। उनकी फिल्मों ने कॉमेडी एंटरटेनर्स का पैमाना तय किया और मैं अपने स्टाइल में उस विरासत को आगे बढ़ाने का सौभाग्य पा रहा हूँ।

'मस्ती 4' में हम मस्ती को एक नए स्तर पर ले गए हैं, जिसमें दर्शकों को मिलेगा ज़्यादा एंटरटेनमेंट, गहरा ड्रामा, ज़्यादा पागलपन के साथ अनलिमिटेड कॉमेडी का डोज। वैसे टीज़र तो बस उस कॉमेडी के तूफ़ान की झलक है, जो बड़े पर्दे पर उनका इंतज़ार कर रही है। साथ ही प्रोड्यूसर शिखा करण आहलूवालिया (वेवबैंड प्रोडक्शन) ने कहा, वेवबैंड में हमारा उद्देश्य ऐसी फिल्में बनाना है जो दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करें और उन्हें कहानी कहने की जादुई दुनिया में डुबो दें। मस्ती फ्रेंचाइज़ी को सालों से उसके ह्यूमर और एंटरटेनमेंट वैल्यू के लिए प्यार मिलता रहा है और 'मस्ती 4' के साथ हम इसे अगले स्तर पर ले जा रहे हैं, जहां होगा भव्य स्केल, शुद्ध मस्ती और धमाल। टीज़र दर्शकों को उस हंसी के विस्फोट की एक झलक देगा, जो हम बड़े पर्दे पर लेकर आ रहे हैं।

ज़ी स्टूडियोज़ और वेवबैंड प्रोडक्शन की प्रस्तुति में मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफ़िल्म्स के साथ मिलकर बनाए गए 'मस्ती 4' के निर्माता हैं ए. झुनझुनवाला और शिखा करण आहलूवालिया (वेवबैंड प्रोडक्शन), इंद्र कुमार और अशोक ठकेरिया (मारुति इंटरनेशनल), शोभा कपूर और एकता कपूर (बालाजी मोशन पिक्चर्स), और उमेश बंसल। तो अपने पसंदीदा कलाकारों को नए ट्विस्ट और मिलाप मिलन ज़वेरी के सिग्नेचर पंच के साथ 'मस्ती 4' इस साल की सबसे बड़ी बॉलीवुड कॉमेडी एंटरटेनर बनने का वादा करती है।

दीपिका पादुकोण कल्कि एडी 2898 के सीक्वल से बाहर, इशारों में एक्ट्रेस ने बता दी सच्चाई

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण अब 'कल्कि एडी 2898' के सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी। यह फिल्म पहले भाग की सफलता के बाद दर्शकों के बीच काफी चर्चा में है, लेकिन अब इसके दूसरे भाग में दीपिका नजर नहीं आएंगी। इस खबर की पुष्टि खुद फिल्म के निर्माताओं ने की।

वैजयंती मूवीज ने पोस्ट में लिखा, 'कल्कि एडी 2898' जैसी फिल्म को पूरे समर्पण की जरूरत होती है। लंबे समय तक साथ काम करने के बावजूद, इस बार हमारे और दीपिका के बीच साझेदारी नहीं बन पाई। इसलिए यह फैसला लेना पड़ा। हम दीपिका को उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए शुभकामनाएं देते हैं।''

हालांकि, फैंस इस फैसले के पीछे की असली वजह पर काफी अटकलें लगा रहे हैं। माना जा रहा है कि दीपिका पादुकोण अपनी अन्य फिल्मों और ब्रांड कमिटमेंट्स में बिजी हैं, जिस कारण वह 'कल्कि' सीक्वल को समय नहीं दे पा रही हैं।

मेकर्स के इस फैसले के बाद दीपिका ने इंस्टाग्राम पर एक रहस्यमय पोस्ट साझा किया। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, ''फिल्म की सफलता से ज्यादा जरूरी यह होता है कि आप किन लोगों के साथ काम कर रहे हैं।''

उन्होंने आगे बताया कि वह इस वक्त शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' की शूटिंग में व्यस्त हैं। दीपिका ने लिखा, '18 साल पहले 'ओम शांति ओम' की शूटिंग के दौरान शाहरुख ने मुझे सिखाया था कि फिल्म बनाते वक्त का अनुभव और आपकी टीम सबसे ज्यादा मायने रखती है।''

गौरतलब है कि 'कल्कि एडी 2898' में दीपिका ने सुमति नाम की महिला का अहम किरदार निभाया था। उनका किरदार एक प्रेग्नेंट महिला का था, जो एक वैज्ञानिक प्रोजेक्ट का हिस्सा थी और जिसे भविष्य में कल्कि नामक महायोद्धा की मां बनने की भविष्यवाणी से जोड़ा गया था। उनकी भूमिका को दर्शकों ने काफी सराहा था।

वहीं, दीपिका की नई फिल्म 'किंग' का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं और इसमें शाहरुख खान एक डॉन की भूमिका में हैं, जो अपनी बेटी को खतरनाक दुनिया में जीना सिखाते हैं।

मां श्रीदेवी की 8 साल पुरानी साड़ी में जाह्नवी कपूर दिखीं खूबसूरत

बॉलीवुड की स्टाइलिश अदाकारा जाह्नवी कपूर की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। मेकर्स फिल्म का ट्रेलर पहले ही रिलीज कर चुके हैं और आज मंगलवार को फिल्म का गाना 'है सच तो यही, तू है मेरी' रिलीज कर दिया गया। इस बीच एक्ट्रेस अपने नए साड़ी लुक को लेकर सोशल मीडिया पर छा गई हैं। एक्ट्रेस के लिए ये साड़ी बहुत खास है, क्योंकि ये साड़ी उनकी मां श्रीदेवी की हैं।

जाह्नवी कपूर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साड़ी में फोटोज पोस्ट की हैं। साड़ी 8 साल पुरानी है, जिसे श्रीदेवी ने अपने लिए डिजाइन कराया था। इस साड़ी का ब्लाउज सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया गया था। अब जाह्नवी ने वही साड़ी पहनी है और वह भी बिना किसी बदलाव के। एक्ट्रेस ने ब्लैक और ब्लू साड़ी के साथ कुंदन का हैवी नेकलेस कैरी किया है, जिसमें लाल स्टोन भी मौजूद हैं। एक्ट्रेस ने सेड के साथ पिकॉक स्टाइल ईयररिंग भी कैरी किए हैं, जिससे उनके लुक पर चार-चांद लग गए हैं।एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने एलिगेंट पोज भी दिए हैं जिससे बिल्कुल क्वीन वाइव आ रही हैं। एक्ट्रेस ने साइड फेस पोज भी सादगी के साथ दिए है, जिससे एक्ट्रेस बिल्कुल श्रीदेवी वाला फील दे रही हैं। जाह्नवी का ये क्वीन लुक फैंस को बहुत पसंद आया है और वह जाह्नवी में श्रीदेवी की छवि देख रहे हैं।एक यूजर ने लिखा- श्रीदेवी जी को कितनी सुंदर श्रद्धांजलि! दूसरे यूजर ने लिखा- आप बिल्कुल श्रीदेवी के जैसी दिख रही हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा- आज आपकी मां को आप पर गर्व हो रहा होगा।

नवरात्रि व्रत की कथा

मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए करें इस कथा का पाठ

बृहस्पति जी बोले- हे ब्रह्मा जी! आप बहुत ही बुद्धिमान, चारों वेद और सर्वशास्त्र को जानने वालों में सबसे श्रेष्ठ हो। हे भगवन! कृपा कर यह बताएं कि चैत्र, अश्विन, माघ और आषाढ़ मास के शुक्लपक्ष में नवरात्र का व्रत क्यों किया जाता है? हे प्रभु ! इस व्रत को करने से क्या फल प्राप्त होता है? इस व्रत को करने की क्या विधि है? और सबसे पहले इस व्रत को किसने किया? कृपया करके मुझे सब कुछ विस्तार से कहिए। बृहस्पति जी का ऐसा प्रश्न सुनकर ब्रह्मा जी कहने लगे हे बृहस्पति ! प्राणियों का हित करने की इच्छा से तुमने बहुत ही अच्छा प्रश्न किया है। तो सुनो जो मनुष्य मनोरथ पूर्ण करने वाली दुर्गा, महादेवी, सूर्य और नारायण को ध्यान करते हैं, वे मनुष्य धन्य हैं। यह नवरात्र व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। इसके करने से संतान चाहने वाले को संतान सुख, धन चाहने वाले को धन, विद्या चाहने वाले को विद्या और सुख चाहने वाले को सुख मिल सकता है। इस व्रत को करने से रोगी मनुष्य का रोग दूर हो जाता है और कारागार में पड़ा हुआ मनुष्य बंधन से छूट जाता है। मनुष्य की तमाम विपत्तियां दूर हो जाती हैं और उसके घर में संपूर्ण सम्पत्तियां आकार उपस्थित हो जाती हैं। काक बन्ध्या के इस व्रत के करने से संतान हो जाता है। समस्त पापों को दूर करने वाले इस व्रत के करने से ऐसा कौन-सा मनोरथ है जो सिद्ध नहीं हो सकता।

ब्रह्मा जी! आगे बताते हैं कि यदि व्रत करने वाला मनुष्य सारे दिन का उपवास न कर सके तो एक समय भोजन करे और उस दिन अपने बांधवों सहित नवरात्रि व्रत की कथा श्रवण करे। हे बृहस्पते! जिसने पहले इस महाव्रत को किया है उसका पवित्र इतिहास मैं तुम्हें सुनाता हूं। ब्रह्मा जी बोले तुम सावधान होकर सुनो। इस प्रकार ब्रह्मा जी के वचन सुनकर बृहस्पति जी बोले- हे प्रभु! मनुष्यों को कल्याण करने वाले इस व्रत के इतिहास को मेरे लिए कहा, मैं सावधान होकर सुन रहा हूं। आपकी शरण आए हुए मुझ पर कृपा करो। ब्रह्मा जी बोले- पीठत नाम के नगर में एक अनाथ नाम का ब्राह्मण रहता था। वह भगवती दुर्गा का भक्त था। उसके संपूर्ण सद्गुणों से युक्त मानों ब्रह्मा की सबसे पहली रचना हो ऐसी यथार्थ नाम वाली सुमति नाम की एक अत्यंत सुन्दर कन्या पैदा हुई। वह कन्या सुमति अपने घर के बालकपन में अपनी सहेलियों के साथ क्रीड़ा करती हुए इस प्रकार बढ़ने लगी जैसे शुक्ल पक्ष में चंद्रमा की कला बढ़ती है। उसका पिता प्रतिदिन दुर्गा की पूजा और होम किया करता था। उस समय वह भी नियम से वहां उपस्थित होती थी। एक दिन वह सुमति अपनी सखियों के साथ खेलने लग गई और भगवती के पूजन 'में उपस्थित नहीं हुई। उसके पिता को पुत्री की ऐसी असावधानी देखकर क्रोध आया और पुत्री से कहने लगा कि हे दुष्ट पुत्री ! आज प्रभात से तुमने भगवती का पूजन नहीं किया, इस कारण मैं किसी कुष्ठी और जय माता दी जय माता दी दरिद्र मनुष्य के साथ तेरा विवाह करूंगा । इस प्रकार कुपित पिता के वचन सुनकर सुमति को बड़ा दुःख हुआ और पिता से कहने लगी कि हे पिता जी! मैं आपकी कन्या हूं। मैं आपके सब तरह से आधीन हूं, जैसी आप की इच्छा हो मेरा विवाह कर सकते हो। होगा वही जो मेरे भाग्य में लिखा है, मेरा तो इस पर पूर्ण विश्वास है।

व्यक्ति न जाने कितने मनोरथों को लेकर चिंतन करता है पर होता वही है जो भाग्य में विधाता ने लिखा है। जो जैसा करता है उसको फल भी उस कर्म के अनुसार ही मिलता है, क्योंकि कर्म करना मनुष्य के आधीन है। पर फल देना के अधीन है। जैसे अग्नि में पड़े हुए तृण दी उसको अधिक प्रदीप्त कर देते हैं उसी तरह अपनी कन्या के ऐसे निर्भयता से कहे हुए वचन सुनकर उस ब्राह्मण को बहुत ही ज्यादा क्रोध आया। तब उसने अपनी कन्या का एक कुष्ठ के साथ विवाह कर दिया और अत्यंत क्रुद्ध होकर पुत्री से कहने लगा कि जाओ जाओ जल्दी जाओ अपने कर्म का फल भोगो। देखें केवल भाग्य भरोसे पर रहकर तू क्या करती है?

इस प्रकार से कहे हुए पिता के कटु वचनों को सुनकर सुमति बहुत दुखी हुई और अपने मन में विचार करने लगी कि अहो! मेरा बड़ा दुर्भाग्य है जिससे मुझे ऐसा पति मिला। इस तरह अपने दुःख का विचार करती हुई वह अपने पति के साथ वन चली गई और भयानक वन में कुशायुक्त उस स्थान पर उन्होंने वह रात बड़े कष्ट से व्यतीत की। उस गरीब बालिका की ऐसी दशा देखकर भगवती पूर्व पुण्य के प्रभाव से प्रकट होकर सुमति से कहने लगी कि हे ब्राह्मणी! मैं तुम पर प्रसन्न हूं, तुम जो चाहो वरदान मांग सकती हो। मैं प्रसन्न होने पर मनोवांछित फल देने वाली हूं। इस प्रकार भगवती दुर्गा का वचन सुनकर ब्राह्मणी कहने लगी कि आप कौन हैं जो मुझ पर प्रसन्न हुई हो, यह सब मेरे लिए कहा और अपनी कृपा दृष्टि से मुझ दासी को कृतार्थ करो। ऐसा ब्राह्मणी का वचन सुनकर देवी कहने

लगी कि मैं आदि शक्ति हूं और मैं ही ब्रह्मा, विद्या और सरस्वती हूं। मैं प्रसन्न होने पर प्राणियों को दुःख दूर कर उसको सुख प्रदान करती हूं। हे ब्राह्मणी ! मैं तुम पर तेरे पूर्व जन्म के पुण्य के प्रभाव से प्रसन्न हूं।

तुम्हारे पूर्व जन्म का पूरा वृत्तान्त सुनाती हूं सुनो! तू पूर्व जन्म में निषाद (भील) की स्त्री थी और अति पतिव्रता थी। एक दिन तेरे पति निषाद ने चोरी की चोरी करने के कारण तुम दोनों को सिपाहियों ने पकड़ लिया और ले जाकर जेलखाने में कैद कर दिया। उन लोगों ने तेरे को और तेरे पति को भोजन भी नहीं दिया। इस प्रकार नवरात्र के दिनों में तुमने न तो कुछ खाया और न जल ही पिया। इसलिए नौ दिन तक नवरात्र का व्रत हो गया। हे ब्राह्मणी! उन दिनों में जो व्रत हुआ उस व्रत के प्रभाव से प्रसन्न होकर तुम्हें मनोवांछित वस्तु दे रहीं हूं तुम्हारी जो इच्छा हो सो मांगो इस प्रकार दुर्गा के कहे वचन सुनकर ब्राह्मणी बोली कि अगर आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो हे दुर्गे ! आपको प्रणाम करती हूं। कृपा करके मरे पति के कोढ़ को दूर करो। देवी कहने लगी कि उन दिनों में जो तुमने व्रत किया था उस व्रत के एक दिन का पुण्य अपने पति का कोढ़ दूर होने के लिए अर्पण करो मेरे प्रभाव से तेरा पति कोढ़ से रहित और सोने के समान शरीर वाला हो जायेगा। ब्रह्मा जी बोले इस प्रकार देवी का वचन सुनकर वह ब्राह्मणी बहुत प्रसन्न हुई और पति को निरोग करने की इच्छा से ठीक है।

ऐसे बोली। तब तक उसके पति का शरीर भगवती दुर्गा की कृपा से कुष्ठ हीन होकर अति कान्तियुक्त हो गया जिसकी कान्ति के सामने चन्द्रमा की कान्ति भी क्षीण हो जाती है। वह ब्राह्मणी पति की मनोहर देह को देखकर देवी को अति पराक्रमी वाली समझकर स्तुति करने लगी कि हे दुर्गे ! आप दुर्गत को दूर करने वाली तीनों जगत् का सन्ताप हरने वाली, समस्त दुःखों को दूर करने वाली, रोगी मनुष्य को निरोग करने वाली, प्रसन्न होने पर मनोवांछित वस्तु को देने वाली और दुष्ट मनुष्य का नाश करने वाली हो। तुम ही सारे जगत की माता और पिता हो। हे अम्बे! मुझ अपराध रहित अबला की मरे पिता ने कुष्ठ के साथ विवाह कर मुझे घर से निकाल दिया। उसकी निकाली हुई मैं पृथ्वी पर घुमने लगी। आपने ही मेरा इस आपत्ति रूपी 'समुद्र से उद्धार किया है। हे देवी! आपको प्रणाम करती हूं। मुझ दीन की रक्षा करो। ब्रह्मा जी बोले कि हे बृहस्पते! इसी प्रकार उस सुमति ने मन से देवी की बहुत स्तुति की, उससे की हुई स्तुति सुनकर देवी को बहुत सन्तोष हुआ और ब्राह्मणी से कहने लगी कि हे ब्राह्मणी! तुम्हारे उदायल नाम का एक अति बुद्धिमान, धनवान, कीर्तिवान और जितेन्द्रिय पुत्र शीघ्र ही होगा। ऐसा कहकर वह देवी उस ब्राह्मणी से फिर कहने लगी कि हे ब्राह्मणी और जो कुछ तेरी इच्छा हो वही मनोवांछित वस्तु तुम मांग सकती हो ऐसा भगवती दुर्गा का वचन सुनकर सुमति बोली कि हे भगवती दुर्गे! अगर आप मेरे पर प्रसन्न हैं तो कृपा कर मुझे नवरात्रि विधि बताइए। हे दयावती! जिस विधि से नवरात्र व्रत करने से आप प्रसन्न होती हैं उस विधि और उसके फल को मेरे लिए विस्तार से वर्णन करें।

ब्राह्मणी के वचन सुनकर मां दुर्गा ने मुस्कराते हुए कहा हे ब्राह्मणी! मैं तुम्हें वह नवरात्र व्रत विधि बताती हूं, जो समस्त पापों का नाश कर मोक्ष प्रदान करने वाली है। इस व्रत का महात्म्य इतना महान है कि इसे करने मात्र से जीवन के समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं। मां ने आगे बताया आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नौ दिनों तक पूरे विधि-विधान से व्रत करना चाहिए। यदि कोई पूरे दिन का व्रत न कर पाए तो एक समय भोजन कर सकता है। विधिपूर्वक किसी विद्वान ब्राह्मण से परामर्श लेकर घट स्थापना करें, वाटिका बनाएं और उसे प्रतिदिन जल दें। फिर महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती की प्रतिमाएं स्थापित कर नित्य पूजा-अर्चना करें और पुष्पों से अर्घ्य अर्पित करें। उन्होंने अर्घ्य का महत्व समझाते हुए कहा बिजौरा के फूल से रूप, जायफल से कीर्ति, दाख से कार्य सिद्धि, आंवले से सुख और केले से आभूषणों की प्राप्ति होती है। इसी प्रकार हवन में खांड, घी, गेहूं, शहद, जौ, तिल, नारियल और अन्य सामग्री अर्पित करनी चाहिए। गेहूं से लक्ष्मी, खीर और चंपा से धन, आंवले से यश, केले से पुत्र, और कमल से राज सम्मान मिलता है।

मां दुर्गा ने समझाया व्रती को आचार्य को विनम्रता से प्रणाम कर दक्षिणा देनी चाहिए। इस व्रत को जो भी श्रद्धा से करता है, उसके सभी मनोरथ पूरे होते हैं। इसमें तनिक भी संदेह नहीं है कि नौ दिनों में किया गया दान और पुण्य करोड़ों गुना फल देता है। यह व्रत करने से अश्वमेध यज्ञ का फल प्राप्त होता है। इतना कहकर देवी अंतर्ध्यान हो गईं। ब्रह्मा जी ने बृहस्पति से कहा जो भी स्त्री या पुरुष इस व्रत को करता है, उसे इस लोक में सुख और अंततः मोक्ष प्राप्त होता है। हे बृहस्पति! तुमने लोकहित के लिए इस व्रत के विषय में प्रश्न किया, इसलिए तुम धन्य हो। ब्रह्मा जी के वचनों को सुनकर बृहस्पति जी आनंद और कृतज्ञता से भर उठे और कहा कि हे प्रभो! आपने अमृत समान इस व्रत का महत्व सुनकर मुझे अनुग्रहित किया। वास्तव में यही भगवती शक्ति संपूर्ण जगत का पालन करने वाली है, जिसके प्रभाव को जान पाना कठिन है।

नवरात्रि में अखंड ज्योति जलाने के नियम

इन बातों का ध्यान रखने से पूजा का पूर्ण फल होगा प्राप्त

शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो चुकी है। इस दौरान अखंड ज्योति जलाने का विशेष महत्व होता है। ऐसा करके हम दर्शाते हैं कि अपने अंदर का अंधकार दूर करके भक्ति के प्रकाश में हम आपके सामने उपस्थित हैं। ऐसे में आप हमारी भक्ति को स्वीकार करें। अगर भक्त नवरात्रि के दौरान इस प्रकार विधि-पूर्वक अखंड ज्योत जलाते हैं तो बेहद शुभ फल मिलता है। लेकिन इसे गलती से भी बुझने नहीं देना चाहिए। ऐसा करने से व्रत के दौरान की गई पूजा अधूरी रह सकती है। अखंड ज्योति को पूरे 9 दिनों के व्रत तक जलाने का विधान बताया गया है। शास्त्रों में अखंड ज्योति जलाने के विशेष और महत्वपूर्ण नियम बताए गए हैं, जिनका ध्यान रखना चाहिए। इससे बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना करने के बाद अखंड ज्योति जलाई जाती है। जो पूरे नौ दिनों तक दिन-रात जलती रहती है। संकल्प लेकर अखंड ज्योति जलाने और माता की पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती है। ऐसी मान्यता है कि इस दीपक के सामने जाप करने से हजार गुना फल मिलता और जीवन के अनेक प्रकार के कष्ट दूर हो सकते हैं। ऐसे में अखंड ज्योति को जलाने के नियमों का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

नवरात्रि में अखंड ज्योति जलाने के नियम

- अखंड ज्योति को जलाने से पहले मन में संकल्प करना आवश्यक होता है। मां देवी से प्रार्थना करते हुए इस संकल्प को पूरा करने का आशीर्वाद मांगे और फिर, दीपक जलाएं।
- शास्त्रों के अनुसार, भूलकर भी अखंड ज्योति वाले दीपक को भूमि पर नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से अशुभ फल प्राप्त हो सकता है। ऐसे में हमेशा उसे चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर ही रखें। अगर ऐसा संभव न हो तो जमीन पर अष्टदल बनाएं और फिर वहां अखंड दीपक जला दें।
- अगर आपने नवरात्रि के पहले दिन घर में अखंड ज्योति जलाई है तो उसे कभी भी अकेला नहीं छोड़ना चाहिए। साथ ही, इसे गलती से भी बुझने नहीं देना चाहिए। ज्योति का बीच में बुझना बहुत बड़ा अपशगुन माना गया है।
- अखंड ज्योति जलाने पर इस बात का विशेष ध्यान रखें की उसकी बाती सही हो ताकि वह बीच में न बुझे। इसके लिए सवा हाथ जितना रक्षासूत्र दीपक के बीचोंबीच रखें और अखंड ज्योति के लिए शुद्ध घी का ही इस्तेमाल करें।
- अखंड ज्योति के पास फूल और अक्षत भी अवश्य रखने चाहिए। ऐसा करके अपनी मनोकामना बोलें। इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है।
- जब भी घी खत्म होता दिखे तो उसे तुरंत दोबारा भर दें। अगर घी का प्रयोग करना संभव न हो तो आप सरसों या तिल का तेल इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें कि तेल शुद्ध ही होना चाहिए।
- मान्यता है कि अखंड ज्योति की गर्मी दीपक से चार अंगुल तक चारों ओर अनुभव होनी चाहिए। साथ ही, उसकी लौ सुनहरे रंग की होनी चाहिए। इस दौरान दीपक से दीपक जलाने का प्रयास न करें और बाती को भी बार-बार नहीं बदलना चाहिए।
- अखंड ज्योति को हमेशा माता के दाईं ओर रखना चाहिए। लेकिन अगर दीपक सरसों के तेल का हो तो उसे बाईं ओर रखें। नौ दिन के बाद दीपक को नहीं बुझाना चाहिए। इसकी बजाए उसे स्वयं बुझने देना चाहिए।

दशहरे पर बुध के गोचर से बनेगा बुध मंगल योग

लाभ और विजय से आनंदित होंगे तुला सहित इन पांच राशियों के जातक

बुध गोचर तुला राशि में दशहरे के दिन यानी 2 अक्टूबर की मध्य रात्रि के बाद 3 बजकर 43 मिनट पर होने जा रहा है। ज्योतिषीय दृष्टि से इसे दशहरे का दिन ही माना जाएगा क्योंकि, सूर्योदय 3 अक्टूबर को सूर्योदय से पहले बुध तुला राशि में प्रवेश कर रहे हैं। लेकिन आधुनिक ज्योतिष के अनुसार 3 अक्टूबर को बुध का गोचर माना जाएगा। बुध का यह गोचर बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि, इस गोचर में बुध तुला राशि में पहले से चल रहे मंगल के साथ युति बनाएंगे। ऐसे में बुध मंगल का योग भी बनेगा। ज्योतिषशास्त्र में बुध बुद्धि के कारक होने के साथ ही साथ ग्रहों के राजकुमार माने जाते हैं। जबकि मंगल शक्ति और उत्साह के कारक और ग्रहों के सेनापति माने जाते हैं। ऐसे में इन दोनों ग्रहों की युति का होना बुद्धि और शक्ति का अद्भुत संयोग बनाएगा जिससे मेष, कर्क समेत कई राशियों के लिए लाभदायक होगा, तो आइए जानते हैं तुला राशि में बुध गोचर से किन-किन राशियों को मिलेगा शुभ लाभ।

मेष राशि : करियर में मिलेगी सफलता

इस राशि के जातकों के सातवें भाव में बुध के गोचर से मंगल और चंद्रमा की युति बन रही है। ऐसे में आपको व्यापार में सफलता प्राप्त होगी और आपको पराक्रम में भी वृद्धि होगी। मंगल को ऊर्जा, साहस पराक्रम और संपत्ति का कारक माना गया है। यह युति आपको साहसी और सफल बनाएगी। वहीं, चंद्रमा मन और भावनाओं का कारक है जो आपकी मानसिक स्थिति को मजबूत बनाएगा। परिवार में खुशनुमा माहौल बना रहेगा और आपको करियर के मामले में भी सफलता हासिल होगी। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे और वह हर मोड़ पर आपका साथ देंगे।

कर्क राशि : धन कमाने के मिलेंगे मौके

बुध का गोचर कर्क राशि के चौथे भाव में होगा। इससे मंगल और चंद्रमा की युति बन रही है, जिससे आपके जीवन में खुशियां भर सकती हैं। अगर लंबे समय से परेशानियों का सामना कर रहे थे तो अब आपको उनसे छुटकारा मिल सकता है। आर्थिक मामलों में भी लाभ होगा और आपके लिए धन कमाने के शुभ संयोग बनते जाएंगे। संपत्ति जो जुड़ा लाभ भी आपको हो सकता है। आपके पराक्रम और साहस में वृद्धि होगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा। हालांकि, सामाजिक क्षेत्र में यह समय थोड़ा कम लाभदायक हो सकता है। लेकिन कारोबार और आर्थिक मामलों में बुध का गोचर आपके लिए बेहद शुभ रहेगा।

तुला राशि : हर क्षेत्र में होगा लाभ

इस राशि के प्रथम भाव में बुध का गोचर हो रहा है। तुला राशि में बुध के प्रवेश करने से आपको अत्यंत शुभ लाभ प्राप्त होंगे। चंद्रमा और मंगल की युति होने आपको साहसी बनाएगी। इससे कार्यक्षेत्र में आपको साहसिक निर्णय लेने से लाभ प्राप्त हो सकता है और पर्सनैलिटी भी आकर्षक होगी। चंद्र मंगल योग से मानसिक स्थिति मजबूत होंगी और आपकी भावनाएं भी नियंत्रण में रहेंगी। लव लाइफ के मामले में भी यह समय आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। आप दोनों के बीच का प्रेम गहरा होगा और व्यापार में भी खूब लाभ कमाएंगे। इस दौरान आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है और जीवन में खुशियां आएंगी।

धनु राशि : आर्थिक मामलों में होगा लाभ

बुध का गोचर धनु राशि में 11वें भाव में होने जा रहा है। इससे आपको कई क्षेत्रों में लाभ प्राप्त हो सकता है। अगर आप आर्थिक मामलों में सही अनुमान और निर्णयों के साथ आगे बढ़ते हैं तो इससे आपको फायदा हो सकता है। साथ ही, धन कमाने के मौके भी मिलेंगे। बिजनेस और व्यापार के क्षेत्रों में भी लाभ मिलने की अच्छी संभावना बनी हुई है। इसके जरिए आप अच्छा पैसा कमा सकते हैं। लेकिन आपको किसी भी जोखिम भरे कार्य या निर्णय से बचना होगा। पारिवारिक मामले में समय अच्छा रहेगा और घर के सदस्यों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे।

मकर राशि : बड़ा पद होगा हासिल

आपकी राशि में दसवें भाव में बुध का गोचर हो रहा है। ऐसे में चंद्रमा और मंगल की युति से बिजनेस से जुड़े लोगों के लिए यह अवधि बेहद अनुकूल रहने वाली है। आपको कारोबार में उन्नति के नए रास्ते मिलेंगे और सफलता भी हासिल करेंगे। सरकारी नौकरी करने वालों को कोई बड़ा पद हासिल हो सकता है जो आपकी प्रसन्नता को दोगुना कर देगा। कार्यक्षेत्र में अपनी मेहनत से खूब लाभ कमाएंगे जिससे आपके धन में भी वृद्धि होगी। वहीं, निजी जीवन में भी आसपास सकारात्मक वातावरण बना रहेगा।

अष्टमी पूजन 29 को किया जाएगा

इस बार शारदीय नवरात्रि में एक ही तिथि दो बार होने जाने के कारण अष्टमी पूजन को लेकर कंफ्यूजन बना हुआ है। बता दें कि शारदीय नवरात्रि का आरंभ इस बार 22 सितंबर से हुई है और इस महापर्व का समापन 2 अक्टूबर को विजयदशमी के दिन होगा। दरअसल, इस बार तृतीया तिथि दो दिन रहेगी। इस बार तृतीया तिथि 23 और 24 सितंबर दोनों ही दिन रहेगी। ऐसे में अष्टमी तिथि 29 या 30 सितंबर कब मनाई जाएगी।

पंचांग के अनुसार, अष्टमी तिथि का आरंभ 29 सितंबर को शाम के समय 4 बजकर 32 मिनट पर होगा और 30 सितंबर को शाम में 6 बजकर 7 मिनट तक अष्टमी तिथि रहेगी। उदय तिथि के अनुसार, अष्टमी पूजन 29 सितंबर को किया जाएगा। इस अष्टमी को दुर्गा अष्टमी भी कहा जाता है। 30 सितंबर का शाम में बजकर 7 मिनट से नवमी तिथि का आरंभ होगा और 1 अक्टूबर को शाम में 7 बजकर 2 मिनट तक नवमी तिथि रहेगी। ऐसे में नवमी तिथि का पूजन 1 अक्टूबर को किया जाएगा। जो लोग दुर्गा अष्टमी का पूजन करते हैं वह 30 सितंबर को कन्या पूजन करें और जो लोग नवमी में कन्या पूजन करते हैं वह 1 अक्टूबर को कन्या पूजन करें।

महाअष्टमी और नवमी पर क्या करें ?

महाअष्टमी या दुर्गा अष्टमी के दिन मां दुर्गा के स्वरूप महागौरी की पूजा की जाती है। हालांकि, इस दिन ही कई लोग इस दिन हवन करके कन्या पूजन करते हैं। जिनके घर में अष्टमी पूजन किया जाता है वह सप्तमी के दिन उपवास रखकर अष्टमी में कन्या पूजन के बाद व्रत का पारण करते हैं और जिन लोगों के घर में नवमी का पूजन होता है वह अष्टमी तिथि के दिन व्रत रखकर नवमी में ही कन्या पूजन कर लेते हैं।

अष्टमी और महाअष्टमी का महत्व ?

मान्यताओं के अनुसार, अष्टमी तिथि के दिन महागौरी का पूजन किया जाता है। माता पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए कठोर तप किया था। तपस्या का दौरान मां केवल कंदमूल फल और पत्तों का आहार करती थीं। इसके बाद वह सिर्फ वायु पीकर की तप करने लगीं। उनके कठोर तप से उन्हें महान गौरव प्राप्त हुआ। इससे उनका नाम महागौरी पड़ा। माता की तपस्या से प्रसन्न होकर उन्हें गंगा में स्नान करने के लिए कहां जिस समय माता गंगा में स्नान के लिए गई तब कठोर तपस्या के कारण उनका स्वरूप श्याम वर्ण के साथ प्रकट हुई। माता इसी के साथ कौशिकी कहलाई। फिर स्नान के बाद उनका स्वरूप उज्जवल चंद्र के समान प्रकट हुआ तो माता का यह स्वरूप महागौरी कहलाया।

संपादकीय

कलस्टर प्लानिंग की अवधारणा

कलस्टर प्लानिंग के जरिए हिमाचल अपनी शिक्षा पद्धति को एक नई सूरत, ऊर्जा, अनुभव तथा जवाबदेही से पुष्ट करने की मंशा रखता है। स्कूली शिक्षा के शिखर पर एक निदेशालय की प्रस्तुति में अनेक शिक्षण संस्थाओं को एक ही सूत्र में पिरोने के लिए आइंदा सीनियर सेकेंडरी स्कूलों को कलस्टर के मुखिया के तौर पर व्यवस्थित करने का काम अगर पूरा होगा तो 1988 के करीब जमा दो स्कूलों के तहत सारे हाई, मिडल और प्राइमरी स्कूल नई परिपाटी बनाएंगे। इस तरह विभिन्न स्तरों पर फैले 12166 स्कूल, 1988 जमा दो स्कूलों के प्रिंसीपलों के अंतर्गत प्रबंधन की एक नई पहल आजमाएंगे। व्यवस्था को नजदीक से देखने और पारंगत करने के लिए, पर्वतीय राज्य की प्लानिंग में कलस्टर की अवधारणा एक भविष्यगामी कदम होगा और इस तरह के प्रयोग हर विभाग में होने चाहिएं। प्रशासनिक और प्रबंधकीय शक्तियों का विकेंद्रीकरण यूं तो सहज प्रक्रिया का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन हिमाचल में निजी क्षेत्र के मुकाबले कार्यों की दक्षता में बिखराव को रोकने की जरूरत है। यह इसलिए भी कि कद से बड़ा ढांचा हमने बना दिया, लेकिन उपयोगिता के मानदंड तय नहीं हुए। अब यहां सवाल दो सौ स्कूल को सीबीएसई से जोड़ने का भी है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के कर्मचारी संगठन इस तजुर्बे को हकीकत में आने से पहले मीन मेख निकाल रहे हैं, जबकि यह व्यस्थागत प्रश्न है और शिक्षा की अधोसंरचना का बेहतर इस्तेमाल भी। शहरी सरकारी स्कूल अगर दिल्ली-चंडीगढ़ के आचरण में सीबीएसई के उत्कृष्ट प्रांगण हो जाएं, तो यह युग बदलने का संकल्प है और प्रतिस्पर्धा में खड़े होने का एक मुकाम भी। यानी सरकारी स्कूलों में एक कलस्टर हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड, दूसरा सीबीएसई के अधीन तो तीसरा आईसीएसई के तहत भी बांटा जा सकता है। शिक्षा में कलस्टर सिस्टम की अवधारणा को चिकित्सा क्षेत्र में भी पारंगत करना होगा ताकि विशेषज्ञता और दक्षता को प्रमाणित करते संस्थान भी एक संघटन की तरह काम करें। मसलन मेडिकल कालेजों की परिधि या क्षेत्रीय एवं जोनल अस्पतालों के कलस्टर में सारे छोटे-बड़े अस्पताल एक सूत्र में चिकित्सा सेवाओं की कर्मठता, दक्षता तथा क्षमता का विस्तार कर सकें। कलस्टर और रैफरल सिस्टम में अंतर है। रैफरल सिस्टम ने अस्पतालों की हैसियत को मेडिकल कालेजों की कार्यप्रणाली के तहत ध्वस्त करने का जरिया बना दिया, जबकि कलस्टर सिस्टम में मेडिकल कालेजों जैसी व्यवस्था को निचले स्तर तक बांटने की प्रथा शुरू होगी। यानी मेडिकल कालेजों के एक्सपर्ट अपनी परिधि में विशेष क्लीनिक चलाने के लिए बाध्य हो सकते हैं। हिमाचल को शिक्षा-चिकित्सा के अलावा ट्रांसपोर्ट, शहरी विकास तथा आवासीय सरकारों को कलस्टर प्लानिंग के तहत आगे बढ़ाने की जरूरत है। ग्रामीण और शहरी विकास के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए पूरे प्रदेश में टीसीपी के तहत कम से कम आधा दर्जन क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण गठित करके विभिन्न नागरिक सुविधाओं का विस्तार संभव है। कई शहरों को एक साथ जोड़कर कलस्टर प्लानिंग में कॉमन कार्यालय, अदालती परिसर, केंद्रीय बस स्टैंड एवं बस डिपो तथा सार्वजनिक परिवहन का एक स्थानीय व इंटरसिटी नेटवर्क खड़ा किया जा सकता है। सरकारी बस रूटों को कलस्टर के रूप में देखें तो अनावश्यक नुकसान से बचा जा सकता है। पूरे प्रदेश की सरकारी संपत्तियों के बेहतर इस्तेमाल व रखरखाव के लिए एक सार्वजनिक रियल एस्टेट प्राधिकरण की स्थापना से सभी विभाग कॉमन पूल के जरिए अपनी जरूरतें पूरी कर सकते हैं। विभिन्न प्रशासनिक शहरों के बीच कार्यालयों, कर्मचारी आवास और नागरिक सुविधाओं से दबाव हटाने के लिए कर्मचारी नगर बसाने चाहिएं। ये शहर धर्मशाला-पालमपुर, हमीरपुर-बिलासपुर, मंडी-कुल्लू या सोलन-शिमला के बीच बसाए जाएं तो शहरों का अनावश्यक दबाव घटेगा और राजधानी से कई कार्यालय इन स्थानों पर शिफ्ट हो पाएंगे।

स्कूली शिक्षा के शिखर पर एक निदेशालय की प्रस्तुति में अनेक शिक्षण संस्थाओं को एक ही सूत्र में पिरोने के लिए आइंदा सीनियर सेकेंडरी स्कूलों को कलस्टर के मुखिया के तौर पर व्यवस्थित करने का काम अगर पूरा होगा तो 1988 के करीब जमा दो स्कूलों के तहत सारे हाई, मिडल और प्राइमरी स्कूल नई परिपाटी बनाएंगे। इस तरह विभिन्न स्तरों पर फैले 12166 स्कूल, 1988 जमा दो स्कूलों के प्रिंसीपलों के अंतर्गत प्रबंधन की एक नई पहल आजमाएंगे। व्यवस्था को नजदीक से देखने और पारंगत करने के लिए, पर्वतीय राज्य की प्लानिंग में कलस्टर की अवधारणा एक भविष्यगामी कदम होगा और इस तरह के प्रयोग हर विभाग में होने चाहिएं। प्रशासनिक और प्रबंधकीय शक्तियों का विकेंद्रीकरण यूं तो सहज प्रक्रिया का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन हिमाचल में निजी क्षेत्र के मुकाबले कार्यों की दक्षता में बिखराव को रोकने की जरूरत है। यह इसलिए भी कि कद से बड़ा ढांचा हमने बना दिया, लेकिन उपयोगिता के मानदंड तय नहीं हुए। अब यहां सवाल दो सौ स्कूल को सीबीएसई से जोड़ने का भी है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के कर्मचारी संगठन इस तजुर्बे को हकीकत में आने से पहले मीन मेख निकाल रहे हैं, जबकि यह व्यस्थागत प्रश्न है और शिक्षा की अधोसंरचना का बेहतर इस्तेमाल भी। शहरी सरकारी स्कूल अगर दिल्ली-चंडीगढ़ के आचरण में सीबीएसई के उत्कृष्ट प्रांगण हो जाएं, तो यह युग बदलने का संकल्प है और प्रतिस्पर्धा में खड़े होने का एक मुकाम भी।

भारत ने नेशनल रिर्सच फाउंडेशन बनाकर एक लाख करोड़ रुपए की धनराशि आवंटित कीs

भारतीय शोधार्थियों को प्रोत्साहन की जरूरत

प्रमोद भार्गव

11 साल से सत्तारुढ़ नरेंद्र मोदी सरकार ने इस वातावरण के निर्माण में अकल्पनीय काम किया है, किंतु अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनर्गल फैसलों के चलते जरूरी हो गया है कि हम अपने उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्यनरत विद्यार्थियों की मौलिक सोच को शोध की दिशा में प्रेरित करें। क्योंकि हाल ही में ट्रंप ने नासा और नेशनल साइंस फाउंडेशन जैसे शोध विकास संस्थानों के बजट में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कटौती कर दी है। दूसरी तरफ एच-1 बी वीजा की शुल्क में आवेदन के लिए एक लाख डॉलर, यानी करीब 86 लाख रुपए का अतिरिक्त भुगतान करने की शर्त लगा दी है। इस किस्म के वीजा के सबसे ज्यादा लाभार्थी वे दक्ष युवा भारतीय हैं, जो अमेरिका की आईटी कंपनियों में नौकरी करने के इच्छुक रहते हैं। ट्रंप भविष्य में ऐसे और कानूनी उपाय कर सकते हैं, जिससे युवा उद्यमियों को अवसर मिलने में कमी आए। अतएव भारत को ऐसे कल्पनाशील शोधार्थियों को बढ़ावा देना जरूरी है, जिनमें नवाचारी प्रतिभा है।

पक्षियों के पंख अपने आप में संपूर्ण रूप में विकसित होते हैं, लेकिन हवा के बिना कोई भी पक्षी उड़ान नहीं भर सकता। यही स्थिति भारत में नवाचारी प्रयोगधर्मियों के साथ रही है। उनमें कल्पनाशील असीम क्षमताएं हैं, लेकिन कल्पनाओं को आकार देने के लिए प्रोत्साहन एवं वातावरण नहीं मिल पाता है। हालांकि 11 साल से सत्तारुढ़ नरेंद्र मोदी सरकार ने इस वातावरण के निर्माण में अकल्पनीय काम किया है, किंतु अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनर्गल फैसलों के चलते जरूरी हो गया है कि हम अपने उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्यनरत विद्यार्थियों की मौलिक सोच को शोध की दिशा में प्रेरित करें। क्योंकि हाल ही में ट्रंप ने नासा और नेशनल साइंस फाउंडेशन जैसे शोध विकास संस्थानों के बजट में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कटौती कर दी है। दूसरी तरफ एच-1 बी वीजा की शुल्क में आवेदन के लिए एक लाख डॉलर, यानी करीब 86 लाख रुपए का अतिरिक्त भुगतान करने की शर्त लगा दी है। इस किस्म के वीजा के सबसे ज्यादा लाभार्थी वे दक्ष युवा भारतीय हैं, जो अमेरिका की आईटी कंपनियों में नौकरी करने के इच्छुक रहते हैं। ट्रंप भविष्य में ऐसे और कानूनी उपाय कर सकते हैं, जिससे युवा उद्यमियों को अवसर मिलने में कमी आए। अतएव भारत को ऐसे कल्पनाशील शोधार्थियों को बढ़ावा देना जरूरी है, जिनमें नवाचारी प्रतिभा है। हालांकि नासा और नेशनल फाउंडेशन के बजट में भारी कटौती के बाद यूरोप ने 'चूज यूरोप फॉर साइंस' थीम पर मई-2025 में एक बैठक कर दुनिया के शोधार्थियों के लिए अपने संस्थानों के द्वार खोल दिए हैं। फ्रांस और भारत ने बजट बढ़ा दिया है। चीन पूर्व से ही स्कूल स्तर पर छात्रों की मौलिक सोच एवं नूतन आविष्कार की संभावनाओं की पहचान कर छात्रों को अनुसंधान की दिशा में उन्मुक्त करने लग गया है। भारत ने नेशनल रिर्सच फाउंडेशन बनाकर एक लाख करोड़ रुपए की धनराशि आवंटित की है। जिससे शोध की सोच को आविष्कार के रूप में साकार किया जा सके। अब छात्र वित्तीय स्वतंत्रता के साथ अपने शोध आगे बढ़ा सकेंगे। वर्तमान और भविष्य के शोध एआई, रोबोटिक्स, क्वांटम कंप्यूटर, अंतरिक्ष विज्ञान, गणित और स्टेम साइंस के अनुसंधानों से जुड़े होंगे। आज के समय में नासा और भारत सुपर कंप्यूटर और डिजिटल संचार के माध्यमों में पाणिनि के अष्टाध्यायी में उल्लेखित संस्कृत को इनकी भाषा बनाने के संयुक्त अनुसंधान में लगे हैं। संस्कृत की भाषाई सटीकता और तार्किकता के चलते इसे कृत्रिम बुद्धि और रोबोटिक्स जैसी आधुनिक प्रौद्योगिकी में प्रयोग की संभावनाएं बढ रही हैं। संस्कृत की व्याकरण प्रणाली को तीन हजार से अधिक वर्ष पहले महर्षि पाणिनि ने संहिताबद्ध किया था। वैज्ञानिक इसे भाषाई विज्ञान का एक

अद्वितीय नमूना मानते हैं। पाणिनि व्याकरण संस्कृत भाषा के लिए रचित अष्टाध्याई नामक ग्रंथ पर आधारित है। जिसमें लगभग 4000 सूत्र हैं। यह व्याकरण एक अत्यधिक वैज्ञानिक और सूक्ष्म विश्लेषण प्रस्तुत करता है। संस्कृत को इसी ने परिनिष्ठित और मानकीकृत किया है। पाणिनि की यह पद्धति दुनिया की पहली औपचारिक विधि मानी जाती है। इसके सहायक प्रतीकों (प्रत्यय) की प्रणाली ने कंप्यूटर प्रोग्रामिंग भाषाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। क्योंकि संस्कृत सुसंगत 'कंप्यूटर अनुकूल भाषा ' हैं। इसलिए इसे एआई और रोबोटिक्स तकनीक के लिए उपयोगी भाषा माना जा रहा है। चूंकि भारतीय युवा अपनी मातृभाषा में प्राकृतिक रूप से दक्ष रहते हैं और इन भाषाओं की जननी संस्कृत है, इसलिए उन्हें उपरोक्त क्षेत्रों में नए शोध करने में आसानी होगी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी साहित्य सृजन में केवल पाश्चात्य लेखकों का ही बोलबाला है। पश्चिमी देशों के वैज्ञानिक आविश्कारों से ही यह साहित्य भरा पड़ा है। भारत में भी इसी साहित्य का पाठ्य पुस्तकों में अनुकरण है। इस साहित्य में न तो हमारे प्राचीन वैज्ञानिकों की चर्चा है और न ही आविष्कारों की। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि हम खुद न अपने आविष्कारकों को प्रोत्साहित नहीं करते हैं और न ही उन्हें मान्यता देते हैं। इन प्रतिभाओं के साथ हमारा व्यवहार भी कमोबेश उपहासपूर्ण अभद्र रहता है। हालांकि अब निरंतर ऐसी प्रामाणिक सूचनाएं मीडिया में आ रही हैं, जिनसे निश्चित होता है कि प्राचीन भारत विज्ञान की दृष्टि से अत्यंत समृद्धशाली था। संस्कृत ग्रंथों से यही ज्ञान अंग्रेजी, फारसी और अरबी भाषाओं में अनुदित होकर पश्चिम पहुंचा और वहां के कल्पनाशील जिज्ञासुओं ने भारतीय सिद्धांतों को वैज्ञानिक रूप में ढालकर अनेक आविष्कार व सिद्धांत गढ़कर पेटेंट करा लिए। इनमें से ज्यादातर पश्चिमी वैज्ञानिक उच्च शिक्षित नहीं थे।

बल्कि उन्हें मनबुद्धि होने का दंड देकर विद्यालयों से कर दिया गया था। आविष्कारक शोधार्थी को जिज्ञासु एवं कल्पनाशील होना जरूरी है। कोई शोधार्थी कितना भी शिक्षित क्यों न हो, वह कल्पना के बिना कोई मौलिक या नूतन आविष्कार नहीं कर सकता है। शिक्षा संस्थानों से विद्यार्थी जो शिक्षा ग्रहण करते हैं, उसकी एक सीमा होती है, वह उतना ही बताती व सिखाती है, जितना हो चुका है। आविष्कार कल्पना की वह श्रृंखला है, जो हो चुके से आगे की अर्थात कुछ नितांत नूतन करने की जिज्ञासा को आधार-तल देती है। स्पश्ट है, आविश्कारक लेखक या नए सिद्धांतों के प्रतिपादकों को उच्च शिक्षित होने की कोई बाध्यकारी अड़चन पेश नहीं आनी चाहिए। अतएव हम जब लब्ध-प्रतिश्ठित वैज्ञानिकों की जीवन-गाथाओं को पढ़ते हैं, तो पता चलता है कि न तो वे उच्च शिक्षित थे, न ही वैज्ञानिक संस्थानों में काम करते थे और न ही उनके इर्द-गिर्द विज्ञान-सम्मत परिवेश था। उन्हें प्रयोग करने के लिए प्रयोगशालाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। गोया, हम कह सकते हैं कि मौलिक प्रतिभा जिज्ञासु के अवचेतन में कहीं छिपी होती है। इसे पहचानकर गुणीजन या शिक्षक प्रोत्साहित कर कल्पना को पंख देने का माहौल दें तो भारत की ग्रामीण धरती से अनेक वैज्ञानिक-आविष्कारक निकल सकते हैं। इस दिशा में एक अच्छी पहल आईआईटी मद्रास में 'सोच का पाठ' पढ़ाने के पाठ्यक्रम शुरू करने के साथ की है। यदि शिक्षक विद्यार्थी के अवचेतन में पैठ बनाए बैठे इस कल्पनाशील सोच को पहचानने में सफल होते हैं तो इस पाठ्यक्रम की सार्थकता निकट भविष्य में सिद्ध हो जाएगी। दुनिया में वैज्ञानिक और अभियंता पैदा करने की दृष्टि से भारत का तीसरा स्थान है। भारतीय शोधार्थियों का वैश्विक प्रतिशत 2 हैं, सबसे उत्तम और चर्चित शोध-पत्रों की प्रस्तुति में हमारा योगदान 2.4 प्रतिशत है। लेकिन यह प्रसन्नता की बात है कि दुनिया के 29 प्रौद्योगिकी संपन्न देशों में भारत का स्थान पांचवां है। भारत ने उस प्रत्येक परिस्थिति को चुनौती और अवसर माना, जिसे दूसरे देशों के देने से मना कर दिया था। एक समय रूस ने भारत को अंतरिक्ष मिसाइल प्रक्षेपण से जुड़े क्रायोजनिक इंजन की तकनीक देने से मना कर दिया था। तब एपीजे अब्दुल कलाम ने इसे अपनी बुद्धि और देशज संशाधनों से विकसित किया और आज हम अंतरिक्ष में प्रमुख वैश्विक षक्ति हैं। इसी तरह 1987 में अमेरिका ने हमें सुपर कंप्यूटर देने से मना कर दिया था। तब भौतिक शास्त्री विजय पांडुरंग भटकर ने इस स्थिति को एक चुनौती माना और भारत का पहला सुपर कंप्यूटर परम स्वयं की मेधा से विकसित किया। अतएव ट्रंप के अवरोधों को हमें एक अवसर के रूप में देखने की जरूरत है।

देश दुनिया से

स्कूलों में तार-तार होते गुरु-शिष्य रिश्ते

भारत प्राचीन काल से ही उच्च नैतिक मूल्यों और अहिंसा के लिए विश्व विख्यात है। यहां नैतिक मूल्यों को बहुत महत्व दिया जाता है। परंतु आज इनसान नैतिक मूल्यों को भूलकर अनैतिक क्रियाकलापों में लगा हुआ है और पवित्र रिश्तों को भी तार-तार कर रहा है। वर्तमान में अनैतिक कार्यों के लिए सख्त से सख्त कानून तथा सजा का प्रावधान होने के बावजूद अनैतिक कार्यों में इजाफा ही हो रहा है। इसके लिए कठोरतम सजा के साथ-साथ समाज में नैतिक शिक्षा को बढ़ावा देने की सख्त आवश्यकता है, क्योंकि ये सब घटनाएं विकृत मानसिकता से ग्रसित लोग ही अंजाम देते हैं। आज समूचे देश में बहुत-से शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षकों द्वारा अपने ही शैक्षणिक संस्थानों की बच्चियों का यौन उत्पीडऩ किए जाने के मामले दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। देवभूमि हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों को ही लें। इनमें भी ये घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। हाल ही में हिमाचल प्रदेश सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में गुणात्मक सुधार कर राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2025 में अपनी रैंकिंग को 21वें स्थान से 5वें स्थान पर लाने में कामयाबी प्राप्त की है। उसके बाद पूर्ण साक्षर राज्य बनने के साथ शीर्ष पर पहुंच गया है। इसके लिए वर्तमान सरकार और विशेषकर शिक्षा मंत्री बधाई के पात्र हैं। परंतु हिमाचल सरकारी शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों द्वारा छात्राओं से अवांछित स्पर्श और यौन उत्पीडऩ की घटनाओं पर अंकुश लगाने में पिछड़ गया है। सरकार को इस समस्या से निपटने के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए। हिमाचल प्रदेश के सरकारी शिक्षा संस्थानों में छात्राओं से अवांछित स्पर्श और यौन उत्पीडऩ की न जाने कितनी घटनाएं पूर्व में हुई हैं और वर्तमान में हो रही हैं। इनमें से बहुत सी घटनाएं तो प्रकाश में नहीं आती। कुछ मामले तो बच्चियों और उनके अभिभावकों ने, रिपोर्ट करने की हिम्मत की है। परंतु बहुत से मामलों को विभागीय रसूख से रफा-दफा कर दिया जाता जो विकृत मानसिकता वाले शिक्षकों को और ऐसी वारदातें करने को प्रोत्साहित करता है। ऐसे शिक्षकों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए ताकि दूसरे शिक्षक भी ऐसा कार्य न करें। हाल ही में विभिन्न समाचारपत्रों में प्रकाशित हुई छात्रा यौन उत्पीडऩ की वारदातों में से मात्र कुछ एक को यहां वर्णित किया जा रहा है। इन वारदातों से पता चल रहा है कि आज पश्चिमी संस्कृति के दौर में गुरु-शिष्य के रिश्ते की मर्यादा को तार-तार किया जा रहा है। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान खोखला सिद्ध हो रहा है क्योंकि बेटियां शिक्षण संस्थानों में उनके गुरुओं के पास सुरक्षित नहीं हैं। शिक्षकों को बच्चों से कहीं ज्यादा नैतिक शिक्षा प्रदान करने की आवश्यकता है। कुनिहार के नजदीक प्राथमिक स्कूल में एक अध्यापक स्कूल की छोटी-छोटी पांच बच्चियों के साथ अश्लील हरकतें करता था। बच्चियां स्कूल जाने से कतराती थीं। अभिभावकों के पूछने पर बच्चियों ने अध्यापक की हरकतों

आज समूचे देश में बहुत-से शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षकों द्वारा अपने ही शैक्षणिक संस्थानों की बच्चियों का यौन उत्पीडऩ किए जाने के मामले दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। देवभूमि हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों को ही लें। इनमें भी ये घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। हाल ही में हिमाचल प्रदेश सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में गुणात्मक सुधार कर राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2025 में अपनी रैंकिंग को 21वें स्थान से 5वें स्थान पर लाने में कामयाबी प्राप्त की है। उसके बाद पूर्ण साक्षर राज्य बनने के साथ शीर्ष पर पहुंच गया है। इसके लिए वर्तमान सरकार और विशेषकर शिक्षा मंत्री बधाई के पात्र हैं।

के बारे में बताया। अभिभावकों ने इसकी रिपोर्ट पुलिस में की। अध्यापक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और जांच कर रही है। 22 जून 2025 को सिरमौर जिला के राजगढ़ क्षेत्र के एक स्कूल की आठवीं से दसवीं कक्षा की 24 छात्राओं ने स्कूल के टीजीटी शिक्षक, जो गणित पढ़ाता है, पर छेड़छाड़ व अनुचित व्यवहार करने की लिखित शिकायत स्कूल प्रधानाचार्य को दी। लड़कियों ने डर के कारण अपने माता-पिता को नहीं बताया था। अभिभावकों को तब पता चला जब स्कूल बुलाए गए। लड़कियां दिमागी रूप से परेशान और डरी हुई थीं। स्कूल प्रबंधन पर अभिभावकों का आरोप है कि वो मामले को दबा रहे थे। पुलिस ने शिक्षक को पोक्सो एक्ट के तहत पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। बिलासपुर स्थित हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज के प्राचार्य पर कालेज की छात्राओं ने यौन उत्पीडऩ के आरोप लगाए हैं। 19 मार्च 2025 को अस्पताल में एक वीडियो में आरोपी छात्रा से छेड़छाड़ करता दिख रहा है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर जमानत पर छोड़ दिया है। सरकार ने आरोपी को नौकरी से सस्पेंड कर दिया है। आरोपी पिछले कार्यस्थल पर भी ऐसी हरकतें कर चुका है। शिकायत करने के बावजूद आरोपी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। इसी तरह नाहन की पुलिस ने 8 जुलाई 2025 को एक स्कूल के पीटीआई को योगाभ्यास के दौरान सातवीं कक्षा की छात्रा के साथ 2 जून को स्कूल समय में गलत हरकत करने पर छात्रा की माता की शिकायत पर पोक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। आरोपी शिक्षक को न्यायिक हिरासत में भेजा है। सिरमौर जिला के पच्छाद उपमंडल के सरकारी स्कूल की छह छात्राओं ने मई महीने में भाषा अध्यापक पर अनुचित शारीरिक सपंर्क करने के आरोप लगाए। अध्यापक को जून महीने में पोक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। राजगढ़ उपमंडल में एक शिक्षक छात्रा को उसकी सहेली के मोबाइल फोन पर अश्लील संदेश भेजता था। यह मामला पहले का है। शिक्षक का तबादला हो चुका है। छात्रा की माता ने सोलन पुलिस स्टेशन में ऑनलाइन शिकायत की है। इस शिकायत को राजगढ़ पुलिस थाना भेज दिया है। पुलिस छानबीन कर रही है। कुल्लू जिला के डुघीलग क्षेत्र के सरकारी प्राथमिक विद्यालय के चपरासी पर छात्राओं ने गलत नीयत से अवांछित स्पर्श के आरोप का वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया तथा अभिभावकों की शिकायत के आधार पर पुलिस पोक्सो एक्ट के तहत चपरासी से पूछताछ कर रही है तथा विभागीय जांच भी की जा रही है। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों द्वारा छात्राओं के साथ छेड़छाड़ की वारदातें, सरकारी स्कूलों की छवि को खराब कर रही हैं और गुरु-शिष्य के रिश्ते को तार-तार कर रही हैं। यह एक चिंतनीय विषय है। शिक्षा विभाग को आरोपितों के प्रति समयबद्ध और कठोरतम कार्रवाई करनी चाहिए। इन केसों में न्याय में देरी नहीं होनी चाहिए। पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामलों को शिक्षा निदेशालय स्तर पर ही निपटाना चाहिए और हर हफ्ते इनकी समीक्षा हो।

आप का नजरिया

'विकसित भारत' नहीं बन सकता

बेशक जीएसटी सुधार एक अच्छा फैसला है, लेकिन ऐसी रियायतों के जरिए ही भारत 2047 में 'विकसित राष्ट्र' नहीं बन सकता। उसके लिए आर्थिक विकास दर कमोबेश 8-10 फीसदी होना अनिवार्य है। फिलहाल तो अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां 6.5 से 6.9 फीसदी के आकलन कर रही हैं। हम अभी बहुत दूर हैं। जीएसटी के अलावा, कानून, श्रम, भूमि, न्याय आदि कई क्षेत्रों में सुधार अनिवार्य और अपेक्षित हैं। भूमि की उपलब्धता और समानता का सुधार भी बेहद जरूरी है। किसान को सिर्फ ट्रैक्टर, थ्रेशर, सिंचाई मशीन ही नहीं चाहिए, बल्कि आर्थिक तौर पर समानता भी चाहिए। कमोबेश उसे फसलों की वांछित कीमत तो मिले। वह कर्ज के काले यथार्थ से बाहर निकल सके। 'किसान सम्मान राशि' तो 'ऊंट के मुंह में जीरा' है। यह सम्मान नहीं, खैरात है। किसान की फसलें बेहतर दाम पर बिक सकें, सरकार को यह बंदोबस्त करना ही होगा। अलबत्ता 'विकसित भारत' एक नारा, एक सपना बनकर रह जाएगा। आम आदमी इस दृष्टि से भी अपनी स्थितियों के आकलन करे। यह भी घोर, कटु सच्चाई है कि आज भी 81 करोड़ से अधिक भारतीय मुफ्त के अनाज के भरोसे हैं। आज भी सरकारी आंकड़ा मानें, तो 15-20 करोड़ भारतीय 'गरीबी रेखा' के तले जीने को अभिशप्त हैं। आज भी करीब 85 फीसदी किसान औसत स्तर पर हैं। उनके पास या तो 2-4 हेक्टेयर भूमि है अथवा वे दूसरे की जमीन पर खेती करने को विवश हैं। देश के जीडीपी में कृषि का योगदान बढऩा चाहिए। याद रहे कि कोरोना महामारी के दौरान भी कृषि की विकास दर 3 फीसदी से ज्यादा थी। देश ऐसे आत्मनिर्भर नहीं बन सकता कि वस्तुएं 2, 4, 10 रुपए सस्ती कर दी जाएं। देश का नागरिक कार, घर तभी खरीदने की सोच सकता है, जब उसके पास अतिरिक्त संसाधन होंगे। अभी तो आम आदमी रोजी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहा है। देश के मात्र 4 फीसदी लोगों की औसत आय 50,000 रुपए माहवार है। हम देश के 1 फीसदी धन्नासेठों की न तो बात कर रहे हैं और न ही हमारे विषय के पात्र मान रहे हैं। बहरहाल जीएसटी सुधार आम आदमी के लिए बड़ी राहत हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भरता के साथ-साथ 'स्वदेशी' का भी आह्वान किया है। 'स्वदेशी' आरएसएस का सैद्धांतिक मुद्दा रहा है। 'स्वदेशी जागरण मंच' उसका सहयोगी संगठन है। केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान भी 'स्वदेशी' के नारे खूब गूंजते थे, लेकिन तब भी उन आर्थिक सुधारों को स्वीकार कर उनकी निरंतरता बरकरार रखनी पड़ी, जिनका सूत्रपात पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और उनके वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने किया था। भारत ने भूमंडलीकरण और उदारीकरण को स्वीकार करते हुए शेष विश्व के लिए दरवाजे खोले थे, नतीजतन बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में प्रवेश बढ़ाना शुरू किया था। उस दौर के बाद ही भारत की अर्थव्यवस्था में विस्तार हुआ और आज हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। सिर्फ 'स्वदेशी' के जरिए ही 146 करोड़ से अधिक की आबादी की जरूरतों को पूरा नहीं किया जा सकता। भारत मैन्यूफैक्चरिंग और आपूर्ति का गढ़ नहीं है। भारत में 'एप्पल' और 'सैमसंग' सरीखे विदेशी मोबाइल फोन की हम 'एसेंबलिंग' करते हैं, लेकिन दावा करते रहे हैं कि हम विश्व में दूसरे सबसे बड़े निर्माता और उत्पादक हैं। विश्व-बाजार में भारतीय ब्रॉन्ड का कौनसा मोबाइल फोन धड़ाधड़ बिक रहा है, जरा प्रधानमंत्री हमें भी बता दें। हकीकत यह है कि हमारे देश में कच्चे माल पर 18 फीसदी जीएसटी है और बने हुए सामान पर अब 5 फीसदी जीएसटी का भुगतान करना पड़ेगा। क्या गजब का विरोधाभास है? भारत में 'चिप्स' और एक अच्छी कमीज से लेकर कच्चा माल, कारें और विमान तक 'विदेशी' हैं। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के विमान तक 'विदेशी' हैं। क्या फ्रांस के 'राफेल' और एलन मस्क की 'टेस्ला' को स्वदेशी करार दिया जा सकता है? भारत में स्वदेशी का सपना साकार करने के लिए हमारी शीर्ष कंपनियों और लघु, सूक्ष्म, कुटीर उद्योग को 'अनुसंधान और विकास' पर बजट लगाना होगा।

जीएसटी के अलावा, कानून, श्रम, भूमि, न्याय आदि कई क्षेत्रों में सुधार अनिवार्य और अपेक्षित हैं। भूमि की उपलब्धता और समानता का सुधार भी बेहद जरूरी है। किसान को सिर्फ ट्रैक्टर, थ्रेशर, सिंचाई मशीन ही नहीं चाहिए, बल्कि आर्थिक तौर पर समानता भी चाहिए। कमोबेश उसे फसलों की वांछित कीमत तो मिले। वह कर्ज के काले यथार्थ से बाहर निकल सके। 'किसान सम्मान राशि' तो 'ऊंट के मुंह में जीरा' है। यह सम्मान नहीं, खैरात है। किसान की फसलें बेहतर दाम पर बिक सकें, सरकार को यह बंदोबस्त करना ही होगा। अलबत्ता 'विकसित भारत' एक नारा, एक सपना बनकर रह जाएगा। आम आदमी इस दृष्टि से भी अपनी स्थितियों के आकलन करे। यह भी घोर, कटु सच्चाई है कि आज भी 81 करोड़ से अधिक भारतीय मुफ्त के अनाज के भरोसे हैं। आज भी सरकारी आंकड़ा मानें, तो 15-20 करोड़ भारतीय 'गरीबी रेखा' के तले जीने को अभिशप्त हैं। आज भी करीब 85 फीसदी किसान औसत स्तर पर हैं। उनके पास या तो 2-4 हेक्टेयर भूमि है अथवा वे दूसरे की जमीन पर खेती करने को विवश हैं। देश के जीडीपी में कृषि का योगदान बढऩा चाहिए। याद रहे कि कोरोना महामारी के दौरान भी कृषि की विकास दर 3 फीसदी से ज्यादा थी। देश ऐसे आत्मनिर्भर नहीं बन सकता कि वस्तुएं 2, 4, 10 रुपए सस्ती कर दी जाएं। देश का नागरिक कार, घर तभी खरीदने की सोच सकता है, जब उसके पास अतिरिक्त संसाधन होंगे। अभी तो आम आदमी रोजी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहा है।

कुछ अलग

इनविटेशन फॉर हिंदी लवर्ज...

हैलो! हल्लो! हेल्लो एंड जय हिंदी! ऑल द रिसपेक्टिड- नॉन रिसपेक्टिड, एक्स, वाई, जेड बायोलॉजिकल, नॉन बायोलॉजिकल हिंदी लवर्ज! यू विल बी वेरी हैप्पी टू नो दैट लाइक एवरी ईयर ऑफ सेपटेम्बर लास्ट फोर्टनाइट बोले तो सेकेंड पखवारा इज सेलिब्रेटिंग बाय हिंदी लवर्ज फॉर द पीस ऑफ हिंदी सोल । एज यू नो दैट हिंदी पखवारा इज नॉट ऑन अवर हेड, बट इज ऑन अवर फोरहेड लाइक द सन ऑफ नून एंड वी कांट इग्नोर इट सो मोर! सो, इन दिस ग्रैंड एंड ओकेजनल मूमेन्ट, वी आर डिलाइटेड (एंड ओब्लाइज्ड) टू इनवाइट ऑल द हिंदी लविंग सोल्स, स्पेशली द वन्स हू स्टिल कैरी हिंदी इन देयर कोट एंड समटाइम्स इन व्हाट्सएप, फेसबुक स्टेटस। इट इज मैटर ऑफ जॉय देट हिंदी विल बी द ऑफिशिअल लेंगुएज इन मंचास फ्रॉम फोर्टीन्थ सेपटेम्बर टू थर्टीयथ सेपटेम्बर। वी हैव डीवोट ऑनली फिफ्टीन डेस इन ईयर टू लीख हिंदी, टू स्पीक हिंदी। टू चीट हिंदी, टू बीठ हिंदी। बाय द वे! एवरी बॉडी नो दैट हिंदी इज नॉट अवर मदर टंग। अवर मदर टंग इज इंग्लिश। बट आफ्टर दैट, हिंदी इज फ्लोरिश ऑन व्हाट्सैप, मैसेंजर, फेसबुक डेडली। दिस इज क्लीयर साइन ऑफ डेंजर फॉर इंग्लिश। डियर्स! वी चाह कर भी इस हिंदी कू अपने सिर से नहीं झाड़ सकते। इसलिए वी आर डिलाइटिड टू इनवाइट ऑल द हिंदी लवर्ज एसोशिएटिड विद अवर वर्दी हिंदी डिवेलप्मेंट इंस्टीट्यूशन फंडिड बाय डायरेक्टोरेट ऑफ हिंदी टू पार्टिसिपेट इन द हिंदी डे सेलिब्रेशन सैड हिंदी पखवाड़ा शड्यूल्ड टू बी हेल्ड ऑन फर्स्ट अक्टूबर। आफ्टर दिस इवेंट ऑलसो एम्स टू प्रोमोट एंड एपरीशिएट द रीचनेस ऑफ द हिन्दी लेंग्वेज एंड क्लचर।

दृष्टि कोण

नेपाल में सत्ता संघर्ष क्यों?

नेपाल में सत्ता का संघर्ष एक बार फिर सुर्खियों में है। 9 सितंबर 2025 को, नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यह कदम उस सरकार पर बढ़ते जनाक्रोश के बीच उठाया गया, जो हाल ही में लगे सोशल मीडिया प्रतिबंध और व्यापक भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू हुई युवाओं की मांगों से उत्पन्न हिंसात्मक विरोध प्रदर्शनों के चलते बेहद दबाव में आ गई थी। नेपाल का वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य बेहद जटिल है। नेपाल में जेन-जी क्रांति की शुरुआत सोशल मीडिया बैन से शुरू हुई। 4 सितंबर को नेपाल के तब के पीएम ओली ने सोशल मीडिया पर बैन लगा दिया। पहले से भ्रष्टाचार की आग में झुलस रही जनता ने विद्रोह का बिगुल फूंक दिया। सरकार के खिलाफ जेन-जी सडक़ों पर उतर आए। भ्रष्टाचार, नेपो किड्स और राजनीतिक दलों की सड़ांध के खिलाफ जमकर हंगामा किया। प्रदर्शनकारियों ने संसद पर कब्जा कर लिया। सुप्रीम कोर्ट से लेकर संसद और फाइव स्टार होटल तक को प्रदर्शनकारियों ने आग के हवाले कर दिया। मगर एक बात जो अब सबको चौंका रही है कि आखिर राजा के महल को प्रदर्शनकारियों ने क्यों नहीं टच किया। इसके पीछे जो वजह बताई जा रही है, उससे नेपाल में अभी बाकी के क्लाइमेक्स के संदेश मिलते हैं। दरअसल पूर्व राजा ज्ञानेंद्र ने प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया था। उन्होंने कहा था कि वे युवाओं के साथ हैं। नेपाल से जुड़े मसलों के जानकारों का मानना है कि जेन-जी के लिए आज भी राजा का महल एक आदरणीय स्थान है। कुछ जेन-जी को नेपाल में मौजूदा लोकतंत्र की अराजकता से राजशाही अब भी बेहतर लगती है। यही कारण है कि प्रदर्शनकारियों ने राजा के महल को आग के हवाले नहीं किया। उनका गुस्सा नेताओं के प्रति अधिक है। उन्हें भ्रष्ट सिस्टम से दिक्कत है। नेपाल में काफी समय से राजशाही की मांग चल रही है। मार्च 2025 से ही प्रो-मोनार्की प्रदर्शन चल रहे हैं। नेपाल के लाखों लोग राजशाही की बहाली की मांग कर रहे हैं। जेन-जी क्रांति में भी इसकी आहट सुनाई दी। कुछ का

मानना है कि 2008 में खत्म हुई राजशाही ही नेपाल को फिर से एकजुट कर सकती है। खासकर तब जब सभी राजनीतिक दल विफल हो चुके हैं और भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे हैं। अब सवाल है कि क्या राजशाही की वापसी संभव है? नेपाल में भले अभी सुशीला कार्की की अंतरिम सरकार है, मगर अभी भी पावर वैक्यूम है और अगर जेन-जी सुशीला कार्की से नाराज होते हैं तो राजा की वापसी का मौका बन सकता है। अब नेपाल की अंतरिम पीएम सुशीला कार्की पर नजरें टिकी हैं। नेपाल की पहली महिला चीफ जस्टिस रह चुकीं कार्की एंटी-करप्शन कैंपेनर हैं। वह 73 साल की हैं। वह अंतरिम सरकार में मंत्रियों को शामिल कर रही हैं। अब सवाल है कि क्या सुशील कार्की 6 महीने तक सरकार चला पाएंगी? इसमें कई चुनौतियां हैं। आर्थिक संकट, पड़ोसी देशों का दबाव, और राजशाही का दबाव। अगर सुशीला कार्की जेन-जी की मांगें पूरी नहीं करती हैं तो फिर से नए प्रदर्शन हो सकते हैं। ऐसे में नेपाल में कुछ भी संभव है। 2008 में राजशाही की समाप्ति और संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना के बाद नेपाल ने लोकतंत्र की राह पकड़ी। लेकिन जनता के भीतर यह असंतोष भी धीरे-धीरे बढ़ा कि लोकतांत्रिक ढांचे के बावजूद भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और राजनीतिक अस्थिरता की समस्याएं कम नहीं हुईं। यही असंतोष धीरे-धीरे एक नए नेतृत्व की ओर देखने की इच्छा में बदल गया। इसी कड़ी में, बालेंद्र शाह, जिन्हें लोकप्रिय रूप से बालेन शाह कहा जाता है, नेपाल की राजनीति में एक नई और बागी छवि के साथ उभरे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इज़ाफ़ा कर सकता है। शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाकर इससे निजात पाएँ। ख़राब हालात से दूर रहना ही बेहतर है। आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं । घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें । ऐसे लोगों से हाथ मिलाएँ जो रचनात्मक हैं और जिनके ख़यालात आपसे मिलते हैं। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना थी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो मौलिक सोच रखते हों और अनुभवी भी हों। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। आप आज रुहानी प्यार की मदहोशी महसूस कर सकेंगे। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। यह आपको सच्चे अर्थों में धर्म व आध्यात्मिकता की ओर भी ले जा सकता है। दिन की शुरुआत से अन्त तक आप ख़ुद को ऊर्जा से लबरेज़ महसूस करेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि आपका लवमेट आपकी बातों को समझ नहीं पाता तो आज उनके साथ वक्त बिताएं और अपनी बातों को स्पष्टता के साथ उनके सामने रखें। आप किसी बड़ी योजना या घटना में भागीदार होंगे, जिसके लिए आपको सराहना और पुरस्कार मिलेंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आज आपके दिल की धड़कनें अपने प्रिय के साथ ताल–से–ताल मिलाती मालूम होंगी। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है सहयोगी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन वे ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत से जुड़ी परेशानियाँ असहजता का कारण बन सकती हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक़्क़तें हो सकती हैं। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं–न–कहीं से शुरुआत करनी होगी– इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। आज के दिन आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यथार्थवादी रवैया अपनाएँ और जो आपकी ओर मदद का हाथ बढ़ाएँ, उनसे किसी चमत्कारकी उम्मीद न करें। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाज़ुक रहेंगे। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं।

आज का पंचांग

दिनांक : 25 सितंबर 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया प्रातः 07:07 तक
नक्षत्र : स्वाति रात्रि 07:08 तक
योग : वैधृति रात्रि 09:53 तक
करण : गर प्रातः 07:07 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:09 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:13 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:06 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:01 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : विनायक चतुर्थी, भद्रा रात्रि 08:19 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अच्छे स्वास्थ्य के साथ-साथ टीम भावना होती है विकसित: सैनी

चंडीगढ़, 24 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को मधुबन पुलिस अकादमी में 74वें अखिल भारतीय पुलिस कुश्ती प्रतियोगिताओं के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता का आयोजन संस्कृति के शुभ दिन शरद नवरात्रों में हुआ है, जो खुशी की बात है। खेल और पुलिस बलों का गहरा संबंध है। खेल अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करने के साथ–साथ टीम भावना, आपसी सहयोग और अनुशासन सिखाते हैं। उन्होंने प्रतियोभागियों व विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने फिटनेस के महत्त्व को देखते हुए कहा है कि जो फिट है वह हर क्षेत्र में हिट है। इसे साकार करने के लिए उन्होंने फिट इंडिया अभियान 2019 से शुरू किया। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2036 के ओलंपिक खेलों में भारत को खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने इन खेलों को भारत में आयोजित कराने की इच्छा जताई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा पुलिस के जवानों ने सुरक्षा की ड्यूटी को तो बखूबी निभाया ही है, साथ ही देश को अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी दिए हैं। ऐसे खिलाडियों ने देश का मान और गौरव बढ़ाया है। हरियाणा पुलिस का प्रदेश में खेलों के प्रति उत्साहजनक माहौल बनाने में सराहनीय योगदान दिया है। हरियाणा पुलिस के खिलाडियों ने पद्मश्री, खेल रत्न, मेजर ध्यानचंद, अर्जुन, द्रोणाचार्य अवार्ड जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। कुश्ती हरियाणा का खेल है। यहां के धाकड़ पहलवान पूरे मनोबल के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान सरकार ने लगभग 11 साल पहले खेलों के लिए एक विजन विकसित किया था। यह विजन है– हर बच्चे, हर युवा को खेल से जोड़ने व उसे अवसर देने का जिसमें खेल के प्रति ललक है, हर गांव में खेल का मैदान बनाने का। इस विजन का लक्ष्य है हरियाणा को भारत की खेल राजधानी बनाने का। सरकार ने खेल ढांचे को आधुनिक बनाया है। वर्ष 2015 में हरियाणा स्पोर्ट्स एंड फिजिकल फिटनेस पॉलिसी लागू की। इस नीति से खेल के प्रति युवाओं का रूझान बढ़ा। तभी वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार द्वारा खेल नर्सरी योजना आरंभ की गई। इस समय प्रदेश में एक हजार 489 खेल नर्सरियां हैं जिनमें 37 हजार 225 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम 2021 बनाए गए। इसके तहत 550 नए पद बनाए गए। 224 खिलाडियों को सरकारी नौकरी दी गई। खिलाडियों के लिए श्रेणी–एक से चार तक के पदों की सीधी भर्ती में आरक्षण का प्रावधान किया गया। 15 हजार 634 खिलाडियों को खेल उपकरण प्रदान किए गए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि हरियाणा पुलिस में खेल कोटे से शीघ्र भर्ती की जाएगी। उन्होंने विजेता खिलाडियों को सम्मानित किया।

नई जीएसटी दरों का गरीब एवं मध्यम वर्ग को सबसे ज्यादा होगा लाभ: कृष्ण लाल पंवार

चंडीगढ़, 24 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने चरखी–दादरी शहर के विभिन्न व्यापारिक संस्थानों पर जाकर नई जीएसटी दरों को लेकर व्यापारियों से चर्चा की। उन्होंने ग्राहकों से भी बात की और नई जीएसटी दरों से कीमतों में आई कमी पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था के तहत जीएसटी स्लैब्स को सरल करते हुए अब मुख्य रूप से कुछ सामान को 0 प्रतिशत श्रेणी में भी लाया गया है, यानी वे पूरी तरह से कर मुक्त होंगी। इसके अलावा मुख्यत दो जीएसटी स्लैब्स 5 प्रतिशत व 18 प्रतिशत बनाए गए हैं। पहले लागू 12 प्रतिशत व 28 प्रतिशत स्लैब को पूर्णत समाप्त कर दिया गया है।

इससे पहले मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जीएसटी की दरों को घटा कर ऐतिहासिक फैसला लिया गया है। इसका सबसे ज्यादा फायदा देश के गरीब एवं मध्यम वर्ग को होगा। इस बदलाव से एक ओर जहां रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में कमी हुई है, वहीं दूसरी ओर छोटे उपकरण व वाहनों की कीमत भी कम हुई है। जिन लोगों ने वाहन बुक किए थे, अब उन्हें वही वाहन कम कीमत पर मिल रहे हैं। इसके लिए लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार भी व्यक्त किया है।

उन्होंने बताया कि दैनिक उपयोग की कई वस्तुओं और सेवाओं को पूरी तरह जीएसटी से मुक्त कर दिया गया है। इनमें दूध, रोटी–पराठा जैसे भारतीय ब्रेड्स, व्यक्तिगत जीवन व स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी, प्राथमिक स्टेशनरी, नोट्स बुक, मैप, चार्ट व जीवन रक्षक दवाएं शामिल हैं। इन वस्तुओं पर अब उपभोक्ताओं को कोई कर नहीं देना होगा।

हरियाणा विधानसभा विधायी प्रारूपण पर करवाएगी अधिकारी–कर्मचारियों का प्रशिक्षण

चंडीगढ़, 24 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा सचिवालय और हरियाणा विधानसभा की ओर से विधानसभा और हरियाणा सरकार के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए विधायी प्रारूपण पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। संविधान एवं संसदीय अध्ययन संस्थान (आईसीपीएस) के सहयोग से यह कार्यक्रम चंडीगढ़ के सेक्टर 26 स्थित महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान (एमजीएसआईपीए) में 26 और 27 सितंबर को आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण समेत अनेक वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के लिए गार्ड ऑफ ऑनर भी किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र शुक्रवार सुबह 10 बजे होगा। इस अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, विधान सभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह, हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, विधान सभा सचिव राजीव प्रसाद संबोधित करेंगे। इसके बाद कर्नाटक विधान सभा अध्यक्ष यू.टी. खादर फरीद भी प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह 27 सितंबर को दोपहर बाद होगा। इसे हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष, विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, विधान सभा हरियाणा विधान सभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा संबोधित करेंगे।

खेल महाकुंभ का शुभारंभ, 3 हजार से ज्यादा खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

पंचकूला, 24 सितंबर (एजेंसियां)। सेक्टर 3 ताऊ देवीलाल स्टेडियम में बुधवार को खेल महाकुंभ के दूसरे चरण की शुरुआत हुई। खेलों का यह महाकुंभ तीन दिनों तक चलेगा।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी खेल महाकुंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। उनके साथ खेल मंत्री गौरव गौतम और अन्य खेल विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। खेल महाकुंभ का आयोजन 24–26 सितंबर के बीच होगा। तीन दिवसीय खेल महाकुंभ में राज्य के 3,000 से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

खेल महाकुंभ के द्वितीय चरण में कुश्ती, टेबल टेनिस, जूडो, कराटे, वॉलीबॉल (महिला एवं पुरुष वर्ग) और पुरुष वर्ग की हॉकी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

हरियाणा में खेल महाकुंभ 2025 का आयोजन दो चरणों में हो रहा है। इसकी शुरुआत 2 अगस्त को ताऊ देवी लाल स्टेडियम से हुई थी। इसमें 26 विभिन्न खेलों में राज्य के 15,410 से ज्यादा खिलाड़ियों ने 2,100 से ज्यादा पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य 2036 के ओलंपिक खेलों में भारत को एक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है। इस दिशा में हरियाणा सक्रियता से कार्य कर रहा है।भारत ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 6 पदक जीते, जिसमें 5 पदक हरियाणा के ही खिलाड़ियों ने अपने नाम किए थे। हरियाणा पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सबसे अधिक नकद पुरस्कार देने वाला राज्य है। यहां राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले और पदक जीतने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है।

प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

जयपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लागू किया गया जीएसटी 2.0 भारत की कर व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव है, जिसने आमजन, कृषक और व्यापारी वर्ग को बड़ी राहत दी है। जीएसटी के चार स्लैब्स में किए गए क्रांतिकारी परिवर्तन से जनता त्यौहारों से पूर्व ही त्यौहार जैसा उत्साह अनुभव कर रही है और मार्केट में रौनक का माहौल बना है। यह कहना है जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल का।

जयपुर प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने बैठक में ग्रामीण और शहरी सेवा शिविरों की समीक्षा करते हुए सेवा शिविरों में हेल्प डेस्क के संचालन के निर्देश दिये ताकि आमजन को प्रार्थना पत्र लिखने या सेवाओं के लिए परेशानी का सामना ना करना पड़े और उन्हें तुरंत सहायता मिले। उन्होंने कहा कि अधिकारी एवं कर्मचारी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार शिविरों में पूरे संकल्प और गंभीरता से कार्य करें तथा जनता की प्रतिक्रिया के आधार पर शिविरों को और अधिक सुव्यवस्थित, सुविधाजनक और लाभकारी बनाएं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि जयपुर जिला राजस्थान के विकास और प्रगति का आईना है, यहां किए गए कार्य पूरे प्रदेश में परिलक्षित होते हैं। उन्होंने ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर संतोष जाहिर करते हुए अधिकारियों के प्रयासों को और बेहतर प्रयास करने के निर्देश दिये।। बैठक में बताया गया कि जयपुर में अतिवृष्टि के कारण तीन जनहानि हुई है, उनके आश्रितों को सहायता राशि प्रदान करने की कार्यवाही की जा रही है। रास्ता खोलो अभियान एवं पंच गौरव प्रोत्साहन योजना में हुई प्रगति पर जिला प्रभारी मंत्री ने संतोष जाहिर किया।

डेयरी विकास के क्षेत्र में राजस्थान स्थापित कर रहा नये आयाम : एसपी सिंह बघेल

जयपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। केन्द्रीय मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायतीराज राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल ने कहा है कि राजस्थान ने डेयरी विकास के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित किये है। आरसीडीएफ द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष में 10 हजार करोड रूपये से अधिक का टर्नओवर और 400 करोड रूपये से अधिक का लाभ अर्जित करने पर बधाई देते हुए उन्होने कहा कि आरसीडीएफ देशभर के सफलतम स्टेट डेयरी फैडरेशन में से एक है। जयपुर डेयरी द्वारा लगाये गये ''जीरो लिक्विड डिस्चार्ज प्लान्ट'' की मुक्त कंठ से प्रशंषा करते हुए उन्होने कहा कि यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सही समय पर उठाया गया सराहनीय कदम है। बघेल आज यहाँ जयपुर डेयरी प्लान्ट का निरीक्षण करने के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे। उन्होनें कहा कि जयपुर डेयरी का जेडएलडी प्लान्ट देशभर की डेयरियों के लिए एक आदर्श मॉडल है।

राजस्थान को–ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की प्रशासक और प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्धाज ने केन्द्रीय डेयरी राज्यमंत्री बघेल का स्वागत करते हुए उन्हें राजस्थान में डेयरी विकास के क्षेत्र में किये जा रहे नवाचारों और विशेष रूप से महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यो की विस्तृत जानकारी दी। बघेल ने उनसे प्रदेश में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी ली और राजस्थान राज्य में जापान इन्टरनेशनल को–ऑपरेशन एजेन्सी (जीका) परियोजना के अन्तर्गत कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। भारद्वाज ने उन्हें बताया कि राज्य में सहकारी डेयरी मॉडल को सशक्त बनाते हुए दुग्ध उत्पादकों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए अनेक योजनाए चलाई जा रही है।

जयपुर डेयरी के चेयरमेन ओम प्रकाश पूनिया ने जिले के दुग्ध उत्पादकों की ओर से डेयरी राज्यमंत्री का स्वागत करते हुए उन्हें जयपुर डेयरी द्वारा चलाई जा रही मायरा योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पूनिया ने बताया कि मायरा योजना के अन्तर्गत डेयरी से जुड़े प्रत्येक दुग्ध उत्पादक को अधिकतम दो बेटियों की शादी में सरस डेयरी की ओर से 21 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जा रही है। बघेल ने जयपुर डेयरी की इस अनूठी पहल पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि दुग्ध उत्पादकों की बेटियों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने वाली इस योजना के बारे में सुनकर ही वे अभिभूत है।

ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों में अधिकाधिक लोगों को लाभान्वित करें : हीरालाल नागर

जयपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। जिला प्रभारी व ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर बुधवार को टोंक जिले के उनियारा पहुंचे, जहां उन्होंने नगरपालिका परिसर में चल रहे शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण किया। साथ ही विभागवार स्टॉल का अवलोकन कर अधिकारियों व कार्मिकों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान स्थानीय विधायक राजेन्द्र गुर्जर, जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल समेत अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं आमजन मौजूद रहे।नागर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर शुरु किए गए सेवा पखवाड़े के तहत इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जन–जन की सेवा देश के प्रधानमंत्री का संकल्प है। इसलिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की मंशानुसार अधिकारी इन शिविरों में सेवा भावना के साथ कार्य कर लोगों की समस्याओं का समाधान कर राहत प्रदान करें।

उन्होंने कहा कि अगर किसी समस्या का समाधान विधिसम्पत रुप से सम्भव नही है तो परिवादी को इसके बारे में बताएं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि इस दौरान स्वच्छता पखवाड़ा भी मनाया जा रहा है। स्वच्छता के प्रति सभी को जागरुक व सचेत करने के लिए हर गांव, शहर, गली में स्वच्छता का संदेश दिया जाना जरुरी है। उन्होंने कहा कि पेयजल व विद्युत हमारी सरकार की प्राथमिकता में है। इसके लिए पेयजल वितरण लाइनों का सुदृढ़ीकरण एवं नये ट्रासफार्मर लगाने व जीएसएस के निर्माण का कार्य किए जा रहे है। खाद्य सुरक्षा योजना में प्रदेश भर में 60 लाख लोगों के नाम जोड़े गए है, यह गरीब व वंचित वर्ग के लिए बहुत बड़ा कार्य है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

जयपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को बांसवाड़ा के नापला पहुंचे। यहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 सितम्बर (गुरुवार) को प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को दिशा–निर्देश दिए।

शर्मा ने नापला में हेलिपैड, सभा स्थल सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर अधिकारियों को व्यवस्थाओं के संबंध में निर्देशित किया। उन्होंने पेयजल, पार्किंग व्यवस्था एवं जनसभा में आमजन के बैठने की तैयारियों की जानकारी ली। साथ ही, पीएम कुसुम योजना के लाभार्थियों से संवाद को लेकर की गई तैयारियों को भी देखा। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर ही अधिकारियों की बैठक लेकर सभी तैयारियों को अंतिम रूप देने के संबंध में निर्देश दिए।इस अवसर पर सांसद मदन राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण प्रवीण गुप्ता सहित संभागीय व जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लव जेहाद पीड़िताओं की घर वापसी कराएगी नवदुर्गा टास्क फोर्स

उत्तर प्रदेश में शुरू हुआ ऑपरेशन कलावा

विश्व हिंदू परिषद ने नौ महिलाओं को दी ट्रेनिंग

लखनऊ, 24 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बढ़ते लव जेहाद और धर्मांतरण के मामलों पर लगाम लगाने के लिए, विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने नवरात्रि के मौके पर ऑपरेशन कलावा नाम की एक नई मुहिम शुरू की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य धर्मांतरण और लव जेहाद का शिकार हुई बहनों को बचाना और उनकी घर वापसी कराना है। इसके लिए, संगठन ने नवदुर्गा टास्क फोर्स का गठन किया है और एक धर्मांतरण काउंसलिंग सेंटर भी खोला है। यह पहल उन बहनों को सशक्त बनाएगी, जो धोखे का शिकार हुई हैं और उन्हें वापस सनातन धर्म से जोड़ेगी।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि ऑपरेशन कलावा के तहत 9 महिलाओं की एक टीम बनाई गई है, जिसे नवदुर्गा टास्क फोर्स नाम दिया गया है। इन महिलाओं को विशेष रूप से ट्रेनिंग दी गई है ताकि वे पूरे राज्य में काम कर सकें। यह टीम लव जेहाद और धर्मांतरण की शिकार पीड़िताओं की पहचान करके उन्हें जागरूक करेगी। इस मुहिम का लक्ष्य हजारों सनातनी बहनों को जोड़ना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है। विश्व हिंदू परिषद की प्रदेश अध्यक्ष रिंकी गुप्ता ने कहा कि यह उनकी बहनों को बचाने की लड़ाई है और वे धर्मांतरण के नाम पर बर्बाद हुए जीवन को वापस लाएंगी।

इस अभियान में टास्क फोर्स 5 मुख्य बिंदुओं पर काम करेगी ताकि लोगों को लव जेहाद से बचाया जा सके। यह टीम लोगों को नकली सोशल मीडिया प्रोफाइल या फेक आईडी से सतर्क रहने की सलाह देगी। यह टीम अनजान लोगों के साथ निजी जानकारी शेयर करने से बचने के लिए जागरूकता फैलाएगी। यह टीम धर्म से जुड़े अजीब सवालों पर सतर्क रहने की सलाह देगी। यदि कोई व्यक्ति आपके धर्म और संस्कृति के बारे में अजीब सवाल पूछता है, तो सावधान रहने की सलाह दी जाएगी। इसके अलावा, अगर कोई धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालता है, तो डरने के बजाय परिवार के बड़ों से सलाह लेने का सुझाव दिया जाएगा। लव जेहाद या धर्मांतरण का शिकार होने पर तुरंत विश्व हिंदू रक्षा परिषद से संपर्क करने का आग्रह किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना नहीं है, बल्कि उन बहनों की मदद करना भी है जो इन साजिशों में फंस गई हैं। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के हेल्पलाइन नंबर पर अब तक 5 हजार से ज़्यादा शिकायतें मिल चुकी हैं, जिनमें से 1 हजार का समाधान हो चुका है। इससे यह साफ होता है कि यह पहल समाज में एक बड़ी जरूरत को पूरा कर रही है।

योगी सरकार का महत्वपूर्ण फैसला

छात्रों को समय से पहले मिलेगी छात्रवृत्ति

26 सितंबर को 4 लाख छात्र-छात्राओं को मिले स्कॉलरशिप

लखनऊ, 24 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार छात्र-छात्राओं के भविष्य और उनके हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। बेहतर शिक्षा माहौल देने के साथ-साथ आर्थिक सहायता के रूप में छात्रवृत्ति प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का कार्य लगातार जारी है। इसी क्रम में इस वर्ष एक क्रांतिकारी पहल करते हुए छात्रवृत्ति समय से पहले देने का निर्णय लिया गया है। आगामी 26 सितंबर को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जूपिटर हाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में प्रदेश के 4 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण नरेन्द्र कश्यप ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में छात्रवृत्ति वितरण व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव किया गया है। पूर्व में छात्रवृत्ति फरवरी-मार्च माह में दी जाती थी, जबकि अब इसे नवरात्र और सितंबर माह में वितरित किया जा रहा है, जिससे छात्र-छात्राएं इसका लाभ समय पर उठा सकें। यह छात्र छात्राओं के लिए एक तरह से दीपावली का गिफ्ट भी होगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में प्रदेश के पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लगभग 59 लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति मिली थी, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 70 लाख से अधिक जाएगी। सरकार द्वारा छात्रवृत्ति का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि छात्रों को समय से पूर्व छात्रवृत्ति मिल सके, इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मार्गदर्शन लेकर पिछड़ा वर्ग कल्याण, समाज कल्याण और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने मिलकर व्यापक रणनीति बनाई। यही कारण है कि इस बार छात्रवृत्ति का लाभ छात्रों तक नवरात्र के पवन अवसर पर पहुंचेगा।

इस अवसर पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओम प्रकाश राजभर, पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप, समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण, राज्य मंत्री समाज कल्याण संजीव गोंड, एवं अल्पसंख्यक राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी उपस्थित रहेंगे।

मुरादाबाद किसान महापंचायत में बोले राकेश टिकैत

किसानों की जमीन लूटने की तैयारी

मुरादाबाद, 24 सितंबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद के आंबेडकर पार्क में हुई किसान महापंचायत में भाकियू नेता राकेश टिकैत ने सरकार पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसानों की जमीन लूटने की तैयारी है, गन्ना और फसलों का उचित दाम नहीं मिल रहा और एमएसपी कानून अब भी अधूरा है।

मुरादाबाद में बुधवार को आंबेडकर पार्क में किसान संगठनों की महापंचायत आयोजित हुई। इसमें भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता और किसान नेता राकेश टिकैत शामिल हुए। जिले भर से बड़ी संख्या में किसान पंचायत में पहुंचे। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन ने पहले से ही पुख्ता इंतजाम किए थे। महापंचायत में राकेश टिकैत ने केंद्र और राज्य सरकार पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसानों की जमीन लूटने की तैयारी चल रही है। गन्ने का उचित भाव नहीं मिल रहा, एमएसपी कानून की मांग अब भी अधूरी है। उन्होंने कहा कि किसानों की फसलों के दाम तय करने के बजाय उन्हें मुकदमों में फंसाने का काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह सरकार उद्योगपतियों के इशारे पर चल रही है, जिससे किसानों और आम जनता की परेशानियां बढ़ रही हैं। उन्होंने बेरोजगारी के मुद्दे को भी गंभीर बताया और कहा कि लगातार युवा बेरोजगार हो रहे हैं, लेकिन सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। महापंचायत में किसानों ने जोरदार नारेबाजी की और अपनी समस्याओं को उठाया। नेताओं ने साफ कहा कि जब तक एमएसपी कानून नहीं बनेगा और किसानों की फसलों के दाम सुनिश्चित नहीं होंगे, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

बाबरी के बदले मस्जिद बनाने के मंसूबों पर एनओसी भारी

खैरात में मिली जमीन पर चंदा खूब वसूला पर लेआउट प्लान पास नहीं हुआ

अयोध्या, 24 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में मस्जिद निर्माण के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सरकार ने जमीन दे दी लेकिन 5 साल बाद भी उस पर काम ठप्प पड़ा है। मस्जिद के लिए बने ट्रस्ट ने चंदा तो जुटाया लेकिन सरकारी विभागों से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) नहीं ले सका। अब एनओसी नहीं होने के चलते इसके लेआउट प्लान को भी अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने खारिज कर दिया है।

9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऐतिहासिक अयोध्या फैसले में राम जन्मभूमि स्थल पर मंदिर निर्माण का रास्ता साफ किया था।

साथ ही, मुस्लिम पक्ष को मस्जिद निर्माण के लिए 5 एकड़ जमीन देने का आदेश दिया गया था। इसके बाद 3 अगस्त 2020 को तत्कालीन जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने अयोध्या के पास धन्नीपुर गांव में पांच एकड़ भूमि उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को हस्तांतरित कर दी। इसके बाद मस्जिद निर्माण के लिए बनाए गए ट्रस्ट ने 23 जून 2021 को एडीए में लेआउट प्लान की मंजूरी हेतु आवेदन दायर किया था।

एडीए ने कहा कि मस्जिद ट्रस्ट ने 4 लाख रुपए आवेदन और जांच शुल्क के रूप में जमा किए थे। मस्जिद निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नागरिक उड्डयन, सिंचाई एवं राजस्व विभाग, नगर निगम, जिलाधिकारी कार्यालय और अग्निशमन विभाग की एनओसी मांगी गई थी।

मस्जिद ट्रस्ट के सचिव अतहर हुसैन ने कहा कि उन्हें अग्निशमन विभाग की ओर से आपत्तियां आई थीं। अग्निशमन विभाग की साइट जांच में पाया गया कि प्रस्तावित मस्जिद और अस्पताल भवन की ऊंचाई को देखते हुए अप्रोच रोड की चौड़ाई कम से कम 12 मीटर होनी चाहिए। जबकि मौके पर दोनों मार्ग छह मीटर से ज्यादा चौड़े नहीं पाए गए और मुख्य सड़क महज चार मीटर चौड़ी निकली थी। हुसैन ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिद के लिए जमीन देने का आदेश दिया और उत्तर प्रदेश सरकार ने हमें जमीन दी।

इसके बाद भी आवश्यक एनओसी क्यों नहीं मिलीं और एडीए ने प्लान को क्यों खारिज किया, यह समझ से बाहर है। उन्होंने कहा कि अग्निशमन विभाग की आपत्ति के बारे में उन्हें जानकारी है लेकिन बाकी किसी भी विभाग की आपत्ति को लेकर उन्हें कुछ जानकारी नहीं है।

इस बीच अयोध्या में भव्य और दिव्य राम मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है और यह पूरे होने के चरण में है। तो दूसरी और मस्जिद परियोजना लापरवाहियों के चलते अभी तक अधर में ही अटकी हुई है। जो लोग शताब्दियों तक कथित ढांचे को मस्जिद बताते हुए लड़ रहे थे, उनके लिए मस्जिद की प्राथमिकता कितनी है, यह 5 जमीन आवंटन के 5 वर्ष बाद स्पष्ट हो जाता है।

सपा नेता आजम खां को जमानत मिली, पर मुश्किलें कायम

आजम खां पर दर्ज कई मामलों में आने वाले हैं फैसले

रामपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। सपा नेता आजम खां भले ही जमानत मिलने पर जेल से बाहर आए गए हों, लेकिन उनकी मुश्किलें बरकरार हैं। तीन मामले फैसले के करीब पहुंच चुके हैं। शत्रु संपत्ति के मामले में तीन धाराएं बढ़ चुकी हैं। सपा नेता की 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद से मुश्किलें शुरू हुईं थीं। उनके लिए जहां एक अक्टूबर का दिन अहम माना जा रहा है। वहीं तीन मामले भी फैसले के करीब पहुंच चुके हैं। जल्द ही इन मामलों में फैसला आ सकता है।

सपा नेता आजम खां मंगलवार को सीतापुर जेल से रिहा होकर रामपुर पहुंच गए। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद शुरू हुईं सपा नेता की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही हैं। पहले 27 माह और फिर 23 माह तक जेल में रहने के बाद रिहा हुए सपा नेता के चेहरे पर भी खुशी दिख रही थी, लेकिन मुश्किलें बरकरार हैं। सपा नेता के खिलाफ कुल 104 मामले दर्ज हुए थे, इनमें से कुछ मामले दूसरे जिलों में भी विचाराधीन है। सूत्रों के अनुसार, मौजूदा समय में 59 मामले सेशन कोर्ट, जबकि 19 मामले मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रहे हैं। 12 मामलों में फैसला आ चुका है, जिसमें पांच मामले में सजा हो चुकी है। इसके साथ ही सात में उन्हें बरी किया जा चुका है। फिलहाल तीन मामले फैसले के करीब पहुंच चुके हैं।

भड़काऊ भाषण मामले में जल्द फैसला आने की उम्मीद है। यह मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव का है। आजम खां पहली बार लोकसभा चुनाव लड़े थे और जीते भी थे। इस दौरान सिविल लाइंस कोतवाली में तत्कालीन एसडीएम सदर प्रेम प्रकाश तिवारी ने आजम खां के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। आरोप है कि 23 अप्रैल

2019 को आजम खां का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ था। इसमें वह जनसभा में मतदाताओं को पुलिस के प्रति भड़का रहे थे और निर्धारित अवधि के बाद भी मतदान करने के लिए उकसा रहे थे। इसे आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन माना गया था। यह मामला अब फैसले के करीब पहुंच गया है।

पूर्व सांसद अमर सिंह के परिवार को लेकर आजम खां का आपत्तिजनक बयान देने का मामला भी फैसले के करीब है। अमर सिंह की ओर से लखनऊ के गोमतीनगर थाने वर्ष 2018 में आजम खां के खिलाफ केस दर्ज कराया था। इसमें आरोप है कि आजम खां ने 23 अगस्त 2018 को एक न्यूज चैनल को साक्षात्कार दिया था। इस दौरान अमर सिंह से संबंधित सवाल पर आजम खां ने उनके परिवार को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। बाद में यह मामला लखनऊ से रामपुर स्थानांतरित हो गया था। सुनवाई एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में चल रही है।

सपा नेता आजम खां शत्रु संपत्ति के मामले में एक अक्टूबर को एमपी-एमएलए कोर्ट में हाजिर होंगे। कोर्ट ने उन्हें व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होने को कहा है। इस मामले में पुलिस की ओर से तीन धाराओं को बढ़ाया जा चुका है। बचाव पक्ष का कहना है कि धाराएं बढ़ाने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। इस वजह से इस मामले में सपा नेता को कस्टडी में नहीं लिया गया है।

सपा नेता आजम खां से जुड़े यतीमखाना बस्ती मामले में गवाह से जिरह हुई। उनसे जिरह नहीं हो सकी। इस मामले की सुनवाई 25 सितंबर को होगी। यतीमखाना बस्ती मामले में एमपीएमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। मंगलवार को इस मामले में बचाव पक्ष की ओर से गवाह जाहिद को कोर्ट में पेश किया।

जाहिद से अभियोजन की ओर से जिरह की गई। जाहिद से जिरह पूरी नहीं हो सकी। अब इस मामले की सुनवाई 25 सितंबर को होगी। इसके अलावा भड़काऊ भाषण मामले में सुनवाई होनी थी लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी। वहीं किसानों की जमीन कब्जाने के मामले में सुनवाई होनी थी, लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी।

भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जून 17 को सिविल लाइंस कोतवाली में सपा नेता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उनका कहना था कि आजम खां ने सपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सरकार के खिलाफ बोलते-बोलते सेना पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी। एडीजीसी संदीप कुमार का कहना है कि तीनों मामलों में बहस पूरी हो चुकी है। जल्द ही फैसला आ सकता है।

पूर्व मंत्री एवं सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां की जमानत के बाद भी उनकी मुश्किलें कम होने के आसार नहीं दिख रहे हैं। दरअसल, आजम के खिलाफ आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच जारी है, जिसमें उनके खिलाफ कार्रवाई होनी बाकी है। खासकर आजम खां के ड्रीम प्रोजेक्ट मौलान अली जौहर विश्वविद्यालय को इंडी द्वारा जब्त किया जाना है। हालांकि अभी तक जौहर विवि पर ईडी का चाबुक नहीं चल सका है।

बता दें कि आयकर विभाग ने दो वर्ष पूर्व आजम खां के यूपी समेत देश भर में 30 से ज्यादा ठिकानों पर छापा मारा था, जिसमें जौहर विवि का निर्माण कराने वाली जौहर ट्रस्ट के तमाम पदाधिकारियों के ठिकाने भी शामिल थे। जांच के बाद आयकर विभाग ने जौहर विश्वविद्यालय के निर्माण में करीब 350 करोड़ रुपए की गड़बड़ी का पता लगाया था। जांच में सामने आया था कि विवि के निर्माण में अवैध रूप से यह रकम खर्च की गई, जिसका स्रोत ट्रस्ट नहीं बता सका था। आयकर विभाग ने इसके बाद जौहर ट्रस्ट से जुर्माने और ब्याज सहित 550 करोड़ रुपए वसूलने की कवायद भी शुरू की थी।

वहीं ईडी ने भी जौहर विश्वविद्यालय के साथ आजम खां, उनकी पत्नी तंजीन फात्मा और बेटे अब्दुल्ला आजम की चल-अचल संपत्तियों की भी जांच की है। नेता, ठेकेदार और आर्किटेक्ट भी फंसे आयकर जांच में जौहर विवि को अपनी निधि देने वाले तमाम सांसद, विधायक, कार्यदायी संस्थाओं, जल निगम, पीडब्ल्यूडी और ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारी, ठेकेदार और आर्किटेक्ट भी फंसे थे। साथ ही गोमतीनगर के विवेक खंड निवासी आर्किटेक्ट अहमद हारुन, निसार अहमद, समरीन अहमद, इंदिरानगर निवासी सीमा नदीम, डालीबाग निवासी आफाक अहमद भी जांच के दायरे में आए थे।

जाति प्रदर्शन पर रोक का ब्राह्मणों क्षत्रियों ने किया स्वागत

यादव, जाट और गुर्जर संगठनों ने विरोध जताया

लखनऊ, 24 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जाति-आधारित राजनीतिक रैलियों पर प्रतिबंध लगाने के आदेश का अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा (एबीकेएम) और ब्राह्मण महासभा के सदस्यों ने स्वागत किया है। हालांकि, यादव, जाट और गुर्जर संगठनों के नेताओं ने इसका विरोध किया है। बता दें, योगी सरकार ने हाल ही में जाति आधारित रैलियों के अलावा वाहनों और साइनबोर्ड पर जाति के नामों के सार्वजनिक प्रदर्शन और पुलिस रिकॉर्ड में जाति का उल्लेख करने पर रोक लगाई है।

अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह तंवर ने कहा, मैं इस आदेश की सराहना करता हूं। जाति का प्रदर्शन नहीं किया जाना चाहिए। मेरी कार पर क्षत्रिय नहीं लिखा है। जाति का प्रदर्शन करने से क्या फर्क पड़ता है? भगवान राम और महाराणा प्रताप ने कभी जाति की बात नहीं की। अपनी जाति का प्रदर्शन करना उचित नहीं है। यह समाज को विभाजित करता है। जाति व्यवस्था समाज में सामाजिक समरसता लाने में सबसे बड़ी बाधा है।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पीतांबर शर्मा ने भी इस आदेश का स्वागत किया और कहा कि जातिसूचक शब्दों का प्रयोग समाज में गलत संदेश देता है। उन्होंने कहा कि हम इस प्रथा को प्रोत्साहित नहीं करते। अगर हमें पता चलता है कि किसी व्यक्ति ने अपनी गाड़ी पर ब्राह्मण लिखा रखा है, तो हम उससे उसे हटाने के लिए कहते हैं। ज़्यादातर जाट और गुर्जर ऐसी प्रथाओं का पालन करते हैं।

दूसरी ओर, अखिल भारतीय यादव महासभा (एबीवाईएम) के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष कप्तान सिंह यादव ने कहा कि यह आदेश समाजवादी पार्टी (एसपी) के पक्ष में विभिन्न जातियों, विशेष रूप से यादव समुदाय को लामबंद होने से रोकने के राजनीतिक इरादे से पारित किया गया है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय युवा मोर्चा यादवों और अन्य जाति समूहों के सम्मेलन आयोजित करता है। हाल ही में कानपुर में हुई एक बैठक में 40 से ज़्यादा जातियाँ एक साथ आईं। भाजपा सरकार विपक्ष (सपा) के पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक एकजुटता के नारे से डरी हुई है।

कप्तान ने कहा कि जाति के नामों का प्रदर्शन, विशेष रूप से वाहनों पर, लंबे समय से एक प्रथा रही है और यह देखना दिलचस्प होगा कि राज्य सरकार इस प्रथा को कैसे रोकती है। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा (एबीजीएम) के राज्य अध्यक्ष दिनेश सिंह गुर्जर ने कहा कि यह आदेश विभिन्न स्थानों पर हो रहे अंतर-जातीय संघर्षों को रोक सकता है, लेकिन उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के अधिकारियों को आदेश जारी करने से पहले जाति संगठनों के नेताओं के साथ बैठक करनी चाहिए थी।

दिनेश सिंह गुर्जर ने कहा कि हो सकता है कि एक बैठक से सरकार को आदेश को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिली हो। साथ ही, सरकार को यह आदेश सभी जातियों पर समान रूप से लागू करना चाहिए। ऐसा न हो कि गुर्जर स्टिकर वाले वाहनों का चालान हो और क्षत्रिय स्टिकर वाले वाहन बच जाएं। उन्होंने भी कप्तान की भावना को दोहराया कि यह आदेश सपा के प्रति गुर्जर लामबंदी का मुकाबला करने के लिए दिया गया प्रतीत होता है। मुजफ्फरनगर में जाट महासभा के महासचिव जयवीर सिंह ने सरकारी आदेश को भेदभावपूर्ण पाया। उन्होंने पूछा कि यह आदेश अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों पर लागू क्यों नहीं है? पुलिस द्वारा जातियों के उल्लेख में यह आदेश अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज मामलों के लिए अपवाद बनाता है। जयवीर ने आगे कहा कि मुझे गर्व है कि मैं जाट हूं। लेकिन हमें गर्व तभी होना चाहिए जब हम अपनी जाति के कल्याण और समृद्धि के लिए काम कर रहे हों। अगर कोई अपनी जाति जाट या गुर्जर के रूप में प्रदर्शित करता है तो इसमें क्या गलत है? अपनी जाति बताकर वे दूसरों को गाली नहीं दे रहे हैं या उन्हें ठेस नहीं पहुंचा रहे हैं। इस आदेश (सरकारी आदेश) का विरोध किया जाएगा।

रविवार को उत्तर प्रदेश सरकार ने जाति-आधारित राजनीतिक रैलियों, वाहनों और साइनबोर्ड पर जाति के नामों के सार्वजनिक प्रदर्शन और अधिकांश पुलिस रिकॉर्ड में जाति का उल्लेख करने पर प्रतिबंध लगाते हुए 10-सूत्री निर्देश जारी किए।

एशिया कप 2025 : पाकिस्तान ने 'करो या मरो' मैच में श्रीलंका को 5 विकेट से हराया, फाइनल की उम्मीदें बरकरार

दुबई,24 सितंबर (एजेंसियां)।

एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में पाकिस्तान ने श्रीलंका को 5 विकेट से हराकर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। लो-स्कोरिंग मुकाबले में श्रीलंका ने पहले खेलते हुए 133 रन बनाए थे, जिसके जवाब में पाकिस्तान ने 12 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

श्रीलंका की ओर से मिले 134 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम को शानदार शुरुआत साहिबजादा फरहान और फखर जमान ने दी और दोनों ने 45 रन जोड़े। हालांकि, महीश तीक्षणा ने लगातार दो गेंदों पर दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट कर श्रीलंका की वापसी कराई। इसके बाद सैम अयूब और सलमान आगा भी जल्दी आउट हो गए। एक समय पाकिस्तान ने 12 रन के भीतर 4 विकेट गंवा दिए थे। इस मुश्किल स्थिति में मोहम्मद हारिस ने 13 रनों की अहम पारी खेली। इसके बाद हुसैन तलत और मोहम्मद नवाज ने मोर्चा संभालते हुए 58 रनों की नाबाद साझेदारी कर पाकिस्तान को जीत दिलाई। दोनों बल्लेबाज 32-32 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रीलंका की तरफ से वनिंदु हसरंगा और महीश तीक्षणा को दो-दो सफलता मिली, जबकि दुष्मंथ चमीरा ने एक विकेट चटकाए। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरुआत बहुत खराब रही और पारी की दूसरी ही गेंद पर कुसल मेंडिस बिना खाता खोले आउट हो गए।

फिर पथुम निशंका भी 8 रन बनाकर चलते बने। कमोबेस पूरी टीम का यही हाल रहा।

श्रीलंका की ओर से कामिंदु मेंडिस ने 50 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली। इनके अलावा, कप्तान चरिथ असलंका ने 20 रन, चमिका करुणारत्ने ने 17, कुसल परेला और वनिंदु हसरंगा ने 15-15 रन का योगदान दिया।

पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह आफरिदी ने सबसे अधिक 3 विकेट चटकाए। जबकि हरीश राऊफ और हुसैन तलत को दो-दो सफलता मिली। वहीं, अबरार अहमद के खाते में एक विकेट गया।

इस जीत से पाकिस्तान की फाइनल में जगह बनाने की संभावना बरकरार है। दूसरी ओर, श्रीलंका को सुपर-4 चरण में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा, जिससे उसके फाइनल में पहुंचने की राह लगभग बंद हो गई है।

अब क्रिकेट प्रशंसकों को भारत और पाकिस्तान की संभावित तीसरी भिड़ंत का इंतजार है, जो तभी संभव होगी जब भारत फाइनल में जगह बनाए और पाकिस्तान बांग्लादेश को हराए।

न्यूज ब्रीफ

डेविस कप लीजेंड और जोकोविच के 'टेनिस गुरु' निकोल पिलिच, का 86 वर्ष की आयु में निधन

नई दिल्ली। क्रोएशिया के टेनिस लीजेंड और नोवाक जोकोविच के शुरुआती कोच निकोल पिलिच का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। इस बात की जानकारी क्रोएशियन टेनिस संघ ने मंगलवार को दी। पिलिच ने 1988 से 1993 के बीच जर्मनी को तीन डेविस कप खिताब दिलाए थे। इसके अलावा उन्होंने 2005 में क्रोएशिया को उसका पहला डेविस कप जीतने में मार्गदर्शन किया और 2010 में सर्बिया की टीम को भी बतौर सलाहकार खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। नोवाक जोकोविच, जो 12 साल की उम्र में पिलिच की जर्मनी स्थित अकादमी से जुड़े थे, उन्हें अपना टेनिस डैड कहते हैं। 2018 में एक इंस्टाग्राम पोस्ट में जोकोविच ने लिखा था निकी मेरे जीवन और टेनिस के सबसे महत्वपूर्ण मेंटर्स में से एक रहे हैं। उनकी अकादमी में बिताया गया समय मेरे खेल और करियर पर गहरा असर डालता है। क्रोएशियन टेनिस संघ ने बयान जारी कर कहा, वह हमारे देश के अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों और कोचों में से एक थे। जोकोविच ने भी उन्हें याद करते हुए लिखा कि, वह एक सफल खिलाड़ी और उससे भी ज्यादा सफल कोच थे।

बार्सिलोना मिडफील्डर गावी घुटने की सर्जरी के बाद 4-5 महीने तक रहेंगे बाहर

बार्सिलोना। स्पेन के अंतरराष्ट्रीय मिडफील्डर गावी घुटने की सर्जरी के बाद करीब फरवरी या मार्च तक मैदान से दूर रह सकते हैं। एफसी बार्सिलोना की वेबसाइट ने मंगलवार शाम जानकारी दी कि गावी के दाहिने घुटने की आर्थ्रोस्कोपी की गई है, जिसमें उनके मेडियल मेनिस्कस की सर्जरी कर उसे संरक्षित किया गया। क्लब ने बताया कि उनकी रिकवरी में लगभग 4 से 5 महीने लग सकते हैं। गावी को यह चोट पिछले अंतरराष्ट्रीय ब्रेक से पहले ट्रेनिंग के दौरान लगी थी। शुरुआत में उन्हें कंज़र्वेटिव इलाज दिया गया, लेकिन जब उम्मीद के मुताबिक सुधार नहीं हुआ तो ऑपरेशन का फैसला लिया गया। गौरतलब है कि इसी घुटने में गावी को नवंबर 2023 में स्पेन के लिए खेलते हुए लिगामेंट की गंभीर चोट लगी थी, जिसकी वजह से वे लगभग एक साल तक मैदान से बाहर रहे। इस बीच, बार्सिलोना के एक और खिलाड़ी फर्मिन लोपेज तीन हफ्तों तक ग्रोइन इंजरी के कारण टीम से बाहर रहेंगे, जबकि लमिन यामल भी पिछले हफ्ते पेल्विक समस्या के चलते खेल से दूर रहे ।

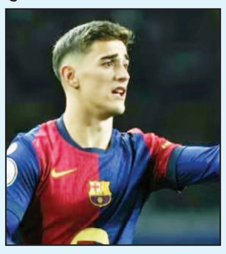

आईसीसी ने यूएसए क्रिकेट को निलंबित किया

International Cricket Council

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपनी जिम्मेदारियों का पालन करने में विफल रहने के लिए यूएसए क्रिकेट को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। आईसीसी की इस घोषणा से यूएसए क्रिकेट की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। आईसीसी ने कहा है कि यह फैसला पिछले एक साल में मामलों की गहन समीक्षा और प्रमुख हितधारकों के साथ व्यापक विचार विमर्श के बाद लिया गया है। आईसीसी ने यूएसए क्रिकेट पर आईसीसी सदस्य के रूप में अपने दायित्वों को पूरा करने में असफल रहने का आरोप लगाया है। यह फैसला लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के पहले लिया गया है पर आईसीसी ने कहा है कि मेजबान होने के कारण अमेरिका की राष्ट्रीय टीम इसमें भाग ले सकती है। आईसीसी ने कहा, ''आईसीसी बोर्ड की बैठक के दौरान लिया गया यह आईसीसी सदस्य के रूप में यूएसए क्रिकेट द्वारा अपने दायित्वों के बार-बार और निरंतर उल्लंघन पर आधारित है।'' इसमें कहा गया है, ''इनमें कार्यात्मक शासन संरचना को लागू करने में विफलता, संयुक्त राज्य ओलंपिक और पैरालंपिक समिति (यूएसओपीसी) के साथ राष्ट्रीय शासी निकाय का दर्जा प्राप्त करने की दिशा में प्रगति की कमी है जिससे दुनिया भर में क्रिकेट की छवि को नुकसान पहुंचा है।

टीम इंडिया एशिया कप के फाइनल में

बांग्लादेश को 41 रन से हराया, अभिषेक ने फिफ्टी लगाई, कुलदीप को 3 विकेट

दुबई, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय टीम ने एशिया कप 2025 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। सुपर-4 के अपने दूसरे मैच में भारत ने बांग्लादेश को 41 रनों से हराया। इस जीत से पहले टीम ने पाकिस्तान को भी मात दी थी।

टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए सूर्यकुमार यादव की टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाए। हालांकि, भारतीय बल्लेबाजी अंतिम ओवरों में कुछ संघर्ष करती दिखी। जवाब में, बांग्लादेश की टीम 127 रन पर ऑलआउट हो गई। इस हार के साथ ही श्रीलंका के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें भी खत्म हो गईं।

बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत के लिए शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने एक बार फिर तेज शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 6.2 ओवर में 77 रन जोड़े। गिल 19 गेंद पर 29 रन बनाकर आउट हुए, जबकि तीसरे नंबर पर उतरे शिवम दुबे सस्ते में पवेलियन लौट गए। बेहद आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे अभिषेक शर्मा दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रनआउट हो गए। उन्होंने 37 गेंदों पर 5 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 75 रन की शानदार पारी खेली। आखिर में, हार्दिक पांड्या ने 29 गेंदों पर 38 रन बनाए।

अभिषेक ने अपनी पारी में महज 25 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया, जो इंटरनेशनल टी20 में उनका 5वां सबसे तेज अर्धशतक है। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने युवराज सिंह (4 अर्धशतक) को पीछे छोड़ दिया है। भारत के लिए 25 या उससे कम गेंदों पर सबसे ज्यादा (7) अर्धशतक सूर्यकुमार यादव ने लगाए हैं, जबकि पूर्व कप्तान रोहित शर्मा 6 अर्धशतकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

बांग्लादेश के लिए तंजीम साकिब, मुस्तफिजुर रहमान और सैफुद्दीन ने 1-1 विकेट लिया, जबकि राशिद हुसैन को 2 विकेट मिले। इस मैच में मुस्तफिजुर रहमान ने टी20 इंटरनेशनल में अपने 150 विकेट पूरे किए और वह बांग्लादेश के लिए टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं।

श्रेयस अय्यर ने टेस्ट और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से मांगा ब्रेक, फिटनेस पर देंगे ध्यान

नई दिल्ली,24 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने टेस्ट और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से कुछ समय का ब्रेक लेने का फैसला किया है। अय्यर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से अनुरोध किया है कि उन्हें फिलहाल लाल गेंद क्रिकेट से दूर रहने की अनुमति दी जाए, ताकि वे अपनी फिटनेस पर दोबारा ध्यान केंद्रित कर सकें।

रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ लखनऊ में खेले गए चार दिवसीय मैच के बाद लिया गया, जिसमें अय्यर कप्तान थे। लेकिन मैच के बाद उन्होंने बीसीसीआई और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर से बातचीत कर विराम की इच्छा जताई।

दरअसल, इस महीने की शुरुआत में खेले गए दलीप ट्रॉफी के दौरान अय्यर को पीठ में असहजता महसूस हुई थी। यही समस्या उन्हें भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के मुकाबले में भी हुई। इसके बाद उन्होंने बीसीसीआई फिजियो और भारत ए के कोच हृषिकेश कानिटकर से चर्चा की और बोर्ड को लिखित में अपनी स्थिति बताई।

अय्यर की पीठ की सर्जरी 2023 में हुई थी। हालांकि, उन्होंने साफ किया है कि वे टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं ले रहे हैं, बल्कि फिटनेस पर काम करके दोबारा मजबूती से वापसी करेंगे। ऐसे में संभावना है कि वे इस सीजन में मुंबई की रणजी टीम से भी बाहर रहेंगे। अय्यर अब तक 17 टेस्ट और 70 प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके हैं।

लाल गेंद क्रिकेट से ब्रेक लेने के बावजूद अय्यर सफेद गेंद प्रारूप में सक्रिय रहेंगे। वे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर होने वाली वनडे सीरीज में टीम इंडिया के लिए पक्के दावेदार माने जा रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में भी जगह मिल सकती है। भारत का यह दौरा 19 अक्टूबर से 8 नवंबर तक चलेगा, जिसमें तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेले जाएंगे।

पीकेएल-12: तेलुगू टाइटंस ने गुजरात जाएंट्स को 1 अंक से हराया

जयपुर। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 47वें मैच में तेलुगू टाइटंस ने सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में गुजरात जाएंट्स को 30-29 से मात दी। यह टाइटंस की 10 मैचों में पांचवीं और लगातार दूसरी जीत है, जबकि गुजरात को आठ मैचों में लगातार पांचवीं हार झेलनी पड़ी। इस जीत के बाद टाइटंस अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। टाइटंस की जीत में भरत (9), विजय मलिक (7), शुभम शिंदे (4) और अंकित (3) ने अहम योगदान दिया। गुजरात के लिए दूसरे हाफ में मैदान पर आए मोहम्मदरेजा शादलू (6) ने रेड में दम दिखाया, लेकिन कप्तान एचएस राकेश (2) अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए। खेल की शुरुआत में टाइटंस ने 10 मिनट में 7-3 की बढ़त बनाई और दो मौकों पर गुजरात के कप्तान को डू ओर डाई रेड पर अंक लेने से रोक दिया। हालांकि 19वें मिनट में गुजरात ने स्कोर बराबर कर 10-10 किया। हाफटाइम तक गुजरात ने टाइटंस को टक्कर देते हुए स्कोर 10-12 कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में शादलू ने चार रेड में चार अंक लिए और गुजरात ने टाइटंस को सुपर स्थिति में डालकर 15-13 की बढ़त ली। इसके बाद गुजरात ने आलआउट लेते हुए 18-14 की लीड बनाई। लेकिन टाइटंस के खिलाड़ी भरत और विजय ने तेजी से वापसी करते हुए स्कोर में बढ़त बनाई। अंततः टाइटंस ने भरत और शिवम के महत्वपूर्ण रेड्स के दम पर 30-29 से जीत दर्ज की। गुजरात के अच्छे प्रयास के बावजूद टीम अपनी आठवीं हार से बच नहीं पाई।

पीकेएल-12 : टाईब्रेकर में जयपुर पिंक पैंथर्स ने यू मुंबा को हराया, वापसी के बाद मिली अहम जीत

जयपुर,24 सितंबर (एजेंसियां)।

सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 48वें मैच में जयपुर पिंक पैंथर्स ने यू मुंबा को टाईब्रेकर में 6-4 के अंतर से हराया। निर्धारित समय तक मैच 38-38 से बराबरी पर था।

मैच के दौरान यू मुंबा एक समय 10 अंक पीछे थी, लेकिन उसने शानदार वापसी करते हुए स्कोर बराबर किया और 10 अंक की लीड भी बना ली। हालांकि जयपुर ने आखिरी पलों में दबाव संभाला और मैच को टाईब्रेकर में ले जाकर जीत दर्ज की।

जयपुर के लिए नितिन धनखड़ ने सुपर-10 प्रदर्शन करते हुए 14 अंक जुटाए, जबकि मुंबा के लिए संदीप ने 14 अंक के साथ श्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

मैच की शुरुआत जयपुर के वर्चस्व में रही। छह मिनट में ही टीम ने आलआउट लेकर 9-1 की लीड बनाई। इसके बाद मुंबा ने अंक लेने की कोशिश की और 10 मिनट बाद स्कोर 5-12 कर दिया। हाफटाइम तक मुकाबला कड़ा रहा और मुंबा एक अंक की बढ़त के साथ पहुंचे, लेकिन जयपुर ने लगातार सुपर टैकल और रेड के दम पर मैच बराबरी पर ला दिया।

टाईब्रेकर में जयपुर ने बेहतरीन रणनीति अपनाते हुए यू मुंबा को अपनी लीड में ढेर किया और इस सीजन में मुंबा की टाईब्रेकर में दूसरी हार सुनिश्चित की।

अफरीदी और राउफ भारतीय खिलाड़ियों को उकसाने का प्रयास कर रहे थे : हरभजन

दुबई,24 सितंबर (एजेंसियां)।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा है कि पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और हारिस राउफ ने भारतीय टीम के बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल को उकसाने का प्रयास किया था। हरभजन ने कहा कि सुपर सिक्स मैच में टीम के सीनियर खिलाड़ी होने के बाद भी शाहीन और हारिस का ध्यान खेल से अधिक विवाद पैदा करने पर था।

हरभजन ने कहा, अगर बातचीत से ही मैच जीता जाता तो मुझे लगता है कि वे जीत जाते पर ये क्रिकेट था। यह बल्ले और गेंद के बीच का मामला था और मुझे लगता है कि इस मामले में भारतीय टीम उनसे कहीं आगे रही है। हरभजन ने कहा, हारिस और शाहीन ने काफी रन दिये। उन्हें पहले छह ओवरों में एक भी विकेट नहीं मिला। वे टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं ।

वैभव यूथ एकदिवसीय में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बने

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गयी भारतीय अंडर-19 टीम के उभरते हुए बल्ले वैभव सूर्यवंशी का शानदार प्रदर्शन जारी है। वैभव ने यहां तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच में 22 गेंदों पर 38 रनों की आक्रामक पारी खेली थी। वहीं दूसरे एकदिवसीय में वैभव ने 68 गेंदों पर 70 रन बनाये। अपनी इस पारी में उन्होंने 5 चौके और 6 छक्के लगाए। वैभव ने 56 रन केवल चौके, छक्के लगाकर बनाये। वैभव के नाम अब यूथ एकदिवसीय में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड हो गया है। वैभव से पहले यह रिकॉर्ड भारत के ही पूर्व अंडर-19 कप्तान उन्मुक्त चंद के नाम था। उन्मुक्त ने 21 पारियों में 38 छक्के लगाये थे। वहीं वैभव ने अब मात्र 10 पारियों में ही 41 छक्के लगा दिये हैं। वैभव सूर्यवंशी ने अब तक यूथ एकदिवसीय में 540 रन बनाए हैं, जिनमें से एक-चौथाई से ज्यादा रन चौके और छक्के से बनाये हैं। उनके नाम अभी 41 छक्के हैं। वैभव सूर्यवंशी और उन्मुक्त चंद के अलावा यशस्वी जायसवाल का नाम भी इस सूची में है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला बीएमडब्ल्यू वेंचर्स का पब्लिक इश्यू, एक अक्टूबर को होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली,24 सितंबर (एजेंसियां)।

स्टील प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी बीएमडब्ल्यू वेंचर्स का 231.66 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 2,34,00,000 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में 26 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 94 रुपये से लेकर 99 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। जबकि लॉट साइज 151 शेयर का है। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ 1 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 75 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 24 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए सारथी कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं कैमियो कॉरपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनया गया है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 29 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। कंपनी के शेयर 1 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 32.66 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 29.94 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 32.82 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 2,018.12 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में कम होकर 1,942.03 करोड़ के स्तर पर आ गया, लेकिन वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी की राजस्व प्राप्ति उछल कर 2,067.33 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 283.58 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विज्ञान और ...

स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त 27 से 45 वर्ष की आयु की महिलाएं बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान में डॉक्टरेट अनुसंधान करने के लिए पांच वर्षों में 35.69 लाख तक प्राप्त कर सकती हैं। वाइज़-पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप योजना स्टेम में पीएचडी प्राप्त 27 से 60 वर्ष की आयु की महिलाओं को प्रयोगशाला-आधारित अनुसंधान के लिए तीन वर्षों में 42.6 लाख तक की सहायता प्रदान करती है।

दोनों फेलोशिप के लिए दो चरणों वाली चयन प्रक्रिया अपनाई जाती है। उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत परियोजना प्रस्तावों की प्रारंभिक स्क्रीनिंग, उसके बाद विषय विशेषज्ञ समितियों द्वारा मूल्यांकन। प्रारंभिक स्क्रीनिंग में सफल होने वाले वाइज़-पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप आवेदकों को साक्षात्कार भी देना होगा। हालांकि सरकार ने विज्ञान और अनुसंधान के लिए बजट आवंटन में लगातार वृद्धि की है, लेकिन मंत्रालय के अनुसंधान एवं विकास आंकड़े बताते हैं कि भारत ने 2020-21 में अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का महज 0.64 प्रतिशत ही अनुसंधान एवं विकास पर खर्च किया, जबकि अन्य विकासशील ब्रिक्स देशों ब्राजील (1.3 प्रतिशत), रूसी संघ (1.1 प्रतिशत), चीन (2.4 प्रतिशत) खर्च हुई। दक्षिण अफ्रीका और भारत की स्थिति समान रही।

वर्ष 2023-24 में, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने वाइज़-पीएचडी के अंतर्गत 100 परियोजनाओं को मंजूरी दी, जो 2024-25 में बढ़कर 140 हो गई। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने 2023-24 में वाइज़-पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप के अंतर्गत 108 परियोजनाओं और 2024-25 में 159 परियोजनाओं की सिफारिश की। मंत्रालय ने तीन प्रमुख योजनाओं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, संस्थागत एवं मानव क्षमता निर्माण, अनुसंधान एवं विकास और नवाचार प्रौद्योगिकी विकास एवं परिनियोजन के अंतर्गत आने वाले सभी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) कार्यक्रमों को विज्ञान धारा योजना में विलय कर दिया है। 8 अगस्त को जारी एक कार्यालय ज्ञापन में, डीएसटी के नीति समन्वय एवं कार्यक्रम प्रबंधन (पीसीपीएम) प्रभाग की ज्योति शर्मा ने धन की सीमित उपलब्धता का हवाला देते हुए, विज्ञान धारा योजना के अंतर्गत नई परियोजनाओं के लिए धनराशि को अस्थायी रूप से निलंबित करने का आदेश दिया।

केरल के कालीकट की एक महिला उम्मीदवार सात महीने से अपने वाइज़-पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप साक्षात्कार परिणाम का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने अगस्त 2024 में आवेदन किया था, जनवरी 2025 में शॉर्टलिस्ट हुई और फरवरी 2025 में मंत्रालय के पैनल के सामने साक्षात्कार और प्रस्तुति दी। लंबे विलंब के कारण शोध की योजना बनाना मुश्किल हो रहा है। नाम न छापने की शर्त पर उन्होंने कहा, तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य में, हो सकता है कि शुरू होने तक हमारा प्रस्तावित कार्य नया न रहे। चरणों के बीच महीनों इंतजार करने से हम अपने प्रस्ताव से संपर्क खो देते हैं और दोबारा तैयारी करने में समय बर्बाद होता है।

उन्होंने बताया कि वाइज़-पीएचडी के लिए आवेदन करने वाली ज्यादातर महिलाएं 30 की उम्र के आसपास होती हैं और उनके पास पारिवारिक जिम्मेदारियां होती हैं। समय सीमा स्पष्ट न होने पर, तीन साल की शोध यात्रा की योजना बनाना मुश्किल होता है। इसी तरह जम्मू की एक युवती, जो वैज्ञानिक बनने और समाज में योगदान देने की इच्छा रखती है, पिछले साल जून में फेलोशिप के लिए आवेदन करने के बाद भी अपने वाइज़-पीएचडी परिणामों का इंतजार कर रही हैं। वाइज़-पीएचडी फेलोशिप पांच विषयों में शोध को बढ़ावा देती है भौतिक और गणितीय विज्ञान, रसायनिक विज्ञान, जीवन विज्ञान, पृथ्वी और वायुमंडलीय विज्ञान एवं इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी। जम्मू की इस युवती ने कहा, मैंने इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में शोध के लिए आवेदन किया था। 15 महीने हो गए हैं और हमें अभी तक परिणाम नहीं मिले हैं। प्रस्ताव तैयार करने में एक साल से ज़्यादा समय लगता है, लेकिन नियम कहते हैं कि पीएचडी पंजीकरण डीएसटी अनुशंसा पत्र के छह महीने के भीतर हो जाना चाहिए। इन देरी और नए आवेदन न आने के कारण, दूसरे वर्ष के कई छात्र फेलोशिप से चूक जाएंगे क्योंकि वे प्रस्तावों के अगले आवेदन से पहले ही तीसरे वर्ष में प्रवेश कर जाएंगे।

वाइज़-पीएचडी कार्यक्रम उन महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है जो पीएचडी के लिए पंजीकरण कराना चाहती हैं या जो अपनी पीएचडी के पहले दो वर्षों में हैं और जिनके पास फेलोशिप सहायता नहीं है। जो आवेदक अपने दूसरे वर्ष में आवेदन करते हैं, वे पात्र रहते हैं, भले ही वे परिणाम घोषित होने तक तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुके हों। लेकिन जो आवेदक अपनी पीएचडी के तीसरे, चौथे या पांचवें वर्ष में हैं, वे आवेदन नहीं कर सकते। शोधकर्ताओं के अनुसार, वुमेन इन साइंस-ए कार्यक्रम के तहत प्रस्तावों के लिए आमंत्रण साल भर खुले रहते थे और परिणाम छह महीने के भीतर घोषित किए जाते थे। वाइज़ पीएचडी और वाइज़ पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप के लिए अंतिम आमंत्रण क्रमशः दिसंबर 2024 और फरवरी 2025 में लिए गए थे, लेकिन परिणाम अभी भी लंबित हैं। परिणामों में देरी स्पष्ट से रूप से मंत्रालय और सरकार की बेरुखी प्रदर्शित कर रही है।विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के फेलोशिप के तहत मौजूदा शोधकर्ताओं को भी वित्त पोषण में देरी के कारण काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कश्मीर के एक सरकारी विश्वविद्यालय में वुमेन इन साइंस-ए फेलोशिप के तहत भौतिकी परियोजना वैज्ञानिक, अस्मा ताहिर को पिछले नौ महीनों से अपनी मासिक फेलोशिप और एचआरए नहीं मिला है, जबकि उन्होंने परियोजना के सभी काम पूरे कर लिए हैं। वित्तीय कठिनाइयों के बावजूद, वह चार शोधपत्र प्रकाशित करने में सफल रही हैं, और दो और समीक्षाधीन हैं। उन्होंने कहा, मैं अपने शोध के पांचवें वर्ष में हूं। यह दुखद है कि मुझे इस वर्ष के लिए कोई धनराशि प्राप्त किए बिना ही दिसंबर तक परियोजना पूरी करनी होगी।

दिल्ली स्थित एक केंद्रीय सरकारी विश्वविद्यालय में एक शोधकर्ता ने अपने दूसरे वर्ष में वाइज़-पीएचडी फेलोशिप के लिए आवेदन किया और जनवरी 2024 में उसका चयन हो गया, तब तक वह अपने तीसरे वर्ष में थी। हालांकि, उन्हें फेलोशिप अगस्त 2024 में ही मिलनी शुरू हुई। उन्होंने कहा, दिसंबर 2024 में मुझे अपनी आखिरी मासिक फेलोशिप मिली। तब से मैं 2025 के लिए मिलने वाले धन का इंतजार कर रही हूं। इस देरी ने मेरे शोध को बुरी तरह प्रभावित किया है, मैं उपकरण नहीं खरीद पा रही हूं और न ही अपना काम ठीक से जारी रख पा रही हूं। यह अनिश्चितता मेरे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रही है।

एनआईटी त्रिची की डॉ. अंजू थॉमस ने अपनी डीएसटी वाइज-पीडीएफ फेलोशिप राशि में देरी के लिए विज्ञान धारा योजना को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने 30 दिसंबर, 2024 को अपने मेजबान संस्थान में दाखिला लिया और उनके पहले वर्ष के लिए 15.48 लाख स्वीकृत हुए, लेकिन नई योजना के लागू होने के कारण इसका अधिकांश हिस्सा मंत्रालय को वापस कर दिया गया। केवल उनकी फेलोशिप सैलरी और 2.42 लाख का एचआरए ही रखा गया। अप्रैल 2025 के बाद से उन्हें कोई और राशि नहीं मिली है। उन्होंने बताया, यह फ़ेलोशिप मेरी आय का एकमात्र स्रोत है। देरी के कारण मुझे गंभीर वित्तीय कठिनाई हुई है और मैं उपकरण खरीदने या डेटा एकत्र करने में असमर्थ रही, जिसके परिणामस्वरूप शोध का समय बर्बाद हुआ। थॉमस, जो वर्तमान में अपने शोध पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वीआईटी वेल्लोर में सहायक प्रोफेसर के रूप में अपनी नौकरी से छुट्टी पर हैं, ने कहा कि धन की कमी के कारण उनका पोस्टडॉक्टरल शोध विलंबित हो रहा है। सेंटर फॉर स्टडी ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी (सीएसटीईपी) की डॉ. इंदु के. मूर्ति ने कहा कि अनुसंधान निधि में प्रणालीगत देरी महिलाओं को आवास, परिवार नियोजन या आगे की पढ़ाई जैसे जीवन के फैसले टालने पर मजबूर करती है। मूर्ति, जो पहले भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु में सलाहकार वैज्ञानिक के रूप में काम कर चुके हैं, ने कहा, भारत के अनुसंधान एवं विकास कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 18.6 प्रतिशत है, ऐसे अवरोध उनकी कमतर उपस्थिति का संकेत देते हैं और उन्हें अकादमिक क्षेत्र से बाहर धकेलने का जोखिम पैदा करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप स्टेम में देश के लिए प्रतिभा, नवाचार और विविधता की हानि होती है।

मंत्रालय या विभाग के अधिकारी फंड वितरण में देरी के कारणों के बारे में पूछे गए सवालों का कोई जवाब नहीं देते। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने 31 जुलाई 2025 को राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में कहा था कि पिछले तीन वर्षों के दौरान नए फंड प्रवाह में बदलाव के कारण फेलोशिप वितरण में कठिनाइयां आई हैं। केंद्र सरकार के इस शॉर्ट-कट जवाब से महिला सशक्तिकरण की असलियत का जवाब स्पष्ट हो गया।

रेलवे के...

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत के जहाज निर्माण और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए 69,725 करोड़ रुपए के व्यापक पैकेज को भी मंजूरी दी। यह मिशन घरेलू क्षमता को मजबूत करने, दीर्घकालिक वित्तपोषण में सुधार करने, ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड शिपयार्ड विकास को बढ़ावा देने, तकनीकी क्षमताओं और कौशल को बढ़ाने तथा मजबूत समुद्री बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए कानूनी, कराधान और नीतिगत सुधारों को लागू करने के लिए बनाया गया है।

इस पैकेज के तहत, जहाज निर्माण वित्तीय सहायता योजना (एसबीएफएएस) को 24,736 करोड़ रुपए की कुल राशि के साथ 31 मार्च 2036 तक बढ़ाया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य भारत में जहाज निर्माण को प्रोत्साहित करना है और इसमें 4,001 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ एक शिपब्रेकिंग क्रेडिट नोट भी शामिल है। सभी पहलों के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक राष्ट्रीय जहाज निर्माण मिशन भी स्थापित किया जाएगा। इसके अलावे, इस क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक वित्तपोषण उपलब्ध कराने हेतु 25,000 करोड़ रुपए की राशि के साथ समुद्री विकास कोष (एमडीएफ) को मंजूरी दी गई है। जहाज निर्माण विकास योजना का बजटीय परिव्यय 19,989 करोड़ रुपए है।

लद्दाख में ...

बंद और प्रदर्शन का आह्वान लेह एपेक्स बॉडी की युवा शाखा ने तब किया जब 35 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे 15 में से दो लोगों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। भूख हड़ताल का नेतृत्व पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक कर रहे हैं, जो लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं। प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यालय के बाहर एक सुरक्षा वाहन को आग के हवाले कर दिया गया। हालात को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है ताकि क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था बहाल की जा सके। प्रशासन ने जनता से शांति बनाए रखने की अपील की है और आंदोलनकारियों से बातचीत के जरिए हल निकालने की उम्मीद जताई है।

फांसी के सिवा...

कि हम कितने घंटे काम करते हैं और हमें कितनी कम नींद मिलती है? जब तक किसी की आजादी दांव पर न हो, उसी दिन केस लिस्ट नहीं होगा।

जब वकील ने आग्रह जारी रखा तो जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा कि नीलामी का नोटिस कब जारी हुआ था। इस पर शोभा गुप्ता ने बताया कि नोटिस पिछले हफ्ते ही जारी हुआ था और बकाया राशि का कुछ हिस्सा पहले ही जमा कर दिया गया है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि इस मामले की तुरंत सुनवाई की उम्मीद न रखें और इसे अगले दो महीने तक सूचीबद्ध नहीं किया जाएगा। हालांकि, बाद में उन्होंने राहत देते हुए कोर्ट मास्टर को आदेश दिया कि इस केस को शुक्रवार को सूचीबद्ध किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट में हर दिन बड़ी संख्या में वकील अपने मामलों को तुरंत सुनवाई के लिए पेश करते हैं। लेकिन कोर्ट का कामकाज पहले से ही बहुत व्यस्त होता है। जस्टिस सूर्यकांत के इस बयान ने यह साफ किया कि केवल अत्यंत गंभीर मामलों, जैसे किसी की फांसी या व्यक्तिगत आजादी का सवाल, में ही तत्काल सुनवाई होगी। उनका यह बयान जजों के काम के भारी बोझ और न्यायिक प्रणाली पर बढ़ते दबाव को भी उजागर करता है।

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी देश की न्यायिक व्यवस्था पर कई सवाल खड़ा करता है। जब हाईकोर्ट अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहे हैं, तब पुराने मामलों के तेजी से निपटारे की उम्मीद करना बेमानी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे हालात में याचिकाकर्ताओं को बार-बार आवेदन देकर हाईकोर्ट का ध्यान आकर्षित करना होगा, क्योंकि वो सीधे तौर पर हाईकोर्ट को आदेश नहीं दे सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश के हाईकोर्ट उसके प्रत्यक्ष नियंत्रण में नहीं आते, और जब वे अपनी आधी क्षमता के साथ काम कर रहे हों तो उनसे यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे हर मामले को तेजी से निपटाएं। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी उस समय की जब एक याचिकाकर्ता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट को 13 साल पुराने मामले का जल्द निपटारा करने का निर्देश देने की मांग की। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि उनका मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट में 13 साल से लंबित है। इस पर न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने स्पष्ट कहा, हाईकोर्ट इस अदालत (सुप्रीम कोर्ट) के अधीन नहीं है। वकील ने बताया कि उनके मुवक्किल ने पहले ही दो बार हाईकोर्ट में आवेदन देकर मामले के जल्दी निपटारे की गुहार लगाई है। इस पर पीठ ने कहा, आवेदन करना जारी रखें। अगर हाईकोर्ट आधी क्षमता के साथ काम कर रहा है तो आप उनसे कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि वे हर मामले को तुरंत निपटाएं? उनसे पहले के कई पुराने मामले लंबित हैं। आप वहां जाकर निवेदन करें।

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर कोई आदेश देने से इनकार कर दिया और याचिकाकर्ता को यह स्वतंत्रता दी कि वह हाईकोर्ट में जाकर मामले की जल्द सुनवाई और निपटारे के लिए औपचारिक आवेदन करे। अदालत ने कहा कि ऐसे आवेदन पर हाईकोर्ट उचित तरीके से विचार करेगा। इस मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने अपने वकील जीवन का अनुभव साझा करते हुए कहा कि वह लंबे समय तक इलाहाबाद हाईकोर्ट में प्रैक्टिस कर चुके हैं और वहां मामलों को सूचीबद्ध कराने के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ती है, यह भली-भांति जानते हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ दो आवेदन काफी नहीं हैं। कई बार आपको सैकड़ों आवेदन करने पड़ सकते हैं ताकि आपका मामला सूची में आ सके।

कानून मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, देशभर के 25 हाईकोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 1,122 है। लेकिन 1 सितंबर 2025 तक इनमें केवल 792 जज ही काम कर रहे हैं, यानी 330 पद खाली हैं। यह करीब 30 प्रतिशत से अधिक की कमी को दर्शाता है।

आखिरी सांसें ...

पर चुनाव लड़ेंगे। यह बयान सीट बंटवारे की बातचीत के ठहराव के बीच आया, और इसे गठबंधन के अंदर दबाव की रणनीति माना जा रहा है। तेजस्वी ने कहा, वोटरों से अपील है कि मेरे नाम पर वोट दें, चाहे कोई भी सीट हो। यह सुनते ही सहयोगी दल हैरान रह गए। कांग्रेस ने इसे तेजस्वी का अपना स्टैंड बताया, लेकिन अंदरखाने में नाराजगी साफ दिख रही है। कांग्रेस की नजरें राहुल गांधी पर हैं। वे बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाल चुके हैं, जो उसकी नजर में काफी सफल रही। यात्रा में तेजस्वी के साथ उनकी जोड़ी ने विपक्षी एकता का संदेश दिया, लेकिन अब ये यात्रा कांग्रेस को ज्यादा सीटें दिलाने का हथियार बन गई है। राहुल ने यात्रा के जरिए वोटर लिस्ट से नाम कटने का मुद्दा उठाया, हालांकि यह बैकफायर कर गया। यह अलग बात है कि इंडी गठबंधन के अंदर राहुल की यात्रा सीएम चेहरे की बहस को और उलझा रही है। वामपंथी दलों का कहना है कि कहा कि कांग्रेस को यथार्थवादी होना चाहिए और आरजेडी को लचीला। अगर चेहरा तय न हुआ, तो गठबंधन का वोटर कन्फ्यूज हो सकता है। एनडीए तो नीतीश कुमार को ही आगे रख रहा है, जो स्थिरता का प्रतीक बने हुए हैं।

अब बात सीटों की। 2020 में कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन सिर्फ 19 जीतीं। अब पार्टी कम से कम 70-75 सीटें मांग रही है। राहुल की यात्रा के बाद कांग्रेस का हौसला बढ़ा है, और वे कहते हैं कि खराब सीटें ही क्यों मिलें? इनमें से 12-15 सीटें वामपंथी दलों की हैं, जो पहले जीत चुकी हैं। आरजेडी ये मांग मानने को तैयार नहीं। राजद कहता है कि 2020 का फॉर्मूला ही ठीक है, जिसमें आरजेडी को 144, कांग्रेस को 70 और बाकी सहयोगियों को बाटा गया था।

इस बीच, कांग्रेस ने दबाव बनाने के लिए आज पटना में केंद्रीय कार्य समिति (सीडब्लूसी) की बैठक बुला ली। यह बैठक 1940 के बाद बिहार में पहली बार हुई है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और विपक्षी नेता राहुल गांधी शरीक हुए। सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी सीडब्लूसी बैठक में शामिल नहीं हुईं। कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा, ये सिर्फ बिहार का मुद्दा नहीं, पूरे देश का है। हम दूसरी आजादी की लड़ाई लड़ रहे हैं। एनडीए ने इसपर तंज कसा है कि कांग्रेस सीटों के लिए दबाव डाल रही है।

अधिक सीटों की कांग्रेस की मांग से वामपंथी दल नाराज हैं। सीपीआई (एमएल) के दीपंकर भट्टाचार्य ने 4-5 दिन पहले बयान दिया कि कांग्रेस की ज्यादा मांग से उनकी सीटें खतरे में हैं। गठबंधन अब 5 से बढ़कर 9 दलों का हो गया है आरजेडी, कांग्रेस, वामपंथी, वीआईपी, जेएमएम, एलजेपी (रा) जैसे नए साथी जुड़े हैं। सीटें कम हैं और दावेदार ज्यादा। अगर बात न बनी, तो छोटे दल बगावत कर सकते हैं।गठबंधन में एक और तनाव का बड़ा कारण है विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के मुखिया मुकेश साहनी। वे हर हाल में डिप्टी सीएम का पद चाहते हैं। साहनी कहते हैं, तेजस्वी दूल्हा नंबर एक, मैं नंबर दो। वे 60-70 सीटें मांग रहे हैं, खासकर ईबीसी वोटों के लिए। पहले आरजेडी ने उन्हें उपेक्षित किया, तो वे कांग्रेस के करीब चले गए। राहुल की यात्रा में वे बराबर खड़े दिखे। लेकिन अब कांग्रेस भी ठंडी पड़ गई है। साहनी की मांग से बातचीत जटिल हो गई है। जानकार कहते हैं कि अगर साहनी को जगह न मिली, तो वे एनडीए की ओर रुख कर सकते हैं। यह गठबंधन के लिए बड़ा झटका होगा, क्योंकि वीआईपी के पास निषाद समुदाय का मजबूत वोट बैंक है।

कांग्रेस का रुख देखते हुए आरजेडी ने जवाबी कार्रवाई तेज कर दी है। पहले कांग्रेस की वोटर अधिकार यात्रा का समापन पटना में होना था, लेकिन आरजेडी ने इसे रोका। इसके बाद तेजस्वी ने बिना सहयोगियों के बिहार अधिकार यात्रा शुरू कर दी। ये यात्रा बेरोजगारी और अपराध पर केंद्रित है और तेजस्वी इसमें खुद को मजबूत नेता के रूप में पेश कर रहे हैं। यात्रा राहुल की कामयाबी को कंसोलिडेट करने का बहाना है, लेकिन असल में गठबंधन में अपनी प्रधानता दिखाने की कोशिश है। सबसे तीखा कदम कुटुंबा सीट पर उठाया गया। यहां कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार विधायक हैं। आरजेडी कार्यकर्ताओं ने बिना सीट बंटवारे का फॉर्मूले तय हुए ही अपनी तरफ से आरजेडी उम्मीदवार के तौर पर एक नाम भी सामने कर दिया। इस उम्मीदवार का नाम सुरेश राम पासवान है, जो स्थानीय स्तर पर मजबूत माने जाते हैं। यह सीट अभी तक गठबंधन के बंटवारे में नहीं आई, फिर भी आरजेडी ने दावा ठोक दिया है।

13 सितंबर को कांग्रेस ने कुटुंबा में सम्मेलन किया, तो 15 को घोषणा कर आरजेडी ने 18 को अपना कार्यक्रम रखा। दोनों तरफ से दूसरे दल का कोई नेता नहीं पहुंचा। यह कदम साफ बताता है कि आरजेडी कांग्रेस को आगे बढ़ने नहीं देना चाहता। प्रदेश अध्यक्ष की सीट पर ही दांव खेलकर वह अधिकतम दबाव डाल रहा है। जानकारों का मानना है कि गठबंधन को जल्द फैसला लेना होगा। तेजस्वी की महत्वाकांक्षा अच्छी है, लेकिन गठबंधन की भावना जरूरी। कांग्रेस अगर 60 सीटों पर मान गई, तो बात बन सकती है। मुकेश साहनी जैसे सहयोगियों को संतुष्ट करना भी चुनौती है। कुल मिलाकर, बिहार चुनाव सिर्फ सीटों की जंग नहीं, बल्कि गठबंधनों की परीक्षा है। क्या इंडी गठबंधन इन चुनौतियों से पार पा लेगा या एनडीए फिर बाजी मार लेगा? आने वाले दिनों में साफ हो जाएगा।

जम्मू-कश्मीर की...

चुनाव आयोग ने बताया कि चुनाव का नोटिफिकेशन 6 अक्टूबर को जारी होगा। नामांकन की आखिरी तारीख 13 अक्टूबर रहेगी। नामांकन की जांच 14 अक्टूबर तक की जाएगी। उम्मीदवार चाहें तो 16 अक्टूबर तक नामांकन वापस ले सकते हैं। 24 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान का समय तय किया गया है। इसके बाद शाम 5 बजे से मतगणना शुरू हो जाएगी।

नेता के महिमामंडन...

मद्रास हाईकोर्ट ने पहले ही यह निर्णय दिया था कि सरकार सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिमा लगाने की अनुमति नहीं दे सकती। कोर्ट ने कहा था कि ऐसी प्रतिमाएं अक्सर यातायात जाम और नागरिकों को असुविधा का कारण बनती हैं। अपने फैसले में कोर्ट ने कहा, सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिमा लगाने की अनुमति देने से भारी ट्रैफिक और अन्य समस्याएं होती हैं, जिससे आम जनता को कठिनाई होती है। संविधान के तहत नागरिकों के अधिकारों की रक्षा राज्य का कर्तव्य है।

इसके साथ ही हाईकोर्ट ने यह भी सुझाव दिया था कि सरकार को राज्य भर में लीडर्स पार्क की स्थापना करनी चाहिए, जहां नेताओं की प्रतिमाएं लगाई जा सकें और युवाओं को उनके विचारों के बारे में बताया जा सके। हालांकि तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन ने सुप्रीम कोर्ट की पीठ से यह अनुरोध किया कि क्या वलियूर सब्जी मंडी के प्रवेश द्वार पर प्रस्तावित आर्च (तोरणद्वार) को अनुमति दी जा सकती है क्योंकि इसे लेकर याचिका में विशेष रूप से चुनौती नहीं दी गई थी।

तेजस्वी की ...

जिसमें संविधान के अनुच्छेद 371 के तहत क्षेत्र के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए सीमांचल क्षेत्र विकास परिषद की स्थापना की मांग की थी। अनुमान है कि इसे वे यहां चुनाव में भी अहम मुद्दा बना सकते हैं।

पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने 25 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ा और सीमांचल क्षेत्र में पांच सीटें जीतीं। पार्टी इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में पिछली बार की तुलना में अधिक सीटों पर चुनाव लड़ सकती है और ऐसे संकेत हैं कि कई प्रभावशाली नेता और सामाजिक कार्यकर्ता एआईएमआईएम के टिकट पर चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। माना जा रहा है कि ओवैसी का बिहार चुनाव में आना एक बार फिर तेजस्वी यादव के लिए चुनौती बन सकता है, क्योंकि पिछले चुनाव में सीमांचल की कई सीटों पर एआईएमआईएम की वजह से एनडीए को फायदा हुआ था, जबकि महागठबंधन के प्रत्याशी हार गए थे। इसीलिए ओवैसी का चुनाव से पहले एंट्री करना एक चुनौती माना जा रहा है।

गौरतलब है कि एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इमान ने ओवैसी के कहने पर इंडिया गठबंधन के नेताओं को एक पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने सीमांचल के पिछड़ेपन और उपेक्षा पर प्रकाश डाला था। उन्होंने सांकेतिक तौर पर अपनी पार्टी को महागठबंधन में शामिल कराने की बात भी कही थी। हालांकि इसका आरजेडी की तरफ से कोई भी जवाब नहीं आया था।

अब नाम जोड़ने...

ईसीआईनेट पोर्टल पर फॉर्म 6 (नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए), फॉर्म 7 (मौजूदा मतदाता सूची में नाम शामिल करने/हटाने के प्रस्ताव पर आपत्ति करने के लिए), या फॉर्म 8 (प्रविष्टियों में सुधार के लिए) भरने वाले आवेदक को अब ई-साइन की आवश्यकता पूरी करनी होगी। इसका अर्थ है कि पोर्टल आवेदक को यह सुनिश्चित करने के लिए चेतावनी देता है कि जिस मतदाता पहचान पत्र का वे आवेदन कर रहे हैं, उसमें उनका नाम उनके आधार कार्ड पर दिए गए नाम के समान ही हो, और वे जिस मोबाइल नंबर का उपयोग कर रहे हैं, वह भी आधार से जुड़ा हो।

आपत्ति या नाम हटाने के लिए आवेदन करने हेतु प्रयुक्त फॉर्म 7 में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिसमें उस व्यक्ति का पूरा विवरण साझा करना आवश्यक होता है, जिसका नाम हटाया जाना है या जिस पर आपत्ति की जानी है (कारण: मृत्यु, स्थानांतरण, भारतीय नागरिक न होने के कारण अयोग्य या 18 वर्ष से कम आयु हो सकते हैं)। आवेदक द्वारा फॉर्म भरने के बाद, उन्हें सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सीडीएसी) द्वारा होस्ट किए गए एक बाहरी ई-साइन पोर्टल पर ले जाया जाता है, जो केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन संचालित होता है। सीडीएसी पोर्टल पर आवेदक को अपना आधार नंबर दर्ज करना होगा और फिर एक आधार ओटीपी जनरेट करना होगा, जो उस आधार नंबर से जुड़े फोन नंबर पर भेजा जाता है।इसके बाद आवेदक को आधार-आधारित प्रमाणीकरण के लिए सहमति देनी होगी और सत्यापन पूरा करना होगा। इसके पूरा होने के बाद ही आवेदक को फॉर्म जमा करने के लिए ईसीआईनेट पोर्टल पर फिर से भेजा जाता है। 18 सितंबर को अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा था कि किसी ने ऑनलाइन आवेदनों के माध्यम से आलंद के मतदान केंद्रों से लगभग 6,000 मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश की थी, और ज्यादातर मामलों में आवेदन पत्र जमा करने के लिए वास्तविक मतदाताओं की पहचान का दुरुपयोग किया गया था। फॉर्म जमा करने के लिए ओटीपी प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल किए गए फोन नंबर भी उन मतदाताओं के नहीं पाए गए जिनके नाम पर फॉर्म भरे गए थे। फरवरी 2023 में चुनाव आयोग ने आलंद के लिए नाम हटाने के आवेदनों का सत्यापन किया और मामले में एक प्राथमिकी दर्ज की।इस साल की शुरुआत में लॉन्च किया गया ईसीआईनेट, एक पोर्टल और ऐप है जो मतदाताओं और अधिकारियों के लिए चुनाव आयोग के लगभग 40 पुराने ऐप और पोर्टलों को एक साथ जोड़ता है, जिनमें ईआरओनेट भी शामिल है। चुनाव आयोग ने 2018 में निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के लिए एक केंद्रीकृत पोर्टल के रूप में ईआरओनेट लॉन्च किया था। ईसीआईनेट के माध्यम से, मतदाता फॉर्म जमा कर सकते हैं और चुनाव अधिकारी उन पर कार्रवाई कर सकते हैं। प्रत्येक मामले में, संबंधित बूथ स्तरीय अधिकारी और ईआरओ को जांच करनी होती है। गांधी के आरोपों के जवाब में, चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा था: किसी भी वोट को आम आदमी ऑनलाइन नहीं हटा सकता है, जैसा कि श्री राहुल गांधी ने गलत धारणा बना ली है। प्रभावित व्यक्ति को सुनवाई का अवसर दिए बिना कोई भी वोट हटाया नहीं जा सकता। 2023 में, आलंद विधानसभा क्षेत्र में नाम हटाने के कुछ असफल प्रयास किए गए थे और मामले की जांच के लिए चुनाव आयोग के ही प्राधिकार द्वारा एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि आलंद में जिन 6,018 नामों को हटाने की मांग की गई थी, उनके भौतिक सत्यापन में केवल 24 आवेदन ही सही पाए गए। शेष 5,994 लोगों के आवेदनों पर कार्रवाई नहीं की गई, क्योंकि पाया गया कि वे अभी भी उसी स्थान पर रह रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 25 सितंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता आयोजित

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में जारी हिंदी चेतना मास समारोह की श्रृंखला के अंतर्गत 24 सितंबर 2025 को हिंदी में अनुवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने वैश्विक बंधुता में अनुवाद की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता में सहभागियों को वैज्ञानिक एवं प्रशासनिक-दोनों प्रकार के पाठ अनुवाद हेतु दिए गए, ताकि संस्थान के उद्देश्यों की सहज अभिव्यक्ति और व्यापक प्रसार सुनिश्चित हो सके।संस्थान के विभिन्न संवर्गों-वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक तथा शोध अध्येता-से लगभग 10 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जिनु जेकब एवं डॉ. महेश कुमार द्वारा निर्णायक मंडल के रूप में किया गया।

इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन संस्थान की निदेशक डॉ. सी. तारा सत्यवती के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब और डॉ. महेश कुमार ने किया।

प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागियों ने न केवल अपनी भाषाई दक्षता का प्रदर्शन किया, बल्कि हिंदी के वैज्ञानिक और प्रशासनिक प्रयोग को भी प्रोत्साहित किया।

बेगम बाजार में हुआ अन्नदान

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को बेगम बाजार भूदेवी माता मंदिर स्थित गोशाला के पास राहगीरों को अल्पाहार करवाया गया।इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, अनील भाई, सुनील भाई, राजेश सर योगा, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, रितेश गुप्ता, गोविंद राम पचेरीया, मनोज शर्मा, आशीष, किशन पाल सहित ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा और आरती सम्पन्न

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में स्थित इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा और आरती में बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। इस अवसर पर सभी भक्तों ने दूध देने वाले सर्वप्रथम गणेशजी की आरती की और प्रसाद ग्रहण किया।

पूजा के मुख्य यजमान पद्म किरण रेड्डी एच. थे। प्रसाद के रूप में श्रीखंड और कचौरी सभी भक्तों के बीच वितरित की गई।

पूजा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, दिया अग्रवाल, विजय रेड्डी, विजय कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, प्रवीण अग्रवाल, प्रमोद कुमार सरायवाला, विट्ठलदास अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, दांडू विजय कुमार अग्रवाल, अशोक लाखोटिया, लक्ष्मीकांत इन्नानी, डॉ. राधा कृष्ण, अशोक कुमार रूंगटा, ईवीएसएम और अन्य शामिल थे।

महाराजा अग्रसेन जयंती धूमधाम से मनाई गई

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज नाचराम-मल्लापुर शाखा एवं कृष्णा सखिया महिला शाखा के संयुक्त तत्वावधान में श्री महाराजा अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती मंगलम बैंक्वेट हॉल, मल्लापुर में बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके बाद गणेश वंदना के साथ समारोह की मंगल शुरुआत हुई।इस अवसर पर शाखा द्वारा वरिष्ठ जनों एवं मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। श्याम दीवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन श्री अरुण डाकोतिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शाखा पदाधिकारियों ने उनका स्वागत शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया।

जयंती महोत्सव में बच्चों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियाँ दीं, वहीं कृष्णा सखिया महिला शाखा द्वारा आयोजित म्यूज़िकल तम्बोला को सभी ने खूब सराहा।

समारोह में नाचराम-मल्लापुर शाखा से अध्यक्ष प्रदीप कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल, मंत्री प्रवीण अग्रवाल, सह मंत्री मोहन नारसरिया एवं केएस सदस्य प्रतीक नारसरिया उपस्थित रहे। महिला शाखा से अध्यक्ष निशा गुप्ता, उपाध्यक्ष मंदाकिनी अग्रवाल, मंत्री राधिका अग्रवाल, सह मंत्री अंतिमा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष माया नारसरिया एवं केएस सदस्य सुनैना अग्रवाल ने सक्रिय भागीदारी निभाई।साथ ही, शाखा सलाहकार सुरेश जीतपुरिया, एम.पी. अग्रवाल, ज्वाला मोहन गुप्ता तथा महिला शाखा सलाहकार पिंकी अग्रवाल और संतोष साराफ भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन संयोजक सत्यनारायण अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, सुमित अग्रवाल एवं ज्वाला मोहन गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का समापन जय अग्रसेन के गगनभेदी नारों के साथ हुआ।

53वां रामायण कवि सम्मेलन सम्पन्न

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी प्रगति समाज एवं एग्ज़िबिशन सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 53वें रामायण मेले के अंतर्गत कवि सम्मेलन का आयोजन नुमाइश मैदान में संपन्न हुआ।

कवि सम्मेलन की संयोजिका रूबी मिश्रा ने बताया कि भारी बरसात के बावजूद भी कवियों एवं श्रोताओं का उत्साह कम नहीं हुआ और सभी ने बड़े जोश से भाग लिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता हास्य-व्यंग्य के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि वेणुगोपाल भट्टड़ ने की। संचालन की भूमिका पंडित रामकृष्ण पांडेय ने निभाई।

सर्वप्रथम रामायण मेले के प्रधान संयोजक गोविंद राठी ने सभी कवियों एवं श्रोताओं का स्वागत किया और आगामी 2 अक्टूबर को होने वाले भव्य दशहरा मेले में भाग लेने की अपील की।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पधारे डॉ. मोहन गुप्ता, जसमत भाई पटेल, मेघा रानी, डॉ. भगवंत राव और महेंद्र व्यास का स्वागत किया गया।

कवि सम्मेलन में - वेणुगोपाल भट्टड़, पं. रामकृष्ण पांडेय, ज्योति नारायण, पुष्पा वर्मा, नंदगोपाल भट्टड़, गोविंद राठी, राजकुमार यादव, रामनिवास पाराशर, विद्या दवे श्रीमाली, अंजनी कुमार गोयल, दुर्गा प्रसाद पठून, पुरुषोत्तम कड़ेल, सीताराम माणे और सहसंयोजिका सविता सोनी ने कविता पाठ किया।रामायण मेला के कोषाध्यक्ष गिरधारी लाल डागा, संयोजक मनोज जायसवाल, प्रेमलता कांकाणी, रामदेव नगला, पवन मिश्रा, सुमित राठी सहित कई अन्य गणमान्य मंच पर उपस्थित रहे।अंत में नंदगोपाल भट्टड़ के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कवि सम्मेलन का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज का नवरात्रि महोत्सव

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकन्दराबाद का मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज गौलीगूड़ा स्थित मैढ़ भवन में नवरात्रि महोत्सव बड़ी धूमधाम से मना रहा है। महोत्सव के शुभ अवसर पर मुख्य यजमान श्री सोहनलालजी हरिकिशनजी मायछ द्वारा घट स्थापना और माता की आरती की गई।

इस अवसर पर मुख्य संयोजक प्रदीप मांडण, संयोजक भींवराज मायछ और राजेश खिप्पल, मंत्री श्री द्वारकाप्रसादा मायछ, कोषाध्यक्ष युगल किशोर कड़ेल, शिक्षा सहायता ट्रस्ट के मंत्री घनश्याम मायछ, और पूर्व प्रचार मंत्री पंकज वर्मा मौजूद थे। भवन मंत्री ओमप्रकाश कड़ेल, सह-कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल कडेल, प्रचार मंत्री चन्द्रशेखर रोड़ा, और समाजसेवी श्री नवरतन रोड़ा, राजेश कड़ेल, अशोक मोसूण, मुकेश डाँवर, जुगल सहदेव, मुन्नालाल मांडण, तनमय मांडण, गोपाल धुप्पड़ ने भी माता रानी की आरती में भाग लिया।

आरती के बाद महिला मंडल की संयोजक श्रीमती मंजू परवाल ने भजन-तंबोला का आयोजन किया। इसमें श्रीमती नंदा सुनालिया, श्रीमती सोनाली वर्मा, श्रीमती अर्चना मायछ, श्रीमती सवित खलबलिया, श्रीमती सीमा कड़ेल, श्रीमती शोभा भामा-बेंगलूर, श्रीमती मीना भामा, श्रीमती आरती सहदेव, श्रीमती ज्योती कड़ेल, श्रीमती राजकुमारी मंडान, श्रीमती दुर्गादेवी रोड़ा ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में विजयी रहे प्रतियोगियों को नगद पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

अग्रवाल समाज ने मुकुंदलाल अग्रवाल को किया सम्मानित

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा महाराजा अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती के अवसर पर, अग्रवाल समाज के प्रति उनकी असाधारण सेवा भावना के लिए मुकुंद लाल अग्रवाल को सम्मानित किया गया।

यह सम्मान उन्हें अग्रवाल समाज की वेस्ट ज़ोन संभाग के समन्वयकर्ता के रूप में उनके योगदान के लिए दिया गया। क्लासिक कन्वेंशन 3 में आयोजित एक समारोह में, अग्रवाल समाज के उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, सहमंत्री और अग्रसेन जयंती की प्रधान संयोजिका श्रीमती सीमा जैन, और कोषाध्यक्ष व अग्रसेन जयंती के सह-संयोजक अचल गुप्ता ने उन्हें सम्मान पत्र प्रदान किया।मुकुंद लाल अग्रवाल का यह सम्मान उनकी निःस्वार्थ सेवा और समाज के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है।

अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा को सम्मान पत्र

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज की महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा को हाल ही में एक सम्मान पत्र से नवाजा गया है। यह जानकारी शाखा के प्रचार एवं प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

यह सम्मान महाराजा अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती के अवसर पर क्लासिक कन्वेंशन में दिया गया। शाखा को यह सम्मान सदस्यता अभियान के तहत 1003 सदस्यों की सूची प्रस्तुत करने के लिए दिया गया। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध जी गुप्ता ने यह सम्मान पत्र प्रदान किया।

मुकुंद लाल अग्रवाल ने आगे बताया कि शाखा को अभी भी कई सदस्यों के परिवारों की जानकारी मिलनी बाकी है, लेकिन जयंती समारोह के कारण यह कार्य फिलहाल रोक दिया गया था।

शाखा के अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल ने सदस्यों द्वारा अपने परिवारों की सूची उपलब्ध कराने के लिए उनका आभार व्यक्त किया और बचे हुए सदस्यों से भी जल्द से जल्द सूची देने का आग्रह किया।

यह सम्मान पत्र प्राप्त करने वालों में शाखा के अध्यक्ष मुन्नालाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल, सह-मंत्री अजय दोचानिया, केंद्रीय समिति सदस्य राजेंद्र कुमार अग्रवाल, और शाखा के परामर्शदाता व अग्रवाल समाज के पश्चिम क्षेत्र की शाखाओं के समन्वयकर्ता मुकुंद अग्रवाल शामिल थे।

समाज के पदाधिकारियों ने सभी समाज बंधुओं से गुरुवार, 25 सितंबर 2025 को शाम 5:30 बजे मैढ़ भवन में होने वाले गरबा डांडिया कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे सफल बनाने का आग्रह किया है। यह आयोजन समाज की महिलाओं और बालिकाओं के लिए किया जा रहा है।

अग्रवाल समाज सिकंदराबाद नॉर्थ शाखा की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज सिकंदराबाद नॉर्थ शाखा की सभा का आयोजन पैराडाइज सर्कल स्थित अग्रवाल समाज वेंकट हाल के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में शाखा के मानद मंत्री अशोक आर. डाणी ने बताया कि सर्वप्रथम पिछली बैठक के मिनट्स पढ़कर पारित किए गए। अध्यक्ष राकेश कुमार अग्रवाल ने गत दिनों सम्पन्न डिजाइन योर लाइफ सेमिनार की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।बैठक में बताया गया कि आगामी 10 अक्टूबर को करवा चौथ कार्यक्रम का आयोजन पैराडाइज सर्कल स्थित हरियाणा भवन के चौथे माले पर किया जा रहा है। कार्यक्रम सायं 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित होगा। विस्तृत विचार-विमर्श के बाद कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। शाखा सदस्यों और उनके परिवारों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का अनुरोध किया गया।

इसके अतिरिक्त, बैठक में जानकारी दी गई कि दीपावली मिलन कार्यक्रम आगामी 26 अक्टूबर को आला लिबर्टी अनंतम हाल, टी-19 टावर, रानीगंज, सिकंदराबाद में आयोजित किया जाएगा। सायं 7 बजे से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में मंचीय और सांस्कृतिक कार्यक्रम, लाइव बैंड के साथ संगीत, और रात्रि भोज की व्यवस्था होगी। बैठक का समापन संयुक्त मंत्री संजय अग्रवाल द्वारा आभार व्यक्त करने के साथ हुआ। बैठक में अध्यक्ष राकेश कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष विकास अग्रवाल, मानद मंत्री अशोक आर. डाणी, संयुक्त मंत्री संजय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बिकी सराफ, केंद्रीय समिति सदस्य विकास केशान, कार्यकारिणी सदस्य डॉ. स्वाति गोयल, शीतल अग्रवाल, सुनील सिंघल, पंचम शाह, तरसम अग्रवाल, दीपक बंसल, मुकुल जैन, और विकास सराफ उपस्थित रहे।

मुन्नालाल जी की पुण्यतिथि पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नं,1265-ए के पास स्वर्गीय श्री मुन्नालाल जी की पुण्यतिथि पर अन्नदान किया गया। बुधवार की सेवा विजय ज्वेलर्स की और से की गई।इस अवसर पर महेश अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगतराम गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मनोज शर्मा, संजय गोयल, किरण गोयल, गौरव गोयल, मनीष अग्रवाल, नंदकिशोर गोपाल गोयल,सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा, रमेश गोयल, नंदा गोयल,सुमेर गोयल आदि उपस्थित थे।

जीएचएमसी में डेथ इंफॉर्मेशन बुक की कमी से जनता परेशान

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) में डेथ इंफॉर्मेशन बुक की कमी के कारण हाल ही में निधन हुए लोगों के परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर श्री अग्रवाल सेवा समिति, जो पिछले 75 वर्षों से पुराना पुल शमशान घाट का प्रबंधन कर रही है, ने अपनी चिंता व्यक्त की है।समिति के परामर्शदाता शशिकांत अग्रवाल के अनुसार, समिति ने 6 जून 2025 को हैदराबाद नगर निगम के फलकनुमा डिवीजन कार्यालय में एक आवेदन पत्र भेजा था ताकि उन्हें ये किताबें मिल सकें, लेकिन उन्हें बताया गया कि फिलहाल उनके पास ये पुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं।

जब समिति के पदाधिकारियों ने अपनी संस्था द्वारा ये किताबें छपवाकर जीएचएमसी को देने का प्रस्ताव दिया, तो उन्हें यह कहकर मना कर दिया गया कि ऐसा सरकारी नियमों के अनुसार नहीं किया जा सकता। अधिकारियों ने बताया कि किताबों की छपाई के लिए एक सरकारी टेंडर प्रक्रिया अपनाई जाती है, जिसके बाद ही पुस्तकें मुद्रित की जाती हैं।

इस समस्या के चलते मृतकों का रजिस्ट्रेशन सरकारी वेबसाइट पर नहीं हो पा रहा है, जिससे परिवारों को इंश्योरेंस क्लेम, बैंक खाते, और संपत्ति से संबंधित कार्यों में काफी मुश्किलें आ रही हैं।

श्री अग्रवाल सेवा समिति ने जीएचएमसी के जन्म और मृत्यु विभाग से इस समस्या का तत्काल समाधान निकालने का आग्रह किया है।

एनआईपीएचएम और पीजेटीएसएयू के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत कार्यरत स्वायत्त संस्थान राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम), हैदराबाद ने प्रोफ़ेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएसएयू) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।इस एमओयू पर हस्ताक्षर पीजेटीएसएयू के कुलपति प्रो. अलदास जनैया और एनआईपीएचएम के महानिदेशक डॉ. सागर हनुमान सिंह, आईपीओएस ने दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किए।

इस साझेदारी के तहत एनआईपीएचएम और पीजेटीएसएयू संयुक्त रूप से वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन में डिप्लोमा (6 माह) और स्नातकोत्तर डिप्लोमा (12 माह) कार्यक्रम शुरू करेंगे।इन कार्यक्रमों का उद्देश्य वनस्पति स्वास्थ्य विशेषज्ञों तथा पीड़कनाशी गुणवत्ता एवं अवशेष विश्लेषण के क्षेत्र में कुशल पेशेवर तैयार करना है।पाठ्यक्रमों में- 1) वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन, पादप जैव सुरक्षा, पीड़क प्रबंधन एवं वनस्पति स्वास्थ्य अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता विकल्प।2) कक्षा शिक्षण, प्रयोगशाला सत्र, क्षेत्र भ्रमण और किसान फील्ड स्कूल (एफएफएस)। 3) व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं उद्योग अनुभव। 4) जीसी-एमएस/एमएस और एलसी-एमएस/एमएमस जैसे उन्नत उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाओं का अनुभव और 5) ऐच्छिक विषय, कौशल संवर्धन, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट अवसर शामिल होंगे।इस अवसर पर कुलपति प्रो. अलदास जनैया ने कहा कि यह सहयोग छात्रों के लिए शैक्षिक अवसर बढ़ाएगा और उनके करियर की संभावनाओं को और मज़बूत करेगा।वहीं, एनआईपीएचएम के महानिदेशक डॉ. सागर हनुमान सिंह ने कहा कि संस्थान पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ प्रथाओं को प्रोत्साहित करने और कृषि क्षेत्र में कुशल पेशेवर तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री अदलूरी लक्ष्मण के सहयोग से धर्मपुरी में बनेगी गोशाला

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राज्य के अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री अदलूरी लक्ष्मण कुमार से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान धर्मपुरी में एक गोशाला स्थापित करने की योजना पर सहमति बनी।

संस्था के अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने बताया कि माननीय मंत्री ने तेलंगाना गोशाला फेडरेशन से धर्मपुरी पुण्य क्षेत्र में गोशाला प्रारंभ करने का आग्रह किया, जिसे प्रतिनिधिमंडल ने सहर्ष स्वीकार कर लिया।मंत्री अदलूरी लक्ष्मण कुमार, जो धर्मपुरी निर्वाचन क्षेत्र के विधायक भी हैं, ने गोशाला निर्माण के लिए गोदावरी नदी के तट पर एक एकड़ भूमि दान देने का वायदा किया। साथ ही, उन्होंने प्रतिनिधिमंडल से आग्रह किया कि वे आगामी विजयादशमी पर्व के पश्चात् धर्मपुरी का दौरा करें, ताकि गोशाला की रूपरेखा को मूर्त रूप दिया जा सके और निर्माण कार्य शीघ्र आरंभ हो सके।धर्मपुरी को धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह भारत का एकमात्र धाम है जहाँ यमराज का मंदिर स्थित है और नियमित रूप से पूजा-अर्चना की जाती है। स्थानीय मान्यता के अनुसार, जो व्यक्ति अपने जीवनकाल में एक बार भी धर्मपुरी के यमराज मंदिर के दर्शन कर लेता है, उसे मृत्यु के बाद यमलोक नहीं जाना पड़ता। इसी पवित्रता के मद्देनजर गोशाला की स्थापना न केवल पशु संरक्षण के लिए, बल्कि आध्यात्मिक एवं सामाजिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए भी महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।प्रतिनिधिमंडल में तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के कई पदाधिकारी एवं स्थानीय समाजसेवी शामिल थे। सभी ने मंत्री के सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता की सराहना की और गोशाला के शीघ्र निर्माण की आशा व्यक्त की।

हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के नए रजिस्ट्रार डॉ. शंकर सिंह ठाकुर का सम्मान

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के नए रजिस्ट्रार डॉ. शंकर सिंह ठाकुर के पदभार ग्रहण करने के उपलक्ष्य में सभा में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख वकील एवं सभा के कानूनी सलाहकार जे. वेंकटराम नरसिंहा रेड्डी ने सभा में पधार कर डॉ. ठाकुर को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका सम्मान किया।सम्मान समारोह में जे. वेंकटराम नरसिंहा रेड्डी ने कहा कि यह सभा के लिए गौरव की बात है कि डॉ. शंकर सिंह ठाकुर जैसे विद्वान व्यक्ति यहाँ कार्यरत हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि डॉ. ठाकुर के नेतृत्व में सभा नई ऊँचाइयों को छुएगी और निरंतर प्रगति करेगी।इस अवसर पर सभा के विशेष अधिकारी श्रुतिकांत भारती, कार्यालय मंत्री के. वेंकटेश्वर, नामदेव वाघमोडे, सी. शिवलिंगम, माया पांडे, सी. विनोद कुमार रेड्डी, भानुदास, प्रतिभा कुलकर्णी, श्रीकांत, करुणाश्री, के. सरिता, अरुणा सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे। समारोह में सभी ने डॉ. ठाकुर को शुभकामनाएँ दीं और सभा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, खम्मम की अर्ध-वार्षिक बैठक सम्पन्न

खम्मम, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, खम्मम के संयोजन एवं तत्वावधान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, खम्मम की अर्ध-वार्षिक बैठक आज सहायक महाप्रबंधक श्री राजशेखर बीरा की अध्यक्षता में संपन्न हुई।बैठक में विभिन्न बैंकों, वित्तीय संस्थाओं, उपक्रमों तथा केन्द्र सरकार के कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, उप निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, ऑनलाइन जुड़े और समिति का मार्गदर्शन किया।बैठक का मुख्य उद्देश्य सदस्य कार्यालयों में राजभाषा नीति के बेहतर कार्यान्वयन पर विचार-विमर्श करना था।बैठक का संचालन भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, खम्मम के सदस्य-सचिव श्री वाई. प्रसन्न कुमार ने किया। बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

तेलंगाना भाजपा महिला मोर्चा के तत्वावधान में हैदराबाद के ऐतिहासिक भाग्यलक्ष्मी मंदिर के पास बतुकम्मा उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पूरी तरह से पारंपरिक और शानदार था। इस उत्सव में कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया, जिनमें तमिलनाडु भाजपा की उपाध्यक्ष श्रीमती खुशबू सुंदर, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव, एमएलसी अंजी रेड्डी, तेलंगाना भाजपा राज्य महासचिव डॉक्टर एन. गौतम राव और तेलंगाना महिला मोर्चा की राज्य अध्यक्ष डॉ. शिल्पा, भाग्यलक्ष्मी मंदिर की ट्रस्टी शशिकला, भाजपा नेता सपना गुप्ता, अरुणा, ज्योति, रचना व अन्य बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित हुईं और पूरे जोश के साथ इस पारंपरिक बतुकम्मा पर्व को मनाया, जिससे उत्सव की शोभा और भी बढ़ गई।

अग्रवाल समाज रेनबो विस्टास शाखा द्वारा गौ सेवा और अन्नदान

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज रेनबो विस्टास शाखा ने अमावस्या के शुभ अवसर पर मूसापेट के संकट मोचन हनुमान मंदिर में गौ सेवा का आयोजन किया। इस दौरान, अग्रवाल समाज के कई सदस्यों ने गौशाला में जाकर गायों की सेवा की।गौ सेवा के बाद, रेनबो विस्टास सोसाइटी में अन्नदान का कार्यक्रम रखा गया। इस कार्यक्रम में लगभग 600 लोगों को भोजन कराया गया। इस पहल के लिए रेनबो विस्टास की मैनेजमेंट कमेटी ने अग्रवाल समाज की भरपूर प्रशंसा की।इस अवसर को सफल बनाने के लिए शाखा के अध्यक्ष दीपक गोयल, उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, मानद मंत्री पवन सिंघल, कोषाध्यक्ष तुषार गुप्ता, संयुक्त सचिव आकाशदीप तालुका, केंद्रीय समिति सदस्य विनोद अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, विपिन सिंघानिया, राजेश अग्रवाल, राहुल सिंघल, नवीन अग्रवाल, डॉ. दुर्गेश, सौरभ गरोड़िया, कमल राठी और अन्य सभी सदस्यों ने अपना महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

मल्लान्ना देवरा पालकी महोत्सव 2 अक्टूबर को

बीदर, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विजयादशमी के शुभ अवसर पर, भालकी तालुका के खानपुरा स्थित मल्लान्ना मंदिर में 2 अक्टूबर को मल्लान्ना देवरा पालकी एवं रथोत्सव का आयोजन किया जाएगा।उसी रात 11:15 बजे, रथ मुख्य मंदिर से अपनी यात्रा शुरू करेगा और घृतमारी तुप्पड़ा मालव्वा (गुरुथ मल्लम्मा) मंदिर, मेन रोड और बीदर-भालकी मेन रोड होते हुए हनुमान मंदिर पहुंचेगा। रथोत्सव के बाद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।यह महोत्सव 3 अक्टूबर को सुबह 6:30 बजे महा मंगलआरती के साथ संपन्न होगा। बसवकल्याण के उप-मंडल अधिकारी मुकुल जैन, मेलारा मल्लान्ना मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी और कार्यकारी अधिकारी अनंतराव कुलकर्णी ने सभी भक्तों से इस पालकी और रथोत्सव में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की है।

मूसापेट के हनुमान मंदिर में शिवपुराण कथा

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मूसापेट में स्थित श्री संकट मोचन प्राचीन हनुमान मंदिर में आगामी 28 सितंबर से शिवपुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम समस्त मार्बल कांट्रेक्टर ग्रुप राजस्थान द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के लिए, मंदिर के महंत मदनमोहन महाराज ने सांसद इटेला राजेंद्र और बीजेपी नेता सतीश अग्रवाल को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है।

इस अवसर पर, जसमत पटेल, सतीश जाजु, के. प्रकाश, निशा, भावना और अन्य महानुभाव भी उपस्थित थे।

अवैध सट्टेबाजी ऐप्स मामला

तेलंगाना सीआईडी की तीन राज्यों में छापेमारी, आठ आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सीआईडी ने अवैध सट्टेबाजी ऐप्स के मामले में राजस्थान, गुजरात और पंजाब में छापे मारकर आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी।

सीआईडी की छह टीमों ने तीन राज्यों में छह स्थानों पर छापेमारी की। सीआईडी की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक चारु सिन्हा ने इसे अपनी तरह का पहला ऑपरेशन बताया।

उन्होंने बताया कि सीआईडी ने छह सट्टेबाजी ऐप्स - ताज 0077, फेयरप्लाई.लाइव, आंध्र 365, वीएलबुक, तेलुगु 365 और यस 365 के माध्यम से ऑनलाइन सट्टेबाजी करने और जनता को भारी धन हानि पहुँचाने के आरोप में आठ आरोपी संचालकों को गिरफ्तार किया है।

तलाशी के दौरान भारी मात्रा में डेटा के साथ कई हार्डवेयर उपकरण ज़ब्त किए गए हैं। एडीजीपी ने बताया कि मुख्य अपराधियों की पहचान के लिए जाँच जारी है, जो विदेश में हो सकते हैं।यह पहली बार है जब तेलंगाना पुलिस ने अवैध सट्टेबाजी ऐप्स की जांच के तहत राज्य के बाहर छापेमारी की है।

राज्य पुलिस अवैध सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देने के लिए मशहूर हस्तियों के खिलाफ भी मामले दर्ज कर रही है।जुलाई में प्रवर्तन निदेशालय ने तेलुगु राज्यों

में 29 मशहूर हस्तियों पर मामला दर्ज किया था, जिनमें अभिनेता, प्रभावशाली लोग और यूट्यूबर्स शामिल हैं।केंद्रीय एजेंसी ने सार्वजनिक जुआ अधिनियम, 1867 का उल्लंघन करते हुए अवैध सट्टेबाजी प्लेटफार्मों को बढ़ावा देने के आरोप में ईसीआईआर दायर की थी। धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत यह जांच तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में दर्ज पांच एफआईआर के आधार पर शुरू की गई।इसके बाद ईडी ने फिल्म अभिनेता विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज एवं अन्य से पूछताछ की। इनमें से ज़्यादातर हस्तियों के खिलाफ पहले हैदराबाद और साइबराबाद पुलिस ने मामला दर्ज किया था। उनके खिलाफ पंजागुट्टा, मियापुर, साइबराबाद, सूर्यापेट और विशाखापत्तनम पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज की गई थीं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने 26 मार्च को राज्य विधानसभा में बताया कि सरकार सट्टेबाजी ऐप्स और ऑनलाइन सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करेगी।उन्होंने कहा कि सरकार ने न केवल सट्टेबाजी ऐप्स, ऑनलाइन सट्टेबाजी और ऑनलाइन रमी गेम के बारे में सतर्क रहने का फैसला किया है, बल्कि उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की है।रेवंत रेड्डी ने यह भी कहा कि पिछली बीआरएस सरकार 2017 में ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून लेकर आई थी, लेकिन उसे प्रभावी ढंग से लागू करने में विफल रही।चूँकि मौजूदा कानून में अधिकतम दो साल की सज़ा का प्रावधान है, मुख्यमंत्री ने कहा कि ज़रूरत पड़ने पर आयोजकों और इसमें शामिल सभी लोगों को कड़ी सज़ा देने के लिए कानून में संशोधन किया जाएगा। उनका मानना है कि कड़ी सज़ा अपराध को रोकने में कारगर साबित होगी।

कुलदेवी ज्येष्ठायानी माता के जागरण की तैयारियाँ ज़ोरों पर

श्री ज्येष्ठायानी माता उत्सव समिति की बैठक सम्पन्न

भक्ति रस में डुबोएंगे सुप्रसिद्ध भजन गायक

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल ब्राह्मण समाज के भारद्वाज गौत्र - तुकार तिवारी, पीपाड़ा, पांडिया, नागला, तिवाड़ी, लीलरिया, व्यास की कुलदेवी ज्येष्ठायानी माता का भव्य पांचवां जागरण आगामी 28.09.2025, रविवार रात्रि 8:11 बजे से ऋषि श्रृंग भवन पर आयोजित होगा। इसी संदर्भ में आज भवन परिसर में एक बैठक रखी गई, जहाँ युवा समिति के सदस्यों ने अब तक की गई तैयारियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया।

जागरण में माताजी के भजनों की प्रस्तुति सुप्रसिद्ध भजन गायिका सुर सम्राट श्रीमती स्वाती दाहिमा एवं श्री जगदीश व्यास दाहिमा अपनी टीम के साथ देंगे, जो भक्तों को भजनों के रस में सराबोर करेंगे।

माताजी के दरबार पर पूजन की व्यवस्था पुजारी नरेश दायमा करेंगे, जिन्हें प्रभुदयाल पांडिया एवं ज्योतिषाचार्य माणिकचंद पांडिया का पूरा सहयोग रहेगा।गत वर्षों की तरह इस बार भी दो दिन की वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी एवं यूट्यूब चैनल प्रसारण की व्यवस्था भगीरथजी महेन्द्र नागला तिवाड़ी द्वारा की जाएगी।कार्यक्रम को सुचारु रूप से संचालित करने हेतु 21 युवा सदस्यों की टीम बनाई गई है, जो हर व्यवस्था का ध्यान रखेगी। आयोजन समिति ने और भी इच्छुक युवाओं से सहयोग की अपील की।

उक्त बैठक में रामदेव नागला, विष्णु गोपाल तिवारी, मोहनलाल व्यास, सुरेश तिवारी, भागीरथ शर्मा, रामकुमार तिवारी, नरेश पांडे, विजय शर्मा पांडिया, नरेश नागला, पवन नागला तिवाड़ी, श्यामसुन्दर तिवारी, विनोद नागला मलकाजगिरी, श्रीनिवास नागला, आनंद नागला तिवाड़ी किशनगंज, मनोज तिवारी किशनगंज, कमल किशोर पांडिया रेखावत, सुरेन्द्र तिवारी, सुरेश पांडिया दीपावत सहित युवा समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक का समापन श्री वल्लभ पांडिया के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

भारी बारिश से प्रभावित लोगों को राशन किट का वितरण

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के रामगोपाल-पेट में, हाल ही में हुई भारी बारिश से प्रभावित 250 व्यक्तियों को राशन किट वितरित की गई।

यह पहल बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल ने बीआरएस पार्टी के सहयोग से की।इस वितरण कार्यक्रम के दौरान, विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव और पूर्व मंत्री व विधायक हरीश राव उपस्थित थे। अग्रवाल सेवा दल की ओर से प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता और दीपक गुप्ता भी मौजूद थे।यह प्रयास भारी बारिश से प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए किया गया।

श्री जगन्नाथ मठ में आत्मरक्षा प्रशिक्षण योगशाला का शुभारंभ

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जगन्नाथ स्वामी मठ माधवदासझीरा, सीताराम बाग में पद्म विभूषित श्रीश्रीश्री चिना जीयर स्वामीजी के मंगल आशीर्वाद एवं पूज्य वैकुंठवासी श्रीश्रीश्री त्रिदंडी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज स्वामीजी के शिष्य मठाधीश अच्युत रामानुजाचर्या के तत्वावधान में बुधवार को आत्मरक्षा प्रशिक्षण योगशाला का शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर बताया गया कि मठ पहले से ही वृद्ध आश्रम, गौशाला और वेद विद्यालय के साथ-साथ बालिकाओं एवं बालकों के कल्याण के लिए कार्य कर रहा है। अब आने वाले कठिन समय को ध्यान में रखते हुए आत्मरक्षा प्रशिक्षण केंद्र की शुरुआत की गई है, जिससे बच्चों और युवाओं को अपनी तथा अपने परिवार की रक्षा करने की क्षमता विकसित हो सके।

आयोजन समिति ने कहा कि जैसे माता दुर्गा ने शस्त्र, भगवान हनुमानजी ने गदा, श्री अर्जुन ने धनुष धारण किया और वीरगति प्राप्त छत्रपति शिवाजी महाराज, रानी लक्ष्मीबाई और अन्य वीरांगनाओं ने धर्म रक्षा हेतु बलिदान दिया, उसी प्रकार आज भी आत्मरक्षा अनिवार्य है।निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण केंद्र में मल्लखंभ, दंड, जूडो और कराटे की शिक्षा दी जाएगी। प्रशिक्षण में अनुभवी अध्यापकों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।कार्यक्रम में भक्त राजेश तोषनीवाल ने उपस्थित अध्यापकों अर्जुन, अशोकजी का स्वागत किया।इस अवसर पर मधुसूदन शर्मा, डॉ. हमजा रेड्डी, अशोक, अर्जुन, आनंद सहित अनेक भक्त एवं गणमान्य उपस्थित रहे।

राशन डीलरों ने 124 करोड़ बकाया मांगा

राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की चेतावनी

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य राशन डीलर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने सरकार से 124 करोड़ के लंबे समय से लंबित कमीशन बकाया का तत्काल भुगतान करने की मांग की है। एसोसिएशन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सितंबर के अंत तक भुगतान नहीं किया गया, तो राज्यभर में विरोध प्रदर्शन शुरू किए जाएंगे।एसोसिएशन के अध्यक्ष नायकोटी राजू ने बताया कि डीलर पिछले छह महीनों से बिना भुगतान के संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कमीशन के 124 करोड़ और आपूर्ति बैगों से संबंधित 15 करोड़ अब तक जारी नहीं किए गए हैं। त्योहारों के मौसम में हम गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।01 और 02 अक्टूबर को सोमाजीगुडा स्थित नागरिक आपूर्ति विभाग कार्यालय के सामने शांतिपूर्ण भूख हड़ताल की जाएगी और 03 अक्टूबर से राज्यभर की सभी राशन दुकानें अनिश्चितकाल के लिए बंद रहेंगे।डीलरों ने ज़ोर देकर कहा कि भुगतान में देरी से हजारों परिवार प्रभावित हो रहे हैं, जो पूरी तरह कमीशन पर निर्भर हैं।

शेयर मार्केट

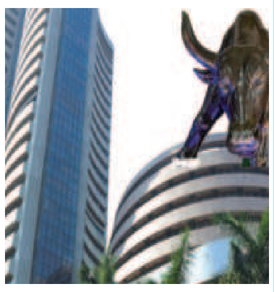

बीएसई : 81,715.63
-386.47 -0.47% ↓

एनएसई :25,169.50
-112.60 (-0.45%) ↓

पी. श्रीनिवास रेड्डी ने केसीआर पर साधा निशाना

कांग्रेस ने 25 लाख इंदिराम्मा आवास वितरित करने का दावा किया

खम्मम, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के ग्रामीण विकास एवं राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) और उनकी बीआरएस सरकार पर करारा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन ने तेलंगाना के गठन के बाद 10 वर्षों तक शासन करते हुए आवास विभाग को समाप्त कर दिया और इंदिराम्मा आवास योजना के तहत वादा किए गए 10 लाख घरों का निर्माण पूरा करने में पूर्ण रूप से विफलता हासिल की।

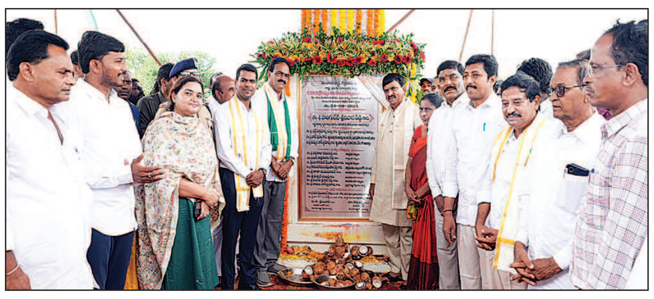

मंत्री श्रीनिवास रेड्डी ने अरेम्पुला के दौरे के दौरान आयोजित इंदिराम्मा घरों के गृह प्रवेश कार्यक्रम में भाग लिया और लाभार्थियों व अधिकारियों से सीधे बातचीत की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अब तक राज्य भर में 4.5 लाख इंदिराम्मा आवास वितरित कर दिए हैं और कुल 25 लाख घरों का निर्माण करने का लक्ष्य पूरा करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है।एक जनसभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने केसीआर प्रशासन की कड़ी आलोचना की और कहा,

कालेश्वरम जैसी विशाल परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के चक्कर में बीआरएस सरकार ने गरीबों के घरों की आवश्यकता को नजरअंदाज कर दिया। कालेश्वरम फाउंडेशन की शुरुआत और निर्माण केसीआर के कार्यकाल में हुआ, लेकिन उसके पीछे भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के गंभीर आरोप लगे रहे। इस बीच, लाखों गरीब परिवारों को अपने घरों का इंतजार करना पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता दी है।

हमने आवास योजनाओं में सख्त सुधार किए हैं। अब घर बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप या भ्रष्टाचार के सीधे पात्र लाभार्थियों तक पहुंच रहे हैं। मंत्री ने केवल आवास योजनाओं तक ही सीमित न रहते हुए, कृषि भंडारण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रयासों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि 5 लाख मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदामों और 9,700 मीट्रिक टन क्षमता वाले कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं का निर्माण किसानों और स्थानीय समुदायों की आय बढ़ाने और फसलों के भंडारण की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है।अंत में, श्रीनिवास रेड्डी ने वर्तमान सरकार के 'गरीब पहले' दर्शन पर बल दिया और कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन और समय पर लाभ वितरण ही कांग्रेस प्रशासन की पहचान है-जो पिछली सरकार की अधूरी योजनाओं और देरियों से स्पष्ट रूप से अलग है।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, REENA Spouse of Rank SUB, Name:JAGDISH PRASAD, R/o of Vill:Balwantpura, Teh:Nawalgarh, Dist:Jhunjhunun, Rajasthan, Pin Code 333042, have changed my name from REENA to REENA DEVI due to wrongly published in my husband's Service Records vide affidavit dt:21/9/2025

CHANGE OF DATE OF BIRTH

I, JC-736518L NB SUB SANDEEP CHOUDHARY OF NCC DTE (AP&T), SECUNDERABAD, CORRECTION IN DATE OF BIRTH OF WIFE IN SERVICE DOCUMENTS. DATE OF BIRTH OF HER 01 AUG 1986 (INCORRECT) AND HER CORRECT DATE OF BIRTH IS 10 SEP 1987.

CHANGE OF NAME

I, Service No 17016203M, Rank-NK, Name-Dandekar Naresh Rambhau presently residing at Shukrawari ward Pauni, Vill&Teh-Pauni,Dist-Bhandara, State-Maharashtra,PIN-441910. I have changed my Daughter name from SHRAVI DANDEKAR to SHRAVI NARESH DANDEKAR add in my service documents before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad dated 23/09/2025.

CHANGE OF NAME

I,Shri. FAKEERAPPA father of No 15444963M NK SIDDLINGAPPA JOGI, R/O Vill: Turanur. Post : Ramdurg. Tehsil : Ramdurg, Dist: Belagavi-591 123 (Karnataka) have changed my name in my son service document from FAKEERAPPA to FAKEERAPPA YALLAPPA JOGI as per Aadhar, Election Identity card and other relevant record, Affidavit sworn before M M Kamate. Notary GOI. Belagavi dt 22nd Sep 2025

CHANGE OF NAME

I,Smt NINGAVVA mother of No 15444963M NK SIDDLINGAPPA JOGI, R/O Vill: Turanur. Post Ramdurg, Tehsil : Ramdurg, Dist: Belagavi-591123 (Karnataka) have changed my name in service document of my son from NINGAVVA to NINGAVVA FAKEERAPPA JOGI as per Aadhar, Election Identity Card, relevant record & Affidavit sworn before M M Kamate, Notary,GOI,Belagavi dt 22nd Sep 2025

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,16,920/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,38,780/-
(प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 27^0
न्यूनतम : 23^0

प्रेम विवाह से शुरू हुआ ड्रामा

युवती का उसके ही माता-पिता ने किया अपहरण

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बुधवार सुबह कीसरा पुलिस सीमा के अंतर्गत नरसंपल्ली गांव में एक सनसनीखेज घटना ने सभी को हैरान कर दिया। एक युवती को उसके प्रेम विवाह को लेकर चल रहे पारिवारिक विवाद के बीच उसके अपने ही माता-पिता ने कथित तौर पर अगवा कर लिया।जानकारी के अनुसार, युवती ने अपने माता-पिता की सहमति के बिना गांव के ही एक युवक प्रवीण से शादी की थी। शादी के बाद से ही दोनों परिवारों के बीच तनाव चल रहा था। पिछले चार महीनों से युवती और प्रवीण अलग रह रहे थे, क्योंकि युवती के परिवार ने उनके रिश्ते को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।मामला बुधवार को तब चरम पर पहुंच गया जब युवती के माता-पिता अपने रिश्तेदारों के साथ सुबह-सुबह प्रवीण के घर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उन्होंने प्रवीण पर हमला कर दिया, उसके चेहरे पर मिर्च पाउडर छिड़का, युवती की आंखों पर पट्टी बांधी और उसे जबरन अपने साथ ले गए। इस घटना ने पूरे गांव में हड़कंप मचा दिया और यह चर्चा का विषय बन गया।अपहरण के तुरंत बाद, प्रवीण ने कीसरा पुलिस स्टेशन में एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई करते हुए युवती के माता-पिता के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया और जांच शुरू कर दी।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जांच प्रक्रिया जारी है और वे युवती की सुरक्षित बरामदगी सुनिश्चित करने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं।

श्रद्धेय गोपाल जी अग्रवाल के महानिर्वाण का एक माह पूर्ण

श्री गोपालजी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमलजी बसईवाले)

स्वर्गवास : शुक्रवार दि.22-8-2025

हम आपकी कमी हर पल महसूस करते हैं...

आपकी इबादत ही थी कि आज भी हाथों से
आखों और आंखों से स्वप्न तक उतर आता है अखबार।
आपकी जिजिविषा, आपका यौद्धेय याद आता है बार-बार,
अश्रुपूरित श्रद्धांजलि देता शुभ-लाभ परिवार...

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.